वर्ष-07 • अंक 327
पृष्ठ-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
शुक्रवार, 04 सितम्बर 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073
केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून गाज़ियाबाद, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

कृषि विकास से प्रदूषण नियंत्रण तक, मुख्य सचिव 3
2027 का चुनाव: जातीय समीकरण से ज्यादा महत्वपूर्ण होंगे जनता 4
झांसी वर्कशॉप ने कोच के लिए तैयार किए ज्यादा क्षमता वाले डस्टबिन.................... 11

विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़े, लेकिन श्रीकृष्ण की स्मृति नहीं मिटा पाए : योगी आदित्यनाथ

वृंदावन में स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण, बोले- अपनी जड़ों और विरासत को जानने वाला समाज ही दुनिया को दिशा देता है

मथुरा/वृंदावन(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने मथुरा में मंदिरों को तोड़ा, लेकिन वे भगवान श्रीकृष्ण की स्मृति को नहीं मिटा सके। उन्होंने कहा कि न जन्माष्टमी का आयोजन रुका, न बरसाना की होली थमी और न ही गोवर्धन की परिक्रमा बंद हुई। यही सनातन की निरंतरता और ब्रज की शक्ति है। मुख्यमंत्री गुरुवार को वृंदावन में स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह के भव्य लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। पवन हंस हेलीपैड पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री प्रेक्षागृह पहुंचे, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच इसका लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगीत की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद ब्रज के कलाकारों ने राधा-कृष्ण की लीलाओं का मनमोहक मंचन किया। गुजरात के गरबा और ब्रज के प्रसिद्ध मयूर नृत्य की प्रस्तुतियों ने भी समारोह में आकर्षण बढ़ाया। लोकार्पण से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप में सजे नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन कराया और उन्हें उपहार भेंट किए। इस दौरान उन्होंने ब्रज के प्रमुख संतों का स्वागत एवं अभिनंदन भी किया। इनमें फूलडोल बिहारी दास महाराज, महंत सुतीक्ष्ण दास, महंत सनतकुमार शरण महाराज, स्वामी रामदेवानंद सरस्वती और संत बलराम दास शामिल रहे। कार्यक्रम में 321 सपेरा समाज के लाभार्थियों को भवन आवंटन पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ब्रज से लेकर गोरखपुर तक विकास कार्य लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले ब्रज क्षेत्र की स्थिति जर्जर थी, लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में क्षेत्र के कायाकल्प का काम हुआ है। श्रीकांत शर्मा ने बताया कि मथुरा में यमुना में गिरने वाले 36 नालों में से 32 को बंद किया जा चुका है, जबकि शेष चार नालों को भी अक्टूबर तक बंद करने का लक्ष्य है। इसके अलावा सूरदास ब्रजभाषा अकादमी की स्थापना और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर पड़ाव स्थलों के निर्माण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। सांसद हेमा मालिनी ने 'राधे-राधे' के संबोधन के साथ स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह को ब्रज की कला, संगीत, नृत्य और साहित्य का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रेक्षागृह स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराएगा। आने वाले समय में देश-दुनिया के कलाकार यहां अपनी प्रस्तुतियां दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह केंद्र ब्रज की महान सांस्कृतिक परंपरा, भाषा, कला और लोक विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रेक्षागृह के माध्यम से ब्रज की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में 1,051 करोड़ रुपये की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह को भी संबोधित किया। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर ब्रज की पावन धरती से प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण की भक्ति को अपनी साधना का केंद्र बनाने वाले स्वामी हरिदास की स्मृति में प्रेक्षागृह का लोकार्पण होना अपने आप में विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि संतों और राधा-कृष्ण के अनुयायियों की उपस्थिति में इस सांस्कृतिक केंद्र का लोकार्पण ब्रज की परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी राष्ट्र अपनी स्मृति, संस्कृति और जड़ों से महान बनता है। जिस समाज को अपनी जड़ों का ज्ञान नहीं होता, वह आधुनिकता को भी दूसरों की नकल के रूप में देखने लगता है। इसके विपरीत जिस समाज को अपनी विरासत का बोध होता है, वह दुनिया से सीखने के साथ दुनिया को भी कुछ सिखाता है।

पीलीभीत के पांच मजदूरों की मौत

पीलीभीत(एजेंसी)। रोजी-रोटी की तलाश में हरियाणा जा रहे पीलीभीत के मजदूरों से भरा लोडर वाहन बृहस्पतिवार तड़के सोनीपत के खरखौदा बस अड्डे के पास भीषण हादसे का शिकार हो गया। हादसे में पीलीभीत जिले के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए पीजीआई मेडिकल कॉलेज, रोहतक में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के गांव में कोहराम मच गया। परिजन हरियाणा के लिए रवाना हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, दियोरिया कलां थाना क्षेत्र के बड़ेपुरा कुसुमा गांव से 11 मजदूर और एक चालक समेत 12 लोग लोडर वाहन से हरियाणा में मजदूरी करने जा रहे थे। बृहस्पतिवार तड़के करीब चार बजे खरखौदा बस अड्डे के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना भीषण था कि रामनरेश (35), अखपाल मौर्य (30), सुशील शर्मा (22) और चालक आरिफ की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल मेवाराम (40) ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में खुशीराम शर्मा (55), प्रमोद मौर्य (18), संजीव मौर्य (25), पातीराम वर्मा (27), महेंद्र पाल मौर्य (60), हरिशंकर वर्मा (35) और विवेक (20) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी का उपचार पीजीआई मेडिकल कॉलेज, रोहतक में चल रहा है। किसान नेता देवस्वरूप पटेल ने खरखौदा थाना प्रभारी अनिल कुमार से दूरभाष पर बातचीत कर हादसे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का आग्रह किया। हादसे की जानकारी पीलीभीत सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को भी दी गई। बताया गया कि केंद्रीय राज्यमंत्री ने हरियाणा के उच्च अधिकारियों से बातचीत कर घायलों के उपचार सहित हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। खरखौदा थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि सभी घायलों का पीजीआई रोहतक में उपचार चल रहा है। गंभीर रूप से घायल मेवाराम की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई है।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद को तैयार भारत : जयशंकर

> जयशंकर ने कहा कि स्थायी और स्वीकार्य समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच संवाद जरूरी है। यदि भारत किसी भी तरह से शांति प्रक्रिया में योगदान दे सकता है तो वह इसके लिए तैयार है। उनके इस रुख से संकेत मिलता है कि रूस और यूक्रेन की सहमति होने पर भारत मध्यस्थता सहित अन्य शांति प्रयासों में भूमिका निभा सकता है।

कीव(एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत ने एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। यूक्रेन की राजधानी कीव में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ बातचीत के दौरान कहा कि भारत दोनों पक्षों की सहमति होने पर शांति प्रयासों में हरसंभव मदद करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि युद्ध का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति के जरिए ही निकलेगा। जयशंकर ने कहा कि स्थायी और स्वीकार्य समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच संवाद जरूरी है। यदि भारत किसी भी तरह से शांति प्रक्रिया में योगदान दे सकता है तो वह इसके लिए तैयार है। उनके इस रुख से संकेत मिलता है कि रूस और यूक्रेन की सहमति होने पर भारत मध्यस्थता सहित अन्य शांति प्रयासों में भूमिका निभा सकता है। बैठक में काला सागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हालिया हमलों का मुद्दा भी उठाया। भारत के लिए यह विषय महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूर्व में ऐसी घटनाओं में भारतीय नाविक भी प्रभावित हुए हैं। जयशंकर का तीन दिवसीय विदेश दौरा 3 से 5 सितंबर तक है। इस दौरान वह यूक्रेन और पोलैंड की यात्रा कर रहे हैं। दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करना है। जयशंकर की कीव यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के कुछ दिनों बाद हो रही है। शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान हुई बैठक में मोदी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रयास तेज करने की जरूरत पर जोर दिया था।

पाल की तबाही देख भावुक हुआ 6 साल का अल्फाज,

कुशीनगर। छोटी उम्र में बड़ी सोच की मिसाल पेश करते हुए कुशीनगर के छह वर्षीय अल्फाज शेख ने नेपाल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपनी एक साल की जमा पूंजी दान कर दी। नेपाल में बाढ़ से मची तबाही के दृश्य टीवी और सामाजिक माध्यमों पर देखकर अल्फाज भावुक हो गया और उसने अपनी गुल्लक में जमा पूरी रकम जरूरतमंदों को देने का फैसला किया। पडरौना तहसील के बेतिया गांव निवासी अल्फाज गुरुवार को पैसों से भरी अपनी गुल्लक लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा और जिलाधिकारी को सौंप दी। मासूम ने प्रशासन से आग्रह किया कि उसकी बचत की रकम राहत कोष में जमा कर बाढ़ प्रभावित लोगों तक पहुंचाई जाए। अल्फाज की इस पहल ने अधिकारियों को भी भावुक कर दिया। अधिकारियों ने उसकी संवेदनशीलता और मदद की भावना की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

19 सितंबर को इंदौर आएंगे राहुल गांधी, 'छात्रों की गूंज' में युवाओं से करेंगे संवाद

इंदौर(एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी 19 सितंबर को इंदौर आएंगे। वे यहां प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में प्रदेशभर के विद्यार्थियों और युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, पेपर लीक, युवाओं के अधिकार और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा प्रस्तावित है। कार्यक्रम के आयोजन के लिए कांग्रेस ने इंदौर के नेहरू स्टेडियम की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर स्टेडियम उपलब्ध कराने तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि 'छात्रों की गूंज' केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और युवाओं की समस्याओं को सामने रखने का संवाद मंच है। पार्टी ने सरकार से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कार्यक्रम के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने की मांग की है। कांग्रेस के अनुसार, यदि नेहरू स्टेडियम की अनुमति नहीं मिलती है तो जिला प्रशासन से चर्चा कर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि भाजपा सरकार छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को युवाओं के सवालों से डरने के बजाय उनकी समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने 'छात्रों की गूंज' को युवाओं के भविष्य और उनके अधिकारों से जुड़ा संवाद कार्यक्रम बताया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी देशभर में विद्यार्थियों और युवाओं से संवाद कर रहे हैं। 'छात्रों की गूंज' का उद्देश्य युवाओं के सपनों, समस्याओं तथा शिक्षा और रोजगार से जुड़े सवालों को सामने लाना है। उन्होंने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल के प्रचार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संवाद का मंच है। पटवारी ने कहा कि सरकार यदि नेहरू स्टेडियम उपलब्ध नहीं कराती है तो कांग्रेस प्रशासन से चर्चा कर किसी अन्य स्थान पर कार्यक्रम आयोजित करेगी, लेकिन छात्रों की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा। राहुल गांधी के प्रस्तावित इंदौर दौरे और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने मैराथन बैठक की।

मथुरा में दरोगा का खून से सना शव मिला, माथे पर लगी थी गोली

मथुरा। गोकुल बैराज के पास गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस के एक दरोगा का वर्दी में खून से सना शव मिलने से हड़कंप मच गया। दरोगा के माथे पर गोली का निशान मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, टीएसआई पंकज कुमार की गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस कार्यालय में ड्यूटी लगाई गई थी। इसके बावजूद उनका शव गोकुल बैराज के पास मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। दरोगा द्वारा यह कदम उठाए जाने के संभावित कारणों का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच के आधार पर की जाएगी।

अवकाश

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर स्वतंत्र प्रभात परिवार की ओर से सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। जन्माष्टमी के अवसर पर स्वतंत्र प्रभात कार्यालय में 4 सितंबर 2026 को अवकाश रहेगा। इसके चलते समाचार पत्र का अगला अंक रविवार 6 सितंबर 2026 को प्रकाशित होगा।

— संपादक
स्वतंत्र प्रभात

हिंसा जारी रही तो दिल्ली में करेंगे प्रदर्शन : ममता

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को कैमक स्ट्रीट स्थित टीएमसी कार्यालय में हुई कथित तोड़फोड़ की निंदा की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसी घटनाएं जारी रहीं तो उनकी पार्टी नई दिल्ली में भाजपा नेताओं के आवासों के बाहर प्रदर्शन करेगी। ममता बनर्जी ने फेसबुक लाइव के माध्यम से आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित लोगों ने टीएमसी कार्यालय में तोड़फोड़ करने के साथ जरूरी दस्तावेज और उपकरण भी ले लिए। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को दर्शाती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोलकाता में पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की यह स्थिति है तो ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कोलकाता पुलिस को विश्वास में लेकर टीएमसी कार्यालय में तोड़फोड़ की।

अमेरिका से व्यापार समझौते पर भारत का रुख स्पष्ट, तरजीही दर मिलने पर ही अंतिम मुहर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि समझौते की घोषणा तभी की जाएगी, जब अमेरिका भारत को उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में तरजीही शुल्क दर उपलब्ध कराएगा। नई दिल्ली में आयोजित 'मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने' संबंधी राष्ट्रीय कार्यशाला में गोयल ने कहा कि भारत अपने निर्यातकों के हितों को ध्यान में रखते हुए व्यापार समझौतों को आगे बढ़ा रहा है। गोयल के अनुसार, जैसे ही अमेरिका भारत को प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर शुल्क दर देने की पेशकश करेगा, व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर उसके विवरण की घोषणा की जा सकती है। भारत और अमेरिका ने फरवरी में समझौते के पहले चरण की रूपरेखा तैयार कर ली थी, लेकिन बाद में अमेरिकी शुल्क व्यवस्था में बदलाव के कारण बातचीत को आगे बढ़ाना पड़ा। गोयल सितंबर के अंत में अमेरिका के मिल्वौकी जाएंगे। वहां 30 सितंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय जी-20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लेने के साथ अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। अमेरिका भारतीय उत्पादों के लिए प्रमुख बाजारों में शामिल है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने अमेरिका को करीब 87 अरब डॉलर मूल्य के वस्तुओं का निर्यात किया। अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा वियतनाम, बांग्लादेश, थाईलैंड, कंबोडिया, इंडोनेशिया, मलेशिया और श्रीलंका जैसे देशों से है। यदि भारत को इन देशों की तुलना में कम शुल्क दर मिलती है तो भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में कीमत के स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सकती है। इससे निर्यात बढ़ने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत के पास फिलहाल नौ सक्रिय मुक्त व्यापार समझौते हैं। इनके जरिए भारत को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बाजारों में तरजीही पहुंच मिलती है। आने वाले समय में कनाडा, मैक्सिको, चिली, मर्कोसुर, दक्षिण अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ, खाड़ी सहयोग परिषद और इस्राइल के साथ भी नए व्यापार समझौतों पर काम किया जा रहा है।

11 सितंबर को बंद रहेंगे दिल्ली में केंद्र सरकार के कार्यालय

ब्रिक्स शिखर समेलन के चलते लिया गया फैसला, 12 और 13 सितंबर को शनिवार-रविवार के कारण रहेगा अवकाश

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के चलते 11 सितंबर को नई दिल्ली स्थित केंद्र सरकार के सभी कार्यालय बंद रहेंगे। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। सम्मेलन के दौरान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने भी विशेष यातायात परामर्श जारी किया है। 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 11 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित होगा। इस दौरान ब्रिक्स व्यापार मंच सहित कई महत्वपूर्ण बैठकें होंगी। सम्मेलन में ब्रिक्स के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली क्षेत्र में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधिमंडलों के ठहरने के लिए राजधानी के कई प्रमुख होटलों में व्यवस्था की गई है। विदेशी मेहमानों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 11 सितंबर को सरकारी कार्यालयों में अवकाश रखने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद 12 और 13 सितंबर को शनिवार और रविवार होने के कारण नियमित अवकाश रहेगा। ब्रिक्स में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इसके अलावा बेलारूस, क्यूबा, बोलीविया, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम सहित सहयोगी देशों के प्रतिनिधि भी सम्मेलन में पहुंचेंगे। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का मुख्य विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' रखा गया है। इसके तहत सदस्य देश साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग मजबूत करने के साथ वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। भारत की अध्यक्षता का जोर मानव-केंद्रित विकास और 'मानवता सर्वोपरि' की भावना पर रहेगा।

50 हजार से ज्यादा ड्रोन बिना जांच-रजिस्ट्रेशन के सक्रिय, सुरक्षा पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के बाजार में 50 हजार से ज्यादा ऐसे ड्रोन सक्रिय होने का दावा किया गया है, जिन्हें बिना आवश्यक अनुमति और पंजीकरण के भारत लाया गया है। इनमें बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और कृषि क्षेत्र में कीटनाशक छिड़काव के लिए किया जा रहा है। ड्रोन उद्योग ने इसे नियमों का पालन करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए नुकसानदायक बताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। ड्रोन फेडरेशन इंडिया के अनुसार, बाजार में बिक रहे कई कृषि ड्रोन की न तो आवश्यक जांच हुई है और न ही उनका पंजीकरण कराया गया है। कुछ ड्रोन 10 किलोग्राम से अधिक वजन लेकर उड़ रहे हैं, लेकिन उन पर ऊंचाई और उड़ान सीमा से जुड़े निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। फेडरेशन का कहना है कि ड्रोन और उनके कलपुर्जों को अवैध तरीके से भारत लाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जा रहे हैं। गलत जानकारी देकर सामान मंगाने के अलावा ड्रोन के हिस्सों को अलग-अलग खेप में आयात कर देश में जोड़ने के मामले सामने आ रहे हैं। कुछ व्यावसायिक ड्रोन को खिलौना बताकर सीमा शुल्क से निकालने की कोशिश भी की जा रही है। अवैध ड्रोन की बिक्री स्थानीय बाजारों तक सीमित नहीं है। इन्हें ई-कॉमर्स वेबसाइटों और सामाजिक मीडिया मंचों के माध्यम से भी बेचा जा रहा है। फेडरेशन के मुताबिक, देश में नियमों की कमी नहीं है, बल्कि मौजूदा नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है। ड्रोन फेडरेशन इंडिया ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। फेडरेशन ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वाले ड्रोन से घरेलू निर्माताओं को नुकसान हो रहा है और इससे विमानन सुरक्षा के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ सकता है। फेडरेशन ने राजस्व खुफिया निदेशालय और नागर विमानन महानिदेशालय की संयुक्त कार्रवाई का सुझाव दिया है। स्थानीय पुलिस और अन्य एजेंसियों की मदद से बड़े विक्रेताओं की पहचान कर अवैध ड्रोन जब्त करने और जुर्माना लगाने की मांग की गई है।

संक्षिप्त खबरें

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का एक दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम 06 सितम्बर को

अमेठी। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य का एक दिवसीय जनपद अमेठी भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 06 सितम्बर 2026 दिन रविवार को होना प्रस्तावित हुआ है। उक्त निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प मुख्यमंत्री 11:55 बजे जनपद के राजीव गाँधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान जायस, अमेठी पहुँचेंगे। उसके उपरान्त एस0 सी0 बोस हॉस्टल, होमी भाभा एवं विद्यासागर हॉस्टल के उद्घाटन समारोह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। तदोपरान्त पार्टी पदाधिकारियों/ कार्यकर्ताओं/ जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। उसके उपरान्त उप मुख्यमंत्री विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे तदोपरान्त जनपद की विकासशील/ निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे तथा 13:15 बजे जनपद अमेठी से जनपद प्रयागराज के लिए प्रस्थान करेंगे।

हरछठ पर कांग्रेस नेत्री ने पूजा कर की सुख समृद्धि की कामना

लालगंज (रायबरेली)। हरछठ पर्व पर कांग्रेस नेत्री सुधा द्विवेदी ने बुधवार को अपने आवास पर विधि विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने क्षेत्रवासियों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी परिवारों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सुधा द्विवेदी ने कहा कि हरछठ सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन माताएं संतान की दीर्घायु, उन्नति और कुशलता के लिए व्रत रखती हैं। उन्होंने हरछठ माता से सभी परिवारों में सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना की। उनके सोशल मीडिया संदेश पर स्थानीय लोगों ने भी उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर कंचन श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं के बीच सुधा द्विवेदी का खास जुड़ाव है। वह प्रमुख त्योहारों पर श्रद्धा के साथ पूजा करती हैं और क्षेत्र की महिलाओं को शुभकामनाएं देती हैं। इससे महिलाएं उनसे आत्मीय जुड़ाव महसूस करती हैं।

युवती के अपहरण की सूचना से मचा हड़कंप, पुलिस ने दौड़ाई कई टीमें

भाई-सहेली के साथ मिली युवती

लालगंज (रायबरेली)। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बृहस्पतिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवती के अपहरण की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में अफरातफरी मच गई और युवती की तलाश में कई टीमें लगा दी गई।बताया गया कि युवती अपने भाई और सहेली के साथ चौपहिया वाहन से बाजार गई थी। इसी दौरान गांव के किसी व्यक्ति ने पुलिस को युवती के अपहरण की सूचना दे दी। मामला गंभीर मानते हुए पुलिस ने तत्काल तलाश शुरू कर दी।इसी बीच अपहरण की सूचना युवती तक भी पहुंच गई। युवती तत्काल घर लौटने लगी। रास्ते में तलाश कर रही पुलिस टीम ने उसे उसके भाई और सहेली के साथ पकड़ लिया। पुलिस तीनों को कोतवाली ले आई और घंटों पूछताछ की।पूछताछ में अपहरण की पूरी कहानी गलतफहमी निकली। पुलिस के मुताबिक, किसी व्यक्ति ने गलतफहमी के चलते अपहरण की सूचना दे दी थी। इसके बाद दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई गई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने लिखित सुलहनामा देकर किसी प्रकार की कार्रवाई न करने पर सहमति जताई है। हालांकि मामले में दो युवकों का शांति भंग में चालान किया गया है।

पीएलवी चयन के लिए 16 सितंबर को होगा साक्षात्कार

देवरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पराविधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) के चयन के लिए 16 सितंबर को साक्षात्कार होगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अर्चना ने बताया कि साक्षात्कार दोपहर दो बजे दीवानी न्यायालय परिसर स्थित वीडियो कांफ्रेंसिंग भवन में आयोजित किया जाएगा। सभी आवेदकों को निर्धारित तिथि और समय पर अपने मूल अभिलेखों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

पोखरा खुदाई-सफाई कार्य के नाम पर फर्जी हाजिरी का खेल जारी

ग्राम प्रधान सचिव व TA की मिलीभगत से फर्जीवाड़ा करने में है दिख रहे माहिर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुदरहा बस्ती। विकासखंड कुदरहा की ग्राम पंचायत कड़जा अजमतपुर में लाल जी चौधरी के घर के बगल स्थित पोखरे की खुदाई एवं सफाई कार्य के नाम पर कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और सूत्रों के अनुसार पोखरा में वर्तमान में पानी से भरा हुआ है तथा जलकुंभी से पूरी तरह जकड़ा हुआ दिखाई दे रहा है, इसके बावजूद 'विकसित भारत जी राम जी' के कार्य के नाम पर मजदूरों की लगातार हाजिरी लगाए जाने का आरोप है। सूत्रों का दावा है कि पोखरा सफाई एवं खुदाई के नाम पर प्रतिदिन करीब 12 हजार रुपये की मजदूरी की कथित फर्जी हाजिरी दर्ज की जा रही है। आरोप है कि मौके पर वास्तविक कार्य और ऑनलाइन दर्ज की जा रही मजदूरों की हाजिरी में अंतर हो सकता है। यदि आरोप सही हैं तो यह सरकारी धन के दुरुपयोग का गंभीर मामला हो सकता है।

इस पूरे मामले में ग्राम प्रधान के साथ ही संबंधित सचिव और तकनीकी सहायक (टीए) की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, विकासखंड स्तर पर एपीओ कुदरहा और बी.डी.ओ की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि आखिर सरकारी कार्यों की निगरानी और सत्यापन किस स्तर पर किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल के कड़े निर्देशों के बावजूद ग्राम पंचायत कड़जा अजमतपुर में कथित अनियमितताओं पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। इससे न केवल सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका पैदा हो रही है, बल्कि शासन की योजनाओं की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं फिर भी खण्ड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज कमीशन बाजी में मस्त हैं। खण्ड विकास अधिकारी को ग्राम पंचायत कड़जा अजमतपुर के विकास कार्यों से कोई मतलब नही है। अब देखना यह है कि ग्राम पंचायत कड़जा अजमतपुर में जारी फर्जी आनलाइन मस्टर रोल जीरो हो पाता है या लेन - देन करके मामले को रफा-दफा कर दिया जायेगा।

जिम्मेदारों की भूमिका पर उठ रहा बड़ा सवाल

सीडीओ के कड़े निर्देश के बाद भी ग्राम पंचायत कड़जा अजमतपुर में नही रुक रहा फर्जीवाड़ा

एसबी ग्लोबल कान्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से मोहा मन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। एस वी ग्लोबल कान्वेंट स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा की आकर्षक वेशभूषा में सजकर विद्यालय पहुंचे। बच्चों ने भजन, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।विद्यालय परिसर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की आकर्षक झांकी सजाई गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और गीता के संदेश के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों ने कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य अनुज शुक्ला, शिक्षिका रीता सिंह, मोहिनी तिवारी, शिल्पी एवं प्रिंसी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

विद्यालय के प्रबंधक मुकेश शुक्ला ने कहा कि जन्माष्टमी जैसे पर्व बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से बच्चों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ रचनात्मकता और आत्मविश्वास का भी विकास होता है। उन्होंने सभी छात्र- छात्राओं एवं अभिभावकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के अंत में बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चलने और सदैव सत्य एवं धर्म का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

दीवार गिरने से मृत बालिका के परिजनों को 4 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में अतिवृष्टि के कारण हुई जनहानि के मामलों में त्वरित राहत उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देशों तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील एवं जनहितकारी नीति के अनुरूप प्रशासन द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए मृत बालिका के परिजनों को दैवीय आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। दिनांक 01 सितम्बर 2026 को अत्यधिक वर्षा के कारण दीवार गिर जाने से कोमल पुत्री जियालाल, निवासी पूरे बख्तावर, परगना जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना, जनपद अमेठी की मृत्यु हो गई थी। घटना के उपरांत परिजनों की सहमति प्राप्त कर नियमानुसार पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें दीवार गिरने से मृत्यु होने की पुष्टि हुई। मामले की पुष्टि होने के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसील प्रशासन द्वारा आवश्यक औपचारिकताएं प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए राहत सहायता के लिए प्रकरण तैयार किया गया। तत्पश्चात दैवीय आपदा के अंतर्गत अनुमन्य राहत राशि प्रदान किए जाने की प्रक्रिया पूरी करते हुए मृतका के पिता जियालाल के बैंक खाते में ?4 लाख की धनराशि अंतरित करने की कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को शासन की मंशा के अनुरूप त्वरित राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जाए, जिससे पीड़ित परिवारों को समय पर सहयोग मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आपदा प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को शासन द्वारा निर्धारित सहायता शीघ्र उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से पूजा बनीं आत्मनिर्भर, लिखी सफलता की नई इबारत

3.22 लाख रुपये के ऋण से शुरू किया कारोबार, जन सेवा केन्द्र और मोबाइल रिपेयरिंग से बनाई अलग पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद बस्ती के जमदीह पांडेय क्षेत्र की निवासी पूजा ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ लेकर स्वरोजगार के क्षेत्र में प्रेरणादायक सफलता हासिल की है। सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और लगन के साथ उन्होंने अपना व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है। आज पूजा न केवल स्वयं के लिए रोजगार का साधन बना चुकी हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को डिजिटल एवं विभिन्न सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत आर्थिक सहयोग प्राप्त कर पूजा ने अपने क्षेत्र में 'पूजा जन सेवा केन्द्र' की स्थापना की। जन सेवा केन्द्र के माध्यम से वह कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) से संबंधित विभिन्न डिजिटल एवं सरकारी सेवाएं लोगों तक पहुंचा रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने मोबाइल रिपेयरिंग के कार्य को भी अपने कारोबार का हिस्सा बनाया है।

अपने व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से स्थापित करने के लिए पूजा को भारतीय स्टेट बैंक, बस्ती से 3,22,222 रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था कर जन सेवा केन्द्र एवं मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य शुरू किया। सरकारी योजना से मिले वित्तीय सहयोग ने उनके आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज पूजा का जन सेवा केन्द्र आसपास के ग्रामीण नागरिकों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। यहां लोगों को विभिन्न डिजिटल सेवाओं के साथ सरकारी योजनाओं से जुड़ी आवश्यक जानकारी और सुविधाएं आसानी से मिल रही हैं। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की जरूरत कम हुई है।

मोबाइल रिपेयरिंग के क्षेत्र में कार्य कर पूजा ने युवाओं, विशेषकर महिलाओं के सामने स्वरोजगार का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका मानना है कि वर्तमान समय में डिजिटल सेवाओं और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। युवा अपनी रुचि के अनुसार कौशल विकसित कर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं तो स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

अन्य महिलाओं और युवाओं के लिए बनीं प्रेरणा पूजा की सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की अन्य महिलाओं और युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, सही मार्गदर्शन, सरकारी योजनाओं का सहयोग और निरंतर मेहनत के बल पर सीमित संसाधनों में भी सफलता हासिल की जा सकती है।

पूजा की प्रमुख उपलब्धियां ग्रामीण नागरिकों तक डिजिटल एवं सरकारी सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित करना। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करना। मोबाइल रिपेयरिंग एवं तकनीकी कार्यों के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना। स्थायी आय का स्रोत विकसित कर आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की भावना को मजबूत करना।

तड़के नगर बाजार पहुंचे सीआरओ-एसडीएम, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केनगर पंचायत नगर बाजार में सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी नगरीय निकाय कीर्ति प्रकाश भारती ने उप जिलाधिकारी राजेश कुमार यादव के साथ बुधवार तड़के सघन औचक निरीक्षण किया। सुबह करीब छह बजे अधिकारियों के अचानक फील्ड में पहुंचने से नगर पंचायत के कर्मचारियों और जिम्मेदारों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण की शुरुआत वार्ड संख्या-3 संत रविदास नगर से हुई। अधिकारियों ने सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय, रैन बसेरा और मंदिर मार्ग की साफ-सफाई का जायजा लिया। इसके साथ ही डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन तथा घरों से निकलने वाले कचरे के पृथक्कीकरण की व्यवस्था भी परखी गई। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर सफाई व्यवस्था के संबंध में सीधे फीडबैक लिया।

इसके बाद टीम एमआरएफ सेंटर पहुंची, जहां कचरे की छंटाई और उसके निस्तारण की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने मौके पर व्यवस्थाओं की स्थिति देखी और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। वार्ड संख्या-9 के मुख्य बाजार में अधिकारियों ने बड़े नालों की तली झाड़ सफाई का जायजा लिया। वहीं आम लोगों के लिए लगाए गए वाटर कूलरों को स्वयं चलाकर देखा गया और पेयजल की उपलब्धता एवं व्यवस्था की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान नगर में जलभराव वाले संवेदनशील स्थलों को भी चिन्हित किया गया। अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर चल रहे नाला निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन भी किया। मौके पर मौजूद संबंधित ठेकेदार और कर्मचारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न करने तथा निर्धारित समयसीमा में काम पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए।

सुबह की सफाई में लापरवाही पर सख्त चेतावनी

निरीक्षण के अंत में मुख्य राजस्व अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी नगरीय निकाय कीर्ति प्रकाश भारती ने अधिशासी अधिकारी और सफाई नायकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सफाई व्यवस्था को नियमित और प्रभावी बनाए रखने के साथ ही नगर की मूलभूत सुविधाओं पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। सीआरओ और एसडीएम के इस संयुक्त औचक निरीक्षण को नगर पंचायत की व्यवस्थाओं में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों के सीधे मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की जांच करने से कर्मचारियों और ठेकेदारों में जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। वहीं नगरवासियों को भी उम्मीद है कि जलभराव, नालियों की सफाई और पेयजल जैसी समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

बारिश में भरभराकर ढहा कच्चा मकान,मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला का टूटा हाथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज(रायबरेली)। बीते एक सप्ताह से हो रही मूसलाधार बारिश गरीब परिवारों के लिए आफत बन गई है।ग्राम पंचायत डिघिया के पर्वतखेड़ा गांव में गुरुवार सुबह बारिश के चलते एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर जमींदोज हो गया।हादसे के दौरान मलबे में दबने से बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसका बायां हाथ टूट गया।मकान गिरने से घर-गृहस्थी का सामान भी मलबे में दबकर नष्ट हो गया।पर्वतखेड़ा निवासी चंद्रवती पत्नी बृजमोहन सुबह अपने कच्चे मकान में मौजूद थीं।इसी दौरान लगातार बारिश के बीच अचानक मकान भरभराकर गिर पड़ा।मकान के मलबे में दबने से चंद्रवती घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में ग्रामीणों ने उन्हें मलबे से बाहर निकाला और उपचार के लिए सीएचसी लालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार किया।मकान ढहने से पीड़ित परिवार की गृहस्थी का अधिकांश सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। बताया गया कि इस घर में बुजुर्ग दंपती ही रहते थे।आशियाना जमींदोज होने के बाद दोनों के सामने सिर छिपाने का संकट खड़ा हो गया है और उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर होना पड़ रहा है।हादसे की सूचना मिलने पर हल्का लेखपाल कृष्ण कुमार साहू तत्काल मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण किया।उन्होंने पीड़ित परिवार को नियमानुसार जल्द राहत राशि दिलाने का आश्वासन दिया।ग्रामीणों ने प्रशासन से बारिश को देखते हुए पीड़ित बुजुर्ग दंपती को तत्काल आर्थिक सहायता और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की मांग की है।

घर जमींदोज होने से गृहस्थी का सामान भी हुआ तबाह, खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर बुजुर्ग दंपती

महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेण्ड्री कॉलेज में धूम धाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। बेटा भयो वसुदेव के धाम, दुम्धि बजती नंद के द्वारे महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेण्ड्री कॉलेज में भगवान कृष्ण का 5253वाँ जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी पर बच्चों ने राधा-कृष्ण, गोपी तथा ग्वाल-बालों के रूप का चित्रण किया। बच्चों ने गोमाता के साथ झाँकी तथा कृष्ण-राधा एवम् ग्वाल गोपियों के साथ रासलीला तथा झूले का आनन्द भी लिया। कृष्ण एवं सुदामा की मित्रता का भी सच्चे अर्थो में चित्रण किया। प्रधानाचार्य श्री कमल वाजपेयी ने बच्चों को बताया कि द्वापर युग में मथुरा के राजा उग्रसेन को उनके पुत्र कंस ने कैद करके स्वयं को राजा घोषित कर दिया। कंस की बहन देवकी वासुदेव को व्याही थी। कंस बटन को शादी के बाद विदा कराने जा रहा था तो आकाशवाणी हुई कि जिस बहन को प्यार से विदा कराने जा रहा है उसके आठवें पुत्र द्वारा तुम्हारा वध किया जायेगा। कंस ने देवकी वासुदेव को कारागार में डाल दिया। कंस ने देवकी के सात शिशुओं को मार डाला। आठवें पुत्र के जन्म के समय द्वारपाल सो गए, कारागार के दरवाजे खुल गए। आकाशवाणी हुई वासुदेव पुत्र को लेकर गोकुल में नन्द तथा यशोदा के यहाँ पुत्री हुई है वहाँ से पुत्री को ले आयो तथा बालक उन्हें दे दो। भाद्रपद की कृष्णपक्ष की अष्टमी की अँधेरी रात में यह सब हुआ। बच्ची जैसे ही कारागार पहुँची तो सभी कुछ सामान्य हो गया। कंस ने बच्ची को पटकना चाहा तो बच्ची हाथ से छूट गई तथा उसने कहा कि कंस तेरा मारने वाला पैदा हो चुका है। कंस ने मायावी राक्षसों द्वारा नवजात बच्चों को मरवाने को कहा। कृष्ण भगवान के रूप में जन्म लिए थे जिसे असुरों का संघार करना था तथा समाज को भयमुक्त करना था। श्रीकृष्ण योगी, दार्शनिक, कूटनीतिज्ञ भी थे। द्वारिकाधीश हुए तथा कंस का वध तथा महाभारत के युद्ध में धर्म की बागडोर संभाली तथा समाज में समरसता का भाव जाग्रत किया। गीता में आपने कहा कर्म फल ईश्वर देगा (निष्काम कर्म) आत्मा अमर है, मोह का त्याग, वर्तमान में जीना, क्रोध पर नियंत्रण, की सलाह दी। यह त्यौहार आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से नई स्फूर्ति, प्रेरणा, उत्साह तथा नवीन आशाओं के प्रति जागृति पैदा करता है। सभी बच्चों, स्टॉफ तथा उनके परिवार एवं समाज को कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई दी।

महिला आईटीआई व कस्तूरबा विद्यालय के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर रेहरा बाजार। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने गुरुवार को विकास खंड रेहरा बाजार के ग्राम देवरी खेरा में निर्माणाधीन राजकीय महिला आईटीआई और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए कार्यदायी संस्था को शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सबसे पहले जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन राजकीय महिला आईटीआई का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के विभिन्न हिस्सों में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता देखी तथा अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से अब तक पूर्ण कार्य एवं शेष कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महिला आईटीआई का निर्माण पूरा होने से क्षेत्र की बालिकाओं और महिलाओं को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। ऐसे में निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए।

आईटीआई की स्वीकृत लागत करीब 12.60 करोड़ रुपये है और परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग 75.25 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने भवन से जुड़े शेष निर्माण, आवश्यक सुविधाओं और परिसर के लैंड डेवलपमेंट कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद कक्षाओं का संचालन जल्द शुरू कराया जाए।

कस्तूरबा विद्यालय का भी किया निरीक्षण इसके बाद जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के एकेडमिक ब्लॉक और बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन, छात्रावास तथा परिसर में चल रहे निर्माण और फिनिशिंग कार्यों की प्रगति देखी। परियोजना की स्वीकृत लागत करीब 4.53 करोड़ रुपये है, जिसमें से लगभग 4.24 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। परियोजना की भौतिक प्रगति करीब 90 प्रतिशत बताई गई। जिलाधिकारी ने रंगाई-पुताई, इलेक्ट्रिकल, प्लंबिंग सहित अन्य फिनिशिंग कार्यों को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण में गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा से जुड़ी परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए, ताकि छात्राओं को इन सुविधाओं का लाभ जल्द मिल सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कृषि विकास से प्रदूषण नियंत्रण तक, मुख्य सचिव ने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य कृषि विकास योजना के तहत राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति की तृतीय बैठक तथा दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक हुई। दोनों बैठकों में विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और परिणामपरक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राज्य कृषि विकास योजना की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर विचार करते हुए कुल 286.46 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें पूर्व वर्षों की संचालित परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए 101.13 करोड़ तथा कृषि एवं संबद्ध विभागों की नई परियोजनाओं के लिए 185.33 करोड़ रुपये शामिल हैं। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए और वित्तीय वर्ष 2026-27 में जारी धनराशि का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने योजनाओं में गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और प्रभावी निगरानी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इनका अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचना चाहिए। बैठक में राजकीय कृषि प्रक्षेत्रों के आधुनिकीकरण के लिए कृषि यंत्र, सिंचाई नलकूप और जल निकासी व्यवस्था विकसित करने को 60 करोड़ रुपये की परियोजना मंजूर की गई। कृषि विभाग की नौ आई.पी.एम. प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाने, देवरिया और लखीमपुर खीरी में प्रयोगशालाओं के निर्माण, कृषि कर्मियों के प्रशिक्षण, कृषक-वैज्ञानिक संवाद, कृषि यंत्रीकरण और औद्योगिक विकास सहित विभिन्न कार्यों के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई। गोरखपुर में गन्ने की नई प्रजातियों के बीज उत्पादन के लिए टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला की स्थापना तथा मत्स्य बीज उत्पादन क्षमता बढ़ाने की परियोजनाओं को भी मंजूरी मिली। बुलंदशहर, मैनपुरी और जालौन में 5,300 मीट्रिक टन क्षमता के बीज भंडारण गोदामों तथा सहकारिता विभाग के 14 पैक्स में करीब 25 हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। कृषि एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों में शोध और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए भी परियोजनाएं मंजूर हुई। प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 500 करोड़ रुपये का परिव्यय अनुमोदित है, जबकि बजट प्रावधान में 200 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित कार्ययोजना की नियमित निगरानी और सभी गतिविधियों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। गाजियाबाद और मेरठ नगर निगम तथा नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण को मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह की तीन तारीख को पवन पोर्टल पर अद्यतन आंकड़ों के साथ अपलोड करने के निर्देश दिए गए। संबंधित विभागों को पांच तारीख तक रिपोर्ट उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजने को कहा गया। मुख्य सचिव ने ताप विद्युत संयंत्रों में पांच प्रतिशत जैव ईंधन छर्रों के सह-दहन का अनिवार्य अनुपालन सुनिश्चित कराने के साथ सड़क पुनर्विकास और सड़क की धूल रोकने के उपायों में तेजी लाने को कहा। यांत्रिक सड़क सफाई मशीनों की खरीद प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर कार्यादेश जारी करने तथा सभी मशीनों में जीपीएस आधारित सीधी निगरानी की सुविधा और उन्हें एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र से जोड़ने के निर्देश दिए।

एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक स्वर्गीय एस.के. सिंह को लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत स्वर्गीय एस.के. सिंह जी को इंडिया इन्वेस्टर्स फेडरेशन द्वारा आयोजित वार्षिक लीडरशिप समिट-2026 में प्रतिष्ठित लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह गरिमामय समारोह लखनऊ स्थित होटल ताज में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', माननीय औद्योगिक मंत्री, उत्तर प्रदेश एवं जसवंत सिंह सैनी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास, उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। स्वर्गीय एस.के. सिंह की ओर से यह प्रतिष्ठित सम्मान उनके सुपुत्र एवं एसएमएस लखनऊ के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने प्राप्त किया। इस अवसर पर शरद सिंह ने एसएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक स्वर्गीय एस.के. सिंह जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 'एस.के. सिंह की दूरदर्शिता, उनके द्वारा स्थापित उच्च मानदंड तथा संस्थान के प्रति उनके निर्धारित उद्देश्य आज भी एसएमएस के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। उनकी प्रेरणा ने संस्थान की नींव को मजबूत आधार प्रदान किया और उन्हीं मूल्यों एवं आदर्शों को आगे बढ़ाना एसएमएस परिवार की निरंतर प्रतिबद्धता है।' उन्होंने इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए इंडिया इन्वेस्टर्स फेडरेशन एवं सम्मानित जूरी के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, कहा कि यह पुरस्कार स्वर्गीय एस.के. सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व, शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान तथा संस्थान के प्रति उनके समर्पित सेवाओं का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे एसएमएस परिवार के लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है।

एल्पिस ग्लोबल विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर बिसवां। शहर के प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोहारी झांकियों एवं धार्मिक प्रसंगों का सुंदर मंचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधारानी का स्वरूप धारण कर अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों द्वारा श्रीकृष्ण के जन्म के समय का वृत्तांत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसमें देवकी-वसुदेव, कारागार एवं नंदगांव से जुड़े प्रसंगों को आकर्षक झांकियों के माध्यम से जीवंत किया गया। वहीं नन्हें बच्चों द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण माखन चोरी, मटकी से दधि चोरी एवं गोप-गोपियों के साथ कान्हा की नटखट लीलाओं का मनमोहक मंचन देखकर उपस्थित दर्शक भावविभोर हो उठे। बच्चों की मासूम अदाओं और मनोहारी अभिनय ने सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में गोवर्धन पर्वत का दृश्य भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। बाल कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा करने के प्रसंग को सुंदर झांकी के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके साथ ही राधारानी एवं श्रीकृष्ण की मनोहारी झांकियों ने पूरे कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। विद्यार्थियों की आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण अभिनय एवं मनमोहक प्रस्तुतियों की उपस्थित जनों ने जमकर सराहना की। नन्हें कलाकारों की प्रस्तुतियों में ब्रज की संस्कृति, श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं भारतीय धार्मिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर श्री उमंग राजवंशी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा ने समस्त अध्यापकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं कर्मचारियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें प्रेम, सत्य, कर्तव्य, करुणा एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का समापन उल्लासपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया।

चीनी मिल के रिटायर्ड कर्मचारियों ने पीएफ-ब्याज में करोड़ों की हेराफेरी का लगाया आरोप, मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड महमूदाबाद के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मिल प्रबंधन पर भविष्य निधि (पीएफ) की धनराशि और उस पर मिलने वाले ब्याज के भुगतान में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है। कर्मचारियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उनके पीएफ खातों का पूरा विवरण उपलब्ध कराने तथा नियमानुसार बकाया ब्याज का भुगतान कराने की मांग की है। मामले की शिकायत जिलाधिकारी से भी किए जाने की बात कही गई है। रहिलामऊ निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी कमलेश कुमार ने शिकायती पत्र और वीडियो के माध्यम से आरोप लगाया कि वह दि किसान सहकारी चीनी मिल में रसायन विभाग में सहायक पैनमैन के पद पर कार्यरत थे और वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त हुए। उनके अनुसार उनके साथ करीब 700 से 800 अन्य कर्मचारी भी अलग-अलग पदों से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। आरोप है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी कर्मचारियों को उनके पीएफ खातों की पासबुक उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे खाते में जमा मूलधन और ब्याज की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों का दावा है कि पीएफ की धनराशि पर 8.50 प्रतिशत ब्याज देय था, लेकिन कथित तौर पर उन्हें महज 6 से 7 प्रतिशत की दर से ही भुगतान किया गया। कर्मचारियों का आरोप है कि ब्याज की शेष धनराशि का भुगतान न होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मिल प्रबंधन और इस मामले से जुड़े जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। शिकायती पत्र में कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि मिल समिति की ओर से करीब 16 करोड़ रुपये की एफडी कराई गई है, जबकि दूसरी ओर सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने पीएफ और ब्याज की पूरी धनराशि के लिए परेशान हो रहे हैं। कर्मचारियों का दावा है कि कुछ मामलों में उन्हें अपने भुगतान के लिए हाईकोर्ट की शरण तक लेनी पड़ी, जिसके बाद धनराशि मिल सकी। कर्मचारियों ने मांग की है कि उनके पीएफ खातों का पूरा लेखा-जोखा और पासबुक उपलब्ध कराई जाए, जमा धनराशि एवं ब्याज का सत्यापन कराया जाए तथा नियमानुसार यदि कोई ब्याज राशि बकाया है तो उसका भुगतान तत्काल किया जाए। कर्मचारियों का कहना है कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाने के साथ ही आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। वहीं, मामले में चीनी मिल के महाप्रबंधक का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र पर कमलेश कुमार, सुभाष चंद्र यादव, गया प्रसाद और राकेश कुमार श्रीवास्तव समेत कई कर्मचारियों के हस्ताक्षर दर्ज हैं। अब सवाल यह है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पीएफ खाते में जमा धनराशि और ब्याज का वास्तविक हिसाब क्या है और 8.50 प्रतिशत ब्याज के दावे में कितनी सच्चाई है? कर्मचारियों की शिकायत के बाद जांच होती है तो पूरे मामले की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

मंडलीय भारोत्तोलन में सीतापुर का दबदबा, ओवरऑल विजेता बना सीतापुर

महमूदाबाद के सीता इंटर कॉलेज में चार जिलों के करीब 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, 31 विजेताओं में 16 सीतापुर के

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। सीता इंटर कॉलेज महमूदाबाद में मंडलीय माध्यमिक विद्यालयी भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मंडल के चार जनपदों के विभिन्न विद्यालयों के लगभग एक सैकड़ा प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। मंडलीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में ओवरऑल विजेता का खिताब सीतापुर जनपद के नाम रहा। सीता इंटर कालेज के शास्त्री सभागार में मंडलीय माध्यमिक विद्यालयी भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ राजकीय इण्टर कॉलेज जेनवा के प्रधानाचार्य अशोक कुमार व प्रधानाचार्य रमेश बाजपेयी विरल, जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश नंदन पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मंडलीय प्रतियोगिता में लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर व हरदोई के करीब 100 प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंडर 17 व 19 आयु वर्ग में विभिन्न भार वर्गों में जूनियर बालिका वर्ग में लखनऊ से रमजा बानो, पलक कुमारी, चाहत मौर्या, चांदनी राजभर, सीतापुर से राखी, शिवानी वर्मा, सिमरन जीत कौर व हरदोई से नव्या गुप्ता, सीनियर बालिका लखनऊ से प्रियंका, नैना सैनी, सुनीता, शिवानी कश्यप, साक्षी गुप्ता व सीतापुर से सुचिता, तृप्ति गुप्ता, जूनियर बालक वर्ग में सीतापुर के अगम, अंश तिवारी, राजकुमार, आशुतोष कुमार, वंश गुप्ता, शिवेन्द्र प्रताप व लखीमपुर के ऋतिक शर्मा, दिव्यकर, सीनियर बालक वर्ग सीतापुर के अनुराग यादव, राजशेखर, शुभ कुमार, अभिदीप रावत, मो. युसूफ लखनऊ के भविष्य जोशी, अनिरुद्ध शुक्ला व लखीमपुर के हर्षित गुप्त विजयी रहे। मंडलीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में अंडर 17 बालक व बालिका वर्ग तथा अंडर 19 बालक वर्ग में जनपद सीतापुर विजेता रहा। अंडर 19 बालिका वर्ग में जनपद लखनऊ विजेता और जनपद सीतापुर उप विजेता बना। इसके साथ अंडर 17 बालक वर्ग में जनपद लखीमपुर तथा अंडर 19 बालक व 17 बालिका वर्ग में जनपद लखनऊ उप विजेता बना। ओवरऑल विजेता का खिताब जनपद सीतापुर ने अपने नाम किया। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों से स्थान प्राप्त करने वाले 31 प्रतिभागियों में से सर्वाधिक 16 प्रतिभागी जनपद सीतापुर से रहे जिसमें 10 प्रतिभागी सीता ग्रुप ऑफ एजुकेशन के रहे। मंडल स्तर पर विजयी प्रतिभागी 19 से 21 सितंबर तक सहारनपुर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगें। इस अवसर पर संस्था के डिप्टी मैनेजर आंजनेय आशीष, वागीश दिनकर बाजपेयी, प्रधानाचार्य शैलेंद्र वर्मा, क्रीड़ा प्रभारी रौनक कश्यप, दीप वर्मा, पवन कुमार, निखिल रस्तोगी, अरविन्द पटेल, सांभवी गुप्ता, अनिल यादव, पीयूष चौबे, चंद्रवती, अनूप सिंह सहित कई अन्य खेल शिक्षक उपस्थित रहे।

राधा बिना कृष्ण अधूरे, प्रेम बिना धर्म अधूरा : बृजमोहन सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह जी ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जन्माष्टमी केवल कृष्ण की नहीं, राधा-कृष्ण के अटूट प्रेम की पूजा का दिन है। उन्होंने कहा, 'कृष्ण धर्म हैं तो राधा प्रेम हैं, कृष्ण गीता हैं तो राधा भक्ति हैं। एक के बिना दूसरा अधूरा है। आज हमारे देश को भी इसी की जरूरत है - धर्म के साथ प्रेम, और सत्ता के साथ भक्ति।' उन्होंने कहा कि आज कंस केवल मथुरा में नहीं, घर-घर में बैठा है - बेरोजगारी के रूप में, महंगाई के रूप में, भ्रष्टाचार के रूप में। आज जनता के साथ हर तरफ अत्याचार हो रहा है। आज फिर से उसी कंस का अंत करने के लिए हर दिल में कृष्ण को जन्म लेना होगा। उन्होंने कहा, विष्णु अवतार का सत्य यही है कि जब-जब धरती पर पाप बढ़ता है, तब-तब भगवान का अवतार होता है। जब कंस और कौरवों का अत्याचार बढ़ा, तब श्री कृष्ण के रूप में धर्म ने जन्म लिया। युद्ध के मैदान में जब अर्जुन मोह में पड़ गया, तब भगवान कृष्ण ने कहा था - 'पार्थ! तुम्हें युद्ध करना है, तुम हार नहीं हो।' जिस प्रकार द्रौपदी की लाज बचाकर कृष्ण ने नारी सम्मान की रक्षा की थी, उसी प्रकार आज भी गरीबों के सम्मान की रक्षा करनी है। आज देश में कंस जैसे अभिमानी, अत्याचारी, गरीबों के दुश्मन नेता पैदा हो चुके हैं। उनके पाप का घड़ा भर चुका है, उनका अंत होना तय है। उनका वध करने के लिए, कृष्ण का जन्म हो चुका है। बृजमोहन सिंह जी ने कहा कि भारतीय जन समाज पार्टी राधा-कृष्ण के इसी प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलकर इस कंस रूपी अन्याय का अंत करेगी।

जय श्री राधे-कृष्णा! जय बांके बिहारी लाल की! जय मुरली मनोहर! जय कन्हैया लाल की!

ओमैक्स मैट्रो सिटी में अजगर की मौजूदगी से मचा हड़कंप

पीजीआई/लखनऊ। रायबरेली रोड कल्ली पश्चिम की ओमैक्स मैट्रो सिटी में अजगर सांप के मिलने से अफरातफरी मच गयी। बुधवार की रात ओमैक्स की सुरक्षा टीम के सुपरवाइजर सुशील भट्ट और

चन्द्रपाल की नजर पेंड़ पर चढ़ते हुए अजगर पर पड़ी लगभग पंद्रह फुट लंबे अजगर को देख कर उनके होश उड़ गये।आननफानन में सुशील भट्ट ने रेस्क्यू परसन महबूब अंसारी को फोन किया लेकिन तबतक अजगर पेंड़ की उंचाई पर पहुंच गया।मौके पर पहुंचे महबूब ने मशक्कतों के बाद अजगर को काबू किया और सुरक्षित उसे जंगल में छोड़ा।

दिव्यांग रेलकर्मियों को मिली राहत, महाप्रबंधक ने वितरित की 23 तिपहिया स्कूटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में कार्यरत दिव्यांग कर्मचारियों को कार्यस्थल तक सुगमता से पहुंचने के लिए तिपहिया स्कूटी वितरित की गई। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने लखनऊ मंडल के 23 दिव्यांग कर्मचारियों को स्कूटी प्रदान की। बताया गया कि करीब दो माह पूर्व मंडल के 13 दिव्यांग कर्मचारियों को स्कूटी वितरित की गई थी। इसके बाद एनई रेलवे मेंस कांग्रेस की मांग पर मंडल में शेष दिव्यांग कर्मचारियों को भी स्कूटी उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर महाप्रबंधक ने सहमति प्रदान की। कर्मचारी कल्याण निधि से स्कूटी वितरण के लिए धनराशि आवंटित कराने में मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ गौरव अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता, एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के मंडल मंत्री राकेश चंद्र वर्मा, ओबीसी एसोसिएशन के मंडल मंत्री संजय यादव तथा एससी-एसटी एसोसिएशन के मंडल मंत्री नवनीत वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कूटी वितरण कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल, मंडल मंत्री राकेश चंद्र वर्मा, जोनल प्रतिनिधि शिवेंद्र पांडे, मंडल मंत्री मुख्यालय विजय नाथ ठाकुर, मंडल अध्यक्ष प्राणशाही, मंडल मंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, शाखा मंत्री सिम्पल कारखाना नितेश शुक्ला, शाखा मंत्री अनुराग त्रिपाठी, योगेंद्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष अमित पांडे, गौतम पांडे, अशोक मिश्रा, शादिक, सुखदेव, वंश बहादुर, प्रवीण सिंह, संदीप कुमार, वीरेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आवास विकास परिषद में दलालों का बोलबाला,बारह लाख की ठगी के आरोप में नकली बाबू गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीजीआई/लखनऊ। आवास विकास परिषद के वृन्दावन योजना में स्थित कार्यालय में दलालों का मकड़जाल बुरी तरह फैला हुआ है।इन दलालों के जाल में फंस कर खुद का आशियाना बनाने की चाहत रखने वाले कई लोग लाखों रुपये गंवा चुके हैं। ताजा मामले में दलाल आवास विकास परिषद का नकली बाबू बनकर मकान दिलाने के नाम पर लाखों रुपये ठग लिये।मिली जानकारी के मुताबिक वृंदावन योजना निवासी अनूप कुमार सिंह सस्ते मकान की चाहत में दलालों के शिकार बन गये।उनका आरोप है कि आरोपी ने आवास विकास परिषद में बाबू होने का दावा किया,यही नहीं उसने विश्वास में लेने के लिये परिषद कर्मचारी होने का फर्जी परिचय कार्ड भी दिखाया।दलालों ने सस्ता मकान दिलाने का भरोसा दिया और उसके तथा उसके दोस्त से करीब 12 लाख रुपये ले लिए लेकिन करीब एक साल इंतजार के बाद भी मकान नहीं मिल सका और रकम वापस मांगी गई तो दलालों ने मोबाइल नंबर बंद कर लिये।पीड़ित अनूप कुमार सिंह के मुताबिक आरोपी ने खुद को आवास विकास का बड़ा बाबू बताते हुए सेक्टर-6 में मकान दिलाने की बात कही थी और मकान का सौदा कराने के नाम पर पहले 20 प्रतिशत रकम मांगी गई। इसके बाद करीब 2 लाख रुपये नकद और लगभग 10 लाख रुपये ऑनलाइन दिए गए। बुधवार को निगोहां स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पीड़ित की आरोपी से मुलाकात हो गई। पीड़ित ने उसे रोककर रकम वापस करने को कहा तो विवाद शुरू हो गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने अपने लोगों को बुला लिया और मारपीट की स्थिति बन गई। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पूर्व में भी दर्ज हो चुके दलाल पर मुकदमे

पीड़ित अनुप कुमार सिंह ने बताया कि लाखों रुपए देने के बाद मकान न मिलने पर आवास विकास परिषद के बाबू के विषय में जानकारी की तो पता चला कि राजेन्द्र पर आवास विकास परिषद का बाबू बनकर धोखाधड़ी और जालसाजी करने के एक से अधिक मामले दर्ज हैं और वह कई मामलों में जेल भी जा चुका है। पीड़ित के अनुसार आरोपी हाल ही में जमानत पर बाहर आया है। पीजीआई निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है आरोप सिद्ध होने पर कार्यवाही होगी।

संपादकीय

जनपद आजमगढ़ में उद्यमशीलता का नवोन्मेष: मुख्यमंत्री युवा

उद्यमी विकास अभियान से सशक्त होती आत्मनिर्भरता

उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में वर्तमान समय में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। राज्य के समग्र विकास की प्राथमिकताओं के केंद्र में अब केवल बड़े औद्योगिक निवेश ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर जमीनी उद्यमशीलता का सुदृढ़ीकरण भी है। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' राज्य की ऊर्जावान युवा जनशक्ति को आजीविका की तलाश करने वाले वर्ग से आगे बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों के सूत्रधार और रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित कर रहा है। जनपद आजमगढ़ में इस योजना का प्रभाव केवल वित्तीय सहायता के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण व अर्ध-शहरी युवाओं में व्यावसायिक आत्मविश्वास, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के नए मानक स्थापित कर रहा है। स्थानीय स्तर पर उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से योजना के तहत एक सुगम, पारदर्शी और व्यावहारिक वित्तीय व्यवस्था को तैयार किया गया है। योजना के प्रावधानों के अनुसार 21 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण शिक्षित युवाओं को विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, फ्रेंचाइजी तथा 'बिजनेस ऑन व्हील्स' जैसे क्षेत्रों में नवीन सूक्ष्म इकाइयां स्थापित करने हेतु संस्थागत वित्तपोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 5 लाख रुपये तक की सूक्ष्म परियोजनाओं के लिए बिना किसी गारंटी (सी.जी.टी.एम.एस.ई कवर्ड) के शत-प्रतिशत ब्याज उपादान (चार वर्षों तक ब्याज-मुक्त ऋण) तथा परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा दी गई है। यह नीतिगत संरक्षण उन युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है, जिनके पास कार्यकुशलता और विचार तो हैं, परंतु पूंजी और जमानत के अभाव में वे अपना व्यवसाय आरंभ करने में असमर्थ थे।

जनपद आजमगढ़ में जिला प्रशासन, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र तथा अग्रणी बैंकों के निरंतर समन्वय से योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपद में अब तक लगभग 6,500 युवाओं के ऋण प्रस्ताव स्वीकृत कर उन्हें वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है। इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक पहलू यह है कि इसने रोजगार के अभाव में मजबूरी वश महानगरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। स्थानीय स्तर पर अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिलने से युवा अब अपने गृह क्षेत्र में ही रहकर अपनी आजीविका का स्थायी मार्ग चुन रहे हैं। इस संरचनात्मक बदलाव का एक प्रामाणिक और प्रेरक उदाहरण जनपद आजमगढ़ के बधाईगंज क्षेत्र में देखने को मिलता है। स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले स्थानीय युवा हरेन्द्र यादव को सीमित आर्थिक परिस्थितियों के कारण आजीविका की खोज में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का रुख करना पड़ा था। महानगर में लगभग 12 वर्षों तक कठिन परिश्रम और संघर्ष करने के बावजूद स्वयं का उद्यम स्थापित करने का उनका सपना पूंजी के अभाव में अधूरा ही रहा। परिस्थितियों के अनुकूल होने पर जब वे अपने गृह जनपद आजमगढ़ लौटे, तब उन्हें जिला प्रशासन के माध्यम से 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' की जानकारी प्राप्त हुई।

सरकारी प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से प्रेरित होकर उन्होंने रेडीमेड गारमेंट्स निर्माण की इकाई स्थापित करने हेतु आवेदन किया। विभागीय सहयोग से उन्हें बैंक के माध्यम से 5 लाख रुपये का ब्याज-मुक्त ऋण प्राप्त हुआ, जिसके सहयोग से उन्होंने आवश्यक सिलाई एवं आधुनिक कढ़ाई मशीनें खरीदकर 'अवनि स्पोर्ट्स' नाम से परिधान निर्माण इकाई का संचालन शुरू किया। शुरुआत में बाजार में साख बनाना एक चुनौती थी, परंतु उन्होंने गुणवत्ता, समयबद्ध आपूर्ति और उचित मूल्य को अपने व्यवसाय का आधार बनाया। इकाई द्वारा ट्रैक सूट, टी-शर्ट, लोअर तथा विभिन्न निजी विद्यालयों के निर्धारित 'लोगो' युक्त परिधानों का निर्माण प्रारंभ किया गया। गुणवत्ता और विश्वसनीयता के कारण इस इकाई के उत्पादों की मांग आजमगढ़ की सीमाओं को पार कर पूर्वांचल के अन्य पड़ोसी जनपदों जैसे मऊ, गाजीपुर, बलिया और वाराणसी के बाजारों तक पहुंच गई। वर्तमान में इस सूक्ष्म इकाई का वार्षिक टर्नओवर लगभग 12 से 15 लाख रुपये तक पहुंच चुका है। सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह है कि इस इकाई के माध्यम से आज 8 स्थानीय व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं नियमित रोजगार प्राप्त हो रहा है, जिससे कई परिवारों को आर्थिक संबल मिला है। जनपद आजमगढ़ में उभरते ऐसे सूक्ष्म उद्यम स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को भी व्यापक मजबूती प्रदान कर रहे हैं। जब स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण वस्त्र, खाद्य उत्पाद और तकनीकी सेवाएं उपलब्ध होती हैं, तो पूंजी का प्रवाह जनपद के भीतर ही बना रहता है। इससे स्थानीय खुदरा व्यापारियों, पैकेजिंग कार्य से जुड़े लोगों और परिवहन क्षेत्र को भी सहायक व्यापारिक लाभ प्राप्त होता है, जिससे एक समग्र आर्थिक चक्र सक्रिय होता है। प्रदेश स्तर पर प्रतिवर्ष 1 लाख युवाओं को वित्त पोषित करते हुए आगामी 10 वर्षों में 10 लाख सूक्ष्म इकाइयां स्थापित करने का दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित है। इस वृहद लक्ष्य की पूर्ति हेतु जनपद आजमगढ़ में जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर विशेष ऋण मेलों, कार्यशालाओं और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सुदूर ग्रामीण अंचलों के अंतिम पात्र व्यक्ति तक योजना के तकनीकी, वित्तीय और प्रक्रियात्मक लाभ सुगमता से पहुंच सकें। ऋण स्वीकृति के उपरांत उद्यम की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यवसाय से जुड़े नए उद्यमियों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन, वित्तीय प्रबंधन की समझ और बाजार से जुड़ाव की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकारी स्तर से प्राप्त ये सहायता नई स्थापित इकाइयों के विफल हो जाने के जोखिम को कम कर देती है और उन्हें दीर्घकालिक रूप से सक्षम बनाती है। आजमगढ़ की धरती पर स्वरोजगार और स्वावलंबन का यह विस्तार आज सरकारी स्तर से प्राप्त नीतिगत सहयोग के साथ संस्थागत वित्त और युवाओं की कार्यकुशलता का सकारात्मक समन्वय बनकर उभरा है जो आर्थिक विकास के आंकड़ों तक सीमित न रहकर जन-जीवन में आये बेहतर बदलाव में दिखाई पड़ रहा है। 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' जनपद आजमगढ़ के युवाओं को न केवल आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि उन्हें क्षेत्रीय विकास का सशक्त भागीदार भी बना रहा है।

सूचनाधिकारी जनपद मेरठ/ डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

2027 का चुनाव: जातीय समीकरण से ज्यादा महत्वपूर्ण होंगे जनता के रोजमर्रा के सवाल

राजीव शुक्ला -(संपादक)

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनाव कभी केवल चुनाव नहीं होते। यहां चुनाव सामाजिक समीकरणों, जातीय पहचान, क्षेत्रीय प्रभाव, धार्मिक ध्रुवीकरण, नेतृत्व की लोकप्रियता और सरकार के कामकाज–इन सबका मिला-जुला परिणाम होते हैं। वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव भी इससे अलग नहीं होगा। सभी राजनीतिक दल अभी से अपनी-अपनी रणनीतियां बनाने में जुट गए हैं और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज होती दिखाई दे रही है। लेकिन इस बार सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या केवल जातीय समीकरणों के सहारे सत्ता की राह आसान होगी? उत्तर प्रदेश का मतदाता पिछले कुछ वर्षों में कई स्तरों पर बदला है। वह जाति और समुदाय को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं करता, लेकिन उसके सामने रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े ऐसे सवाल भी हैं जिन्हें चुनावी भाषणों में लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता। रोजगार चाहिए, महंगाई से राहत चाहिए, बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा चाहिए, अस्पताल में इलाज चाहिए, सुरक्षित माहौल चाहिए, किसानों को उचित आय चाहिए, छोटे व्यापारियों को कारोबार का अवसर चाहिए और सरकारी दफ्तरों में बिना सिफारिश तथा बिना अनावश्यक भागदौड़ के काम चाहिए। यही वे मुद्दे हैं जो 2027 की चुनावी बहस की असली दिशा तय कर सकते हैं।

जातीय समीकरण महत्वपूर्ण, लेकिन निर्णायक अकेले नहीं उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति को जातीय समीकरणों से अलग करके समझना मुश्किल है। राजनीतिक दलों के टिकट वितरण से लेकर संगठनात्मक नियुक्तियों और चुनावी रणनीति तक सामाजिक प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दल अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने की कोशिश करेगा। लेकिन जातीय पहचान और राजनीतिक पसंद के बीच अब पहले जैसी सीधी रेखा नहीं रह गई है। एक ही जाति या समुदाय के मतदाता अलग-अलग मुद्दों के आधार पर अलग राजनीतिक विकल्प चुन सकते हैं। युवा मतदाता रोजगार को प्राथमिकता दे सकता है, महिला मतदाता सुरक्षा और महंगाई को, किसान लागत और बाजार को तथा व्यापारी कारोबार और प्रशासनिक व्यवस्था को। इसलिए 2027 में जातीय समीकरण चुनाव की जमीन तैयार कर सकते हैं, लेकिन उस जमीन पर परिणाम की इमारत केवल जातीय गणित से खड़ी होगी, यह मान लेना राजनीतिक दलों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उत्तर प्रदेश की विशाल युवा आबादी चुनावी राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है। युवाओं के सामने सबसे बड़ा सवाल रोजगार और भविष्य का है। सरकारी नौकरियां सीमित हैं और हर युवा सरकारी नौकरी का इंतजार नहीं कर सकता। असली चुनौती ऐसे निजी और स्थानीय रोजगार पैदा करने की है, जिनमें सम्मानजनक आय, स्थिरता और आगे बढ़ने की संभावना हो। लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, छोटे कारोबार, सेवा क्षेत्र, निर्माण गतिविधियां और स्थानीय उद्यम यदि मजबूत होते हैं तो रोजगार का बड़ा आधार तैयार हो सकता है। लेकिन यदि छोटे उद्यम लागत, बिजली, कर्ज, बाजार, नियमों और प्रशासनिक जटिलताओं के बीच कमजोर पड़ते हैं तो रोजगार का संकट और गहरा सकता है।

राजनीति में किसान हमेशा महत्वपूर्ण

केवल कर्जमाफी या सहायता की घोषणा से आगे बढ़कर कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाने की बहस जरूरी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य पर जनता का धैर्य टूट रहा है। किसी भी सरकार की वास्तविक परीक्षा स्कूल और अस्पताल में होती है। गरीब परिवार के बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है या नहीं और बीमारी की स्थिति में परिवार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है या नहीं–इन सवालों का असर किसी राजनीतिक नारे से कम नहीं है।

2027 में राजनीतिक दलों से केवल यह पूछना पर्याप्त नहीं होगा कि कितनी नौकरियां देने का वादा किया जा रहा है। सवाल यह भी होगा कि वे नौकरियां आएंगी कहां से, निजी क्षेत्र कैसे बढ़ेगा और छोटे शहरों तथा कस्बों में रोजगार के अवसर कैसे बनेंगे? महंगाई का राजनीतिक असर आंकड़ों से ज्यादा रसोई में दिखाई देता है। परिवार का मासिक बजट जब बिगड़ता है तो उसका असर भोजन से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और बचत तक पहुंचता है। सरकारें महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अनेक नीतिगत कदम उठा सकती हैं, लेकिन आम परिवार का सवाल सीधा है–महीने के अंत में घर का खर्च कैसे चले? 2027 के चुनाव में राजनीतिक दलों को यह बताना होगा कि आम परिवार की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए उनकी ठोस योजना क्या है। केवल राहत योजनाएं लंबे समय का समाधान नहीं हो सकतीं। स्थायी समाधान आय बढ़ाने, रोजगार पैदा करने और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण की क्षमता में है।

किसान अब केवल समर्थन नहीं, सम्मानजनक आय चाहता है उत्तर प्रदेश की राजनीति में किसान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। लेकिन किसान की समस्या को केवल चुनावी नारों तक सीमित करना अब पर्याप्त नहीं होगा। किसान के सामने लागत बढ़ने, बाजार, सिंचाई, भंडारण, फसल के उचित मूल्य और मौसम की अनिश्चितता जैसे सवाल हैं। छोटे और सीमांत किसान के लिए खेती केवल उत्पादन का प्रश्न नहीं, परिवार की आर्थिक सुरक्षा का प्रश्न है। 2027 में किसान यह देखेगा कि किस राजनीतिक दल की नीतियां उसकी आय और जोखिम दोनों को समझती हैं। केवल कर्जमाफी या सहायता की घोषणा से आगे बढ़कर कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाने की बहस जरूरी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य पर जनता का धैर्य टूट रहा है। किसी भी सरकार की वास्तविक परीक्षा स्कूल और अस्पताल में होती है। गरीब परिवार के बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है या नहीं और बीमारी की स्थिति में परिवार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है या नहीं–इन सवालों का असर किसी राजनीतिक नारे से कम नहीं है।

सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपलब्धता, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की लागत जैसे मुद्दे युवाओं और अभिभावकों को प्रभावित करते हैं। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, दवाएं, जांच सुविधाएं, आपातकालीन सेवाएं और मरीजों के साथ व्यवहार भी चुनावी मुद्दा बन सकता है। जनता अब केवल भवन नहीं देखती। वह पूछती है–भवन बन गया, लेकिन उसमें सेवा कितनी मिल रही है? कानून-व्यवस्था चुनाव का हमेशा महत्वपूर्ण मुद्दा रहेगी। सरकारें अपने प्रदर्शन के आंकड़े सामने रखेंगी और विपक्ष अपने अनुभवों तथा घटनाओं को मुद्दा बनाएगा। लेकिन आम नागरिक के लिए कानून-व्यवस्था का अर्थ बहुत सरल है–उसकी शिकायत सुनी जाए, पुलिस निष्पक्ष व्यवहार करे, अपराधी के खिलाफ कार्रवाई हो और निर्दोष व्यक्ति अनावश्यक कानूनी परेशानी में न फंसे। जनता के मन में यह विश्वास होना चाहिए कि कानून सबके लिए समान है। यदि किसी व्यक्ति को न्याय पाने के लिए प्रभाव, पहचान या आर्थिक क्षमता का सहारा लेना पड़े तो व्यवस्था पर उसका भरोसा कमजोर होता है। इसलिए 2027 में कानून-व्यवस्था की बहस केवल अपराध की संख्या तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पुलिस की जवाबदेही, निष्पक्ष जांच, समयबद्ध न्याय और नागरिक अधिकार भी इसके केंद्र में होने चाहिए। छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग की आवाज चुनावी राजनीति में गरीब और बड़े उद्योगों की चर्चा अक्सर होती है, लेकिन छोटे व्यापारी, दुकानदार, स्वरोजगार करने वाले लोग और निम्न-मध्यम वर्ग भी बड़ी संख्या में राजनीतिक परिणाम प्रभावित करते हैं। छोटे व्यापारियों के लिए कारोबार चलाना आसान है या मुश्किल? बिजली, किराया, कर, लाइसेंस, बाजार और ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा का दबाव कितना है? स्थानीय बाजारों में ग्राहक की क्रय शक्ति कैसी है? ये ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब चुनावी घोषणापत्रों में दिखाई देना चाहिए। मध्यम वर्ग की भी अपनी चिंताएं हैं–बच्चों की फीस, मकान, स्वास्थ्य खर्च, परिवहन, रोजगार की असुरक्षा और भविष्य के लिए बचत। यह वर्ग अक्सर राजनीतिक विमर्श में दिखाई कम देता है, लेकिन मतदान के समय उसकी प्राथमिकताएं निर्णायक हो सकती हैं। उत्तर प्रदेश तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। सड़कें, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, एयरपोर्ट और बड़े प्रोजेक्ट विकास की तस्वीर बदल रहे हैं। लेकिन विकास का दूसरा चेहरा भी है–जलभराव, यातायात, अतिक्रमण, कचरा, प्रदूषण, खराब नालियां और स्थानीय स्तर पर नागरिक सुविधाओं की कमी। गांवों में भी सड़क और बिजली से आगे रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई और स्थानीय अर्थव्यवस्था के सवाल हैं। 2027 में विकास की परिभाषा केवल बड़े प्रोजेक्टों की संख्या नहीं हो सकती। सवाल यह होगा कि इन परियोजनाओं का आम आदमी की जिंदगी पर वास्तविक प्रभाव कितना पड़ा।

प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों को दी जायेगी नवीन तकनीकी शिक्षा

लखनऊ: शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। डिजिटल तकनीक आज केवल सुविधा नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी शिक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार भी अपने विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में निरंतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उनकी प्रतिभा, जिज्ञासा और सीखने की क्षमता को नई दिशा देना है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश के समाज कल्याण विभाग ने FIRST ORIGIN Ne&tGen Edutech Pvt- Ltd. के सहयोग से कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट शिक्षा की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। करीब 35 करोड़ रुपये की सीएसआर परियोजना के तहत शुरू की गई इस पहल के प्रथम चरण में पांच जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में एक-एक स्मार्ट क्लासरूम तैयार किया गया है। यह पहल केवल कक्षाओं को आधुनिक उपकरणों से लैस करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की व्यापक सोच है।

103 सर्वोदय विद्यालयों तक पहुंचने की दिशा में पहला कदम उत्तर प्रदेश में समाज कल्याण विभाग द्वारा कुल 103 सर्वोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों का उद्देश्य विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्हें बेहतर अवसरों की आवश्यकता है। स्मार्ट क्लासरूम परियोजना के प्रथम चरण के लिए पांच विद्यालयों का चयन किया गया है। इनमें निडोरी (गाजियाबाद), बदनौरा (बुलंदशहर), हस्तिनापुर (मेरठ), बरेली और पीलीभीत के सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में तैयार किए गए स्मार्ट क्लासरूम विद्यार्थियों को कक्षा में विषयों को अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से समझने का अवसर देंगे। अब कठिन लगने वाले विषयों को डिजिटल सामग्री, दृश्य प्रस्तुति और आधुनिक शिक्षण तकनीकों के माध्यम से सरल तरीके से समझाया जा सकेगा।

स्मार्ट बोर्ड से बदलेगा पढ़ाई का अनुभव स्मार्ट क्लासरूम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पढ़ाई केवल किताब और ब्लैकबोर्ड तक सीमित नहीं रहेगी। आधुनिक सुविधाओं से लैस इन कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड और स्मार्ट पैनल लगाए गए हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दो एयर कंडीशनर और वुडेन फ्लोरिंग की व्यवस्था भी की गई है। स्मार्ट बोर्ड और डिजिटल पैनल के माध्यम से शिक्षक विषय से संबंधित चित्र, वीडियो, ग्राफिक्स और अन्य डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को विषयों को देखने, समझने और उनके साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा। उदाहरण के लिए विज्ञान के किसी जटिल विषय को केवल पुस्तक में पढ़ने के बजाय उसके चित्रात्मक और डिजिटल प्रदर्शन के माध्यम से समझाया जा सकता है। भूगोल के विषयों को नक्शों और दृश्य सामग्री के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। गणित जैसे विषयों में भी डिजिटल उदाहरण और इंटरैक्टिव सामग्री विद्यार्थियों की समझ को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है।

तकनीक से मिलेगा प्रतिभा को अवसर स्मार्ट क्लासरूम केवल पढ़ाई का तरीका बदलने की पहल नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने का प्रयास है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े तथा भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए स्वयं को तैयार करें। आज का विद्यार्थी आने वाले समय में जिस दुनिया में प्रवेश करेगा, वहां डिजिटल ज्ञान और तकनीकी दक्षता का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों को तकनीक के साथ सहज बनाना जरूरी है। प्रदेश सरकार की यह पहल इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा किसी एक वर्ग, क्षेत्र या सुविधा तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि किसी विद्यार्थी में सीखने की क्षमता और आगे बढ़ने का जज्बा है तो उसे आधुनिक संसाधनों तक पहुंच मिलनी चाहिए। स्मार्ट क्लासरूम इसी सोच को मजबूत करने का माध्यम बनेंगे।

कारपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) से शिक्षा के क्षेत्र में नई भागीदारी इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग भी है। FIRST ORIGIN Ne&tGen Edutech Pvt- Ltd. के सहयोग से सीएसआर के माध्यम से शुरू की गई यह परियोजना शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को सामाजिक और कॉरपोरेट भागीदारी से नई गति दी जा रही है। करीब 35 करोड़ रुपये की सीएसआर परियोजना के माध्यम से स्मार्ट शिक्षा के विस्तार का लक्ष्य यह भी है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की साझा जिम्मेदारी भी है। यदि ऐसे प्रयास निरंतर आगे बढ़ते हैं तो सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी वे आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं मिल सकती हैं, जो अक्सर निजी संस्थानों की पहचान मानी जाती रही हैं।

स्मार्ट क्लास से स्मार्ट भविष्य की ओर आज दुनिया तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचार की ओर बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल कम्युनिकेशन, ऑनलाइन लर्निंग और नई तकनीकों ने रोजगार तथा शिक्षा की परिभाषा को बदल दिया है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें बदलती दुनिया के लिए तैयार करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उत्तर प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत इसी व्यापक बदलाव की दिशा में एक कदम है। यह पहल विद्यार्थियों को तकनीक से जोड़ने के साथ उनके भीतर सीखने की नई संभावनाओं को जन्म देगी। पहले चरण में पांच विद्यालयों से शुरू हुआ यह प्रयोग आने वाले समय में प्रदेश के अन्य सर्वोदय विद्यालयों तक विस्तार ले सकता है। दूसरे चरण में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षा के विस्तार की योजना इस दिशा में आगे की संभावनाओं को स्पष्ट करती है। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किये गये स्मार्ट क्लासरूम का यह सफर स्मार्ट शिक्षा, डिजिटल सशक्तीकरण और स्मार्ट भविष्य की ओर बढ़ता हुआ कदम है। आज इन कक्षाओं में विद्यार्थी नई तकनीक के साथ सीखेंगे, कल यही विद्यार्थी तकनीक का इस्तेमाल कर अपने सपनों को नई उड़ान देंगे।

आशिया खातून, सूचना अधिकारी

कहीं बाढ़ का प्रलय, कहीं बूंद-बूंद पानी को तरसती धरती

'प्रकृति का संतुलन बिगड़ा तो इंसान की सारी तैयारियां पड़ जाती हैं छोटी '

मानसून भारत के लिए केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, खेती और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ प्राकृतिक चक्र है। यही बारिश कहीं जीवनदायिनी बनकर खेतों को हरा-भरा करती है तो कहीं उसका विकराल रूप बाढ़ बनकर बस्तियों, सड़कों और घरों को अपनी चपेट में ले लेता है। इस समय देश के कई हिस्सों में मौसम का यही विरोधाभासी चेहरा दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच रहा है। कछारी क्षेत्र में अनेक मकानों के डूबने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की जरूरत पड़ रही है। दूसरी ओर बिहार में कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज करनी पड़ी हैं। लेकिन देश के ही कुछ दूसरे हिस्से ऐसे हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं और किसान आसमान की ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह स्थिति हमें प्रकृति की उस शक्ति का एहसास कराती है जिसके सामने मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियां भी सीमित दिखाई देती हैं। मनुष्य ने बांध बनाए, तटबंध खड़े किए, नदियों का रास्ता नियंत्रित करने की कोशिश की, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली आधुनिक प्रणालियां विकसित कीं और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष बल तैयार किए। इसके बावजूद जब नदियां अपने उफान पर आती हैं तो प्रकृति के सामने हमारी सारी व्यवस्थाओं की परीक्षा शुरू हो जाती है। यही कारण है कि बाढ़ को केवल एक प्राकृतिक घटना मानकर उससे निपटना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे नदी क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण, जल निकासी की कमजोर व्यवस्था, अनियोजित निर्माण, वनों की कमी और बदलता मौसम चक्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रयागराज की स्थिति इस समय विशेष चिंता का विषय है। गंगा और यमुना के जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे निचले क्षेत्रों में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए बाढ़ का पानी केवल घरों में घुसने की समस्या नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन को पूरी तरह प्रभावित करने वाला संकट है। घरों में पानी भरने के साथ बिजली, पेयजल, आवागमन और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें भी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे समय में राहत शिविरों की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी सहायता साबित होती है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर सक्रिय करना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जरूरी कदम है। मगर इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि पानी बढ़ने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

उत्तर प्रदेश के ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर यह संकेत देता है कि लगातार बारिश का असर छोटी नदियों और जलधाराओं पर भी तेजी से पड़ता है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने पर आसपास के गांवों और आबादी को सतर्क करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी हो जाती है। घोषणा, निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ऐसी परिस्थितियों में जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है। प्रतापगढ़ में बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से मासूम की मौत जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपदा का खतरा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। लगातार बारिश कमजोर मकानों, पुरानी दीवारों और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसलिए बरसात के मौसम में कमजोर निर्माणों की पहचान और लोगों को पहले से सावधान करना आवश्यक है। बिहार में स्थिति और व्यापक है। गंगा, गंडक, बागमती, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ना राज्य के लिए हर वर्ष बड़ी चुनौती बनता है। बिहार का विशाल भूभाग नदियों और उनकी सहायक धाराओं से प्रभावित होता है। नदियों का उफान केवल एक जिले की समस्या नहीं रहता, बल्कि कई जिलों के गांवों, खेतों और सड़कों पर इसका असर पड़ता है। यही वजह है कि प्रशासन को राहत और बचाव की तैयारियां पहले से रखनी पड़ती हैं। नावों की तैनाती, सामुदायिक रसोई, राशन और पॉलीथीन शीट की व्यवस्था तथा आपदा राहत दलों की मौजूदगी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत का आधार बनती है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ जैसी एजेंसियों की तैनाती ने आपदा प्रबंधन की क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत किया है। लेकिन किसी भी आपदा में सरकारी मशीनरी की सफलता केवल बचाव दलों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। स्थानीय लोगों की जागरूकता, प्रशासन के साथ उनका सहयोग और समय पर चेतावनी का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाढ़ के दौरान नदी और तेज बहाव वाले पानी से दूरी बनाए रखना, अफवाहों पर विश्वास न करना और प्रशासन द्वारा बताए गए सुरक्षित स्थानों पर जाना जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां कुछ क्षेत्रों में बारिश आफत बन रही है, वहीं कई इलाकों में किसान बारिश की कमी से परेशान हैं। खेतों में नमी नहीं होने पर फसलों की वृद्धि रुक जाती है। बारिश पर निर्भर किसान के लिए यह स्थिति आर्थिक संकट का रूप ले सकती है। एक तरफ अत्यधिक बारिश खेतों को डुबो देती है और दूसरी तरफ कम बारिश फसलों को सुखा देती है। यही विरोधाभास बताता है कि आज आवश्यकता केवल अधिक बारिश की नहीं, बल्कि बारिश के संतुलित वितरण और जल प्रबंधन की है।

प्रकृति के साथ मनुष्य की सबसे बड़ी भूल शायद यही रही है कि उसने प्राकृतिक संसाधनों को अपने नियंत्रण में मान लिया। नदियों के किनारों पर अतिक्रमण, जलाशयों का सिकुड़ना, वर्षाजल के प्राकृतिक रास्तों का बंद होना और बिना पर्याप्त योजना के शहरी विस्तार ने बारिश के पानी को संकट में बदलने की स्थितियां पैदा की हैं। यदि शहरों में पानी के निकास के रास्ते बाधित होंगे तो सामान्य से अधिक बारिश भी जलभराव पैदा करेगी। इसी तरह यदि नदी के प्राकृतिक क्षेत्र में निर्माण बढ़ेगा तो बाढ़ का असर आबादी तक पहुंचने की आशंका बढ़ती जाएगी।

इसलिए आज जरूरत आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी की है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा, वर्षाजल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण, बाढ़ क्षेत्र का वैज्ञानिक निर्धारण और संवेदनशील बस्तियों की बेहतर योजना समय की मांग है। खेती के क्षेत्र में भी ऐसी फसलों और सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देना होगा जो बदलते मौसम के जोखिम को कम कर सकें। बारिश और बाढ़ को पूरी तरह रोकना मनुष्य के हाथ में नहीं है, लेकिन उसके नुकसान को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सरकार, प्रशासन, स्थानीय निकाय और समाज को मिलकर काम करना होगा। मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए आपदा प्रबंधन को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना भी उचित नहीं होगा। नागरिकों को भी प्रकृति के संकेत समझने और सावधानी बरतने की आदत विकसित करनी होगी।

आज प्रयागराज के डूबते कछारी मकान हों, चित्रकूट की उफनती मंदाकिनी हो, बिहार की बढ़ती नदियां हों या बारिश की कमी से सूखते खेत, ये सभी घटनाएं एक ही संदेश देती हैं कि प्रकृति का संतुलन हमारे जीवन का आधार है। कुदरत के सामने मनुष्य की कोई बराबरी नहीं। वह कभी जीवन के लिए पानी देती है तो कभी अपनी शक्ति का अहसास कराती है। इसलिए प्रकृति को चुनौती देने के बजाय उसके साथ संतुलन बनाकर चलना ही बुद्धिमानी है। बाढ़ के पानी को संकट मानकर उससे लड़ने के साथ-साथ उस व्यवस्था पर भी विचार करना होगा जिसने इस संकट को अधिक गंभीर बनाया है। आखिरकार प्रकृति के संकेतों को समय रहते समझ लेना ही सबसे बड़ी तैयारी है।

कांतिलाल मांडोत

4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर ग्रहों की स्थिति कुछ राशियों के लिए अनुकूल रहने के संकेत हैं। ज्योतिषीय आकलन के अनुसार वृषभ, कर्क, कन्या और धनु राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है।

मेष: कार्यक्षेत्र में मेहनत का लाभ मिलेगा। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें और परिवार के साथ समय बिताएं।

वृषभ: करियर में शुभ समाचार मिल सकता है। धन संबंधी मामलों में स्थिति मजबूत होगी और रुके कार्य आगे बढ़ेंगे।

मिथुन: नई योजनाओं पर काम शुरू करने का अच्छा समय है। मित्रों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क: नौकरी और व्यापार में सफलता के योग हैं। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है।

सिंह: कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आत्मविश्वास मजबूत रहेगा, लेकिन अनावश्यक विवाद से बचें।

कन्या: भाग्य का साथ मिलेगा। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं और पुराने अटके काम पूरे होने की संभावना है।

तुला: रिश्तों में मधुरता आएगी। कार्यस्थल पर सहयोग मिलेगा, हालांकि आर्थिक निर्णय सोच-समझकर लें।

वृश्चिक: मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु: शिक्षा, नौकरी और व्यापार में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। यात्रा से लाभ के संकेत हैं।

मकर: कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। धन की बचत पर ध्यान दें।

कुंभ: नई योजनाओं और रचनात्मक कार्यों के लिए दिन अनुकूल है। सामाजिक संपर्कों से लाभ मिल सकता है।

मीन: आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। कार्यक्षेत्र में अवसर मिलेंगे, लेकिन निर्णय लेते समय धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

प्याज के बढ़ते दाम से बिगड़ा रसोई का बजट, आम आदमी की थाली से स्वाद गायब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। सब्जियों का स्वाद बढ़ाने वाली प्याज इन दिनों आम आदमी की रसोई पर भारी पड़ रही है। पिछले दो सप्ताह में प्याज के दाम में अचानक हुई बढ़ोतरी ने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। कभी 25 से 30 रुपये किलो बिकने वाली प्याज अब थोक बाजार में 50 से 60 रुपये और फुटकर बाजार में 60 से 70 रुपये किलो तक पहुंच गई है। प्याज के दाम बढ़ने से रसोई का खर्च बढ़ने के साथ ही लोगों ने इसकी खपत भी कम कर दी है। खजनी क्षेत्र के बाजारों में प्याज की कीमतों में तेजी का असर साफ दिखाई दे रहा है। दुकानदारों के मुताबिक मंडियों में आवक कम होने के कारण थोक कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। फुटकर बाजार में इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है। स्थिति यह है कि प्याज ने कई जगह अनार और सेब जैसे महंगे फलों की कीमतों को भी पीछे छोड़ दिया है।

सब्जी में प्याज डालने से पहले सोचना पड़ रहा

प्याज के बढ़ते दाम से सबसे ज्यादा परेशानी घरेलू बजट संभालने वाले परिवारों को हो रही है। गृहणियों का कहना है कि पहले लगभग हर सब्जी में प्याज का इस्तेमाल सामान्य बात थी, लेकिन अब मात्रा कम करनी पड़ रही है। कई परिवारों ने प्याज का इस्तेमाल केवल जरूरी व्यंजनों तक सीमित कर दिया है। दिहाड़ी मजदूर और कम आय वाले परिवारों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम पहले से ही बढ़े हुए हैं। ऐसे में प्याज जैसी रोज इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री का अचानक महंगा होना परेशानी बढ़ा रहा है।

होटल-ढाबों पर भी असर प्याज की बढ़ती कीमतों का असर होटल और ढाबों पर भी दिखाई दे रहा है। कई जगह ग्राहकों को भोजन के साथ मिलने वाला कच्चा प्याज और सलाद कम मात्रा में दिया जा रहा है। कारोबारियों का कहना है कि लागत बढ़ने से मुनाफे पर असर पड़ रहा है और उन्हें कीमतों को लेकर सावधानी बरतनी पड़ रही है।

आवक कम होने से बढ़े दाम व्यापारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों के अनुसार महाराष्ट्र के नासिक क्षेत्र और मध्य प्रदेश समेत प्रमुख प्याज उत्पादक क्षेत्रों में बारिश से फसल प्रभावित होने तथा मंडियों में आवक कम होने का असर कीमतों पर पड़ा है। इसके अलावा बाजार में सीमित आपूर्ति और स्टॉक किए जाने की चर्चाओं ने भी तेजी को बढ़ावा दिया है। हालांकि, कीमतों में वास्तविक तेजी के कारणों को लेकर मंडी स्तर पर स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही पूरी तस्वीर सामने आएगी। फिलहाल उपभोक्ता प्याज की जगह हरे प्याज, टमाटर और लहसुन जैसे विकल्पों का इस्तेमाल कर रसोई का खर्च संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों को उम्मीद है कि मंडियों में आवक बढ़ने के साथ प्याज के दाम में जल्द राहत मिलेगी।

ड्राइविंग स्कूलों की मनमानी पर लगाम, हल्के-भारी वाहन की ट्रेनिंग फीस तय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। वाहन चलाने का प्रशिक्षण लेने वालों के लिए परिवहन विभाग से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है। देवरिया में संचालित प्रत्यायन चालक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से प्रोपराइटर वैभव शाही ने बताया कि पड़री मल्ल, देवरिया मीर स्थित प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र स्थित विभिन्न श्रेणी के वाहन प्रशिक्षण के लिए शुल्क निर्धारित किया गया है। कोर्सवार प्रशिक्षण शुल्क उत्तर प्रदेश शासन के परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित है। प्रशिक्षण केंद्र की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक हल्के मोटर वाहन हेतु 29 दिन के प्रशिक्षण का शुल्क 6,000 रुपये, जबकि मध्यम/भारी मोटर वाहन हेतु 38 दिन के प्रशिक्षण के लिए 10,000 रुपये प्रशिक्षण शुल्क निर्धारित हैं। इसके अलावा वाहन तंत्र एवं रखरखाव/ईंधन दक्षता प्रशिक्षण के लिए 1,000 रुपये, यातायात शिक्षा एवं जनसंपर्क/सड़क पर क्रोध और तनाव प्रबंधन प्रशिक्षण के लिए 500 रुपये तथा पुनश्चर्या/अभिविन्यास पाठ्यक्रम के लिए 1,000 रुपये शुल्क निर्धारित है। प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए शुल्क 10,000 रुपये निर्धारित बताया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्राप्त ड्राइविंग सर्टिफिकेट (फॉर्म 5बी) के आधार पर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए होने वाले टेस्ट में निर्धारित प्रावधान के अनुसार छूट का लाभ मिल सकता है। केंद्र में सिमुलेटर और ड्राइविंग ट्रैक पर प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। परिवहन विभाग हाल के वर्षों में ड्राइविंग प्रशिक्षण को अधिक व्यवस्थित और तकनीक आधारित बनाने पर जोर दे रहा है। राज्य में प्रत्यायन चालक प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षित चालकों को तैयार करने की व्यवस्था को बढ़ावा जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जन्माष्टमी और डोल जुलूस को लेकर पुलिस अलर्ट, लार में एएसपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

देवरिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और डोल जुलूस पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए देवरिया पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील सिंह ने थाना लार क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर जुलूस मार्गों और प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया। एएसपी ने कस्बा लार के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और संभावित जुलूस मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने प्रभारी निरीक्षक लार राकेश सिंह और पुलिसकर्मियों को पर्व के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर नजर रखने के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने को कहा। पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों और आमजन से संवाद किया। लोगों से जन्माष्टमी और डोल जुलूस को आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। पुलिस बल की मौजूदगी और लगातार गश्त से बाजार एवं जुलूस मार्गों पर सुरक्षा का भरोसा कायम रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय स्तर पर संवेदनशील स्थानों की निगरानी और आवश्यक सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए। पर्व को लेकर पुलिस की सक्रियता से साफ है कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा तंत्र पूरी तरह सतर्क है।

छात्रवृत्ति की अड़चन दूर करने को पांच सितंबर को लगेगा कैंप

देवरिया। छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के ऑनलाइन आवेदन में आ रही दिक्कतों के समाधान के लिए पांच सितंबर को जिले की पांचों तहसीलों में वृहद छात्रवृत्ति कैंप लगाया जाएगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अभिनाश मणि त्रिपाठी ने बताया कि भाटपाररानी में बीआरडी कृषक इंटर कॉलेज, सदर में राजकीय इंटर कॉलेज, रुद्रपुर में सतासी इंटर कॉलेज, बरहज में श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज और सलेमपुर में बापू इंटर कॉलेज को कैंप स्थल बनाया गया है। यहां छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन आवेदन संबंधी समस्याओं का मौके पर समाधान कराने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

ईंट-भट्ठों पर श्रम विभाग का छापा, बाल श्रम मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

देवरिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर श्रम विभाग की टीम ने तहसील देवरिया क्षेत्र के ईंट-भट्ठों का औचक निरीक्षण किया। टीम ने रामपुर कारखाना क्षेत्र के गौतमचक मठिया स्थित माता ईंट उद्योग और डुमरी स्थित सोना मार्का ईंट उद्योग का निरीक्षण किया। सहायक श्रम आयुक्त स्कन्द कुमार ने संचालकों को श्रमिकों के लिए आवास, पेयजल, बिजली व शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने और समय से मजदूरी देने के निर्देश दिए। बाल श्रम न कराने की सख्त हिदायत देते हुए बताया गया कि उल्लंघन पर 50 हजार से दो लाख रुपये तक जुर्माना और कारावास का प्रावधान है। मौके पर 'बाल श्रम अपराध है' की वाल पेंटिंग कराने तथा श्रमिकों का श्रम कल्याण बोर्ड में पंजीकरण कराने के निर्देश भी दिए गए।

अच्छे दिन का सपना दिखाया, महंगाई-बेरोजगारी से जनता को रुलाया: राम आसरे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने भाजपा सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और आरक्षण के मुद्दे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अच्छे दिनों का सपना दिखाकर जनता को गुमराह किया, लेकिन महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी ने किसानों, मजदूरों, गरीबों और नौजवानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सपा कार्यालय पर आयोजित प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और रोजगार की मांग को लेकर छात्र-नौजवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन किया तो पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि छात्रों पर बल प्रयोग और पैलेट गन चलाने का आदेश किसके स्तर से दिया गया था। सरकार को इसकी जिम्मेदारी स्पष्ट करनी चाहिए। पूर्व मंत्री ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। आरोप लगाया कि भाजपा शासन में पीडीए वर्ग के लोगों के खिलाफ अपराधों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने पुलिस पर फर्जी मुकदमे, हिरासत में मौत और मुठभेड़ के नाम पर कार्रवाई के गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

विश्वकर्मा समाज का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि सपा सरकार में समाज के हित में लिए गए कई फैसलों को भाजपा सरकार ने समाप्त कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे पारंपरिक कामगारों को स्थायी अवसर देने के बजाय मजदूरी तक सीमित रखने का खतरा है। उन्होंने भर्ती परीक्षाओं में आरक्षित पदों पर अनियमितता और पेपर लीक का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे पिछड़े, दलित और अन्य वंचित वर्गों के युवाओं को नुकसान हुआ है। कश्यप, निषाद, केवट, मल्लाह और अन्य अति पिछड़े वर्गों के आरक्षण के मुद्दे पर भी उन्होंने भाजपा सरकार को घेरा। राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि 2027 में भाजपा सरकार को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी होगी, ताकि पीडीए, किसान, गरीब, मजदूर और नौजवानों के हितों की रक्षा हो सके।

पार्कों से स्कूलों तक पुलिस की नजर, गुड मॉर्निंग देवरिया से बढ़ा सुरक्षा भरोसा

देवरिया। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देशन में गुरुवार को जिलेभर में 'गुड मॉर्निंग देवरिया', एंटी रोमियो और मिशन शक्ति अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने सुबह पार्कों, स्टेडियम, प्रमुख मार्गों, विद्यालयों और धार्मिक स्थलों के आसपास गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिसकर्मियों ने मॉर्निंग वॉक करने वाले महिला-पुरुषों और बुजुर्गों से संवाद कर उनकी समस्याएं व सुझाव सुने। बुजुर्गों को सुरक्षा और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया गया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखी गई। महिला एवं बालिका सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो व मिशन शक्ति टीमों ने विद्यालयों, सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाया। महिलाओं और बालिकाओं को पंपलेट वितरित कर सुरक्षा, अधिकार और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। **हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी** पुलिस टीमों ने 112, महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और साइबर हेल्पलाइन 1930 समेत अन्य उपयोगी नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी समस्या या असुरक्षा की स्थिति में तत्काल पुलिस की सहायता लेने की अपील की गई।

महंगाई, रोजगार और किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक गुरुवार को टाउनहाल स्थित कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पिछले कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठनात्मक मजबूती और जनहित से जुड़े राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में महंगाई, रोजगार, किसानों की समस्याएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय स्तर पर नागरिक सुविधाएं जनता की प्रमुख चिंताओं में शामिल हैं। कांग्रेस इन मुद्दों को तथ्यों और जनता से प्राप्त फीडबैक के आधार पर उठाएगी। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं को लोकतांत्रिक तरीके से सरकार और प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाने और लोगों की वास्तविक समस्याओं को जिला संगठन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कहा कि संगठन की मजबूती के लिए नियमित बैठक, आपसी संवाद और जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण जरूरी है। कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादा के भीतर रहकर जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अरविंद शाही, भरत मणि, जिला प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा, जिला महासचिव मार्कंडेय मिश्रा, शिवशंकर सिंह, मनोज मणि, शहनाज जफर, मधु शर्मा, रीता देवी, वशिष्ठ मोदनवाल, रजनीश प्रसाद, जिला सचिव विनोद दुबे, प्रेमचंद प्रजापति, पन्नालाल पाठक, व्यास दुबे, धर्मवीर भारती, चंद्रभान गुप्ता, शेषनाथ गोंड़, मो. मुजाहिद, रमेश कुशवाहा सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ललिता तिवारी के निधन पर कांग्रेसजनों ने जताया शोक

देवरिया। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुनील तिवारी की माता श्रीमती ललिता तिवारी के निधन पर कांग्रेस कार्यालय में शोकसभा आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल की अध्यक्षता में कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि ललिता तिवारी का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में पूरी जिला कांग्रेस कमेटी शोकाकुल परिवार के साथ है। उन्होंने ईश्वर से परिजनों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोकसभा में पूर्व जिलाध्यक्षों समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा हेतु निकाली गई कलश यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रुद्रपुर, देवरिया। उपनगर से सटे रामचक स्थित प्रत्युष विहार स्कूल परिसर में गुरुवार को मां सरस्वती, भगवान गणेश एवं हनुमान जी की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा के दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में सैकड़ों कन्याओं ने सिर पर कलश धारण कर हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा विद्यालय परिसर से निकलकर दूसरी काशी के नाम से प्रसिद्ध दुग्धेश्वरनाथ मंदिर के पीछे स्थित प्राचीन पोखरे पर पहुंची। वहां विधि-विधान से पूजन के बाद कलश में जल भरा गया। इसके बाद कन्याओं ने बाबा दुग्धेश्वरनाथ मंदिर की परिक्रमा कर दर्शन-पूजन किया और कलश लेकर वापस कार्यक्रम स्थल पहुंचीं। कलश यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरे समय मौजूद रहा। कलश यात्रा के पश्चात श्री किशोरी कृपाकुंज अयोध्या धाम से पधारे स्वामी रामजी दास, आचार्य नंदलाल मिश्रा, आचार्य सूरज, महंत विभीषण महाराज, आचार्य सुनील एवं मनी चक्रवर्ती सहित आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। मुख्य यजमान प्रशांत कुमार सिंह रहे। आचार्यों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं वैदिक अनुष्ठान कराया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, बच्चे, अभिभावक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से अनुष्ठान में शामिल हुए।

गोरखपुर चौरी चौरा में पैसों के विवाद पर फायरिंग, तीन गिरफ्तार; तमंचा-कारतूस बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में मारपीट और गोली चलाने के मामले में चौरी चौरा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चारपहिया वाहन, अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और 10,870 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में विशु चौधरी निवासी खैराबाद डुडी, विजय पासवान निवासी चकदेइया और मोनू मौर्य निवासी चौरी खास थाना चौरी चौरा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर की रात पैसों के लेनदेन को लेकर आरोपियों का वादी से विवाद हो गया था।

आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने वादी के साथ मारपीट की और उसके मित्र के पैर में गोली मार दी। गोली लगने से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने उसकी हालत सामान्य बताई है। तहरीर के आधार पर चौरी चौरा थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी चौरी चौरा के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 3(5) बीएनएस तथा 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी विजय पासवान का विभिन्न थानों में कई मुकदमों का आपराधिक इतिहास दर्ज है। उसके खिलाफ बेलीपार, चौरी चौरा, गगहा और खोराबार थानों में चोरी समेत अन्य धाराओं में कई मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज है। वहीं मोनू मौर्य के खिलाफ खोराबार और गीडा थाने में मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अशोक शर्मा, रजनीश मिश्रा, सौरभ झाँ समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के मामले में वांछित युवक गिरफ्तार

देवरिया। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित 20 वर्षीय युवक को बघौचघाट पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी मुखबिर की सूचना पर उसके घर से की गई। पुलिस के मुताबिक, बघौचघाट थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 145/2026 में धारा 69 व 352 बीएनएस के तहत प्रदुम्न निषाद पुत्र मोतीलाल निषाद, निवासी बसडिला मैनुद्दीन, थाना बघौचघाट को वांछित किया गया था। गुरुवार को सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने उसके घर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देश पर अपराधियों और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द कुमार पाण्डेय के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी के पर्यवेक्षण में बघौचघाट पुलिस ने कार्रवाई की। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुशान्त पाठक, हेड कांस्टेबल शमसेर बहादुर शाही और महिला आरक्षी का रुपा यादव शामिल रहीं।

जनपद में प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होगा सम्पूर्ण समाधान दिवस

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसीलवार निर्धारित हुआ कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जन समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए शासन के निर्देशानुसार जनपद की सभी तहसीलों में प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। समाधान दिवस का आयोजन तहसील मुख्यालयों पर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक होगा।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा वर्ष 2026 के लिए तहसीलवार सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता का रोस्टर निर्धारित कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 05 सितम्बर को तहसील गोण्डा, 19 सितम्बर को तरबगंज, 03 अक्टूबर को मनकापुर, 17 अक्टूबर को करनैलगंज, 07 नवम्बर को गोण्डा, 21 नवम्बर को तरबगंज, 05 दिसम्बर को मनकापुर तथा 19 दिसम्बर को करनैलगंज तहसील में जिलाधिकारी द्वारा अध्यक्षता की जाएगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी भी प्रतिभाग किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अन्य तहसीलों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार अपर जिलाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी एवं संबंधित उपजिलाधिकारी द्वारा अध्यक्षता की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों एवं समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने विभागीय अधिकारियों एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित रहें तथा प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें।

गोरखपुर में फरार अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा

पांच पर घोषित हुआ 25-25 हजार का इनाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी/गोरखपुर। जिले में गंभीर आपराधिक मामलों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गोरखपुर पुलिस ने अब इनाम घोषित कर दबाव बढ़ा दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर ने थाना खजनी और थाना चौरीचौरा में दर्ज मुकदमों में वांछित चल रहे कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रत्येक पर 25-25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से लंबे समय से फरार आरोपियों की तलाश तेज होने की उम्मीद है।

खजनी के चार आरोपियों पर इनाम

थाना खजनी में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 161/2026 में वांछित चल रहे चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने इनाम घोषित किया है। यह मुकदमा बीएनएस की विभिन्न गंभीर धाराओं में दर्ज है। पुलिस के मुताबिक फरार आरोपियों में विक्की उर्फ विनय साहनी पुत्र राजेश साहनी, निवासी वार्ड नंबर-13, कस्बा उनवल, थाना खजनी; विशाल पुत्र राया प्रसाद, निवासी वार्ड नंबर-14, नीलकंठ मंदिर के पास, कस्बा उनवल, थाना खजनी; सत्यम साहनी पुत्र प्रकाश साहनी, निवासी रुद्रपुर, थाना खजनी तथा धर्मवीर उर्फ भुवार पुत्र स्व. संजय, निवासी माधोपुर, थाना तिवारीपुर, गोरखपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार चारों आरोपी मुकदमे में वांछित हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रत्येक पर 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है। पुलिस टीमें आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ उनकी गतिविधियों और संपर्कों की जानकारी जुटाने में लगी हैं।

चौरीचौरा के आरोपी की भी तलाश तेज

इसी क्रम में थाना चौरीचौरा में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 186/2025 में फरार चल रहे मनोज पटेल पुत्र रामजी पटेल, निवासी मुरली खरकटवा, थाना शिकारपुर, जनपद पश्चिमी चंपारण, बेतिया, बिहार की गिरफ्तारी के लिए भी 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है। यह मुकदमा भारतीय दंड संहिता की धाराओं 419, 420, 467, 468, 471, 504, 506 और 120 बी के तहत दर्ज है। पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों की तलाश कर रही है। एसएसपी डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर घोषित इनाम का उद्देश्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई को और प्रभावी बनाना है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वांछित आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए अभियान जारी रहेगा।

दुबियारी पुल के पास खेत में मिला अज्ञात महिला का शव, इलाके में मचा हड़कंप, शव शिनाख्त नहीं

सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस से जांच तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर जिले के झंगहा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब दुबियारी पुल के पास खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। खेत में शव पड़े होने की खबर फैलते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, 3 सितंबर 2026 की सुबह दुबियारी पुल के समीप खेत में एक महिला का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई गई। महिला की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी है। प्रथम दृष्टया शव के निरीक्षण में महिला के शरीर पर किसी प्रकार के जाहिरा चोट के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह क्या है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रेतर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। महिला की पहचान और घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके अलावा पुलिस सर्विलांस और अन्य तकनीकी माध्यमों की मदद से भी मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला घटनास्थल तक कैसे पहुंची और उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं।

घटना के बाद पुलिस आसपास के गांवों में भी महिला के संबंध में जानकारी जुटा रही है। स्थानीय लोगों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हाल के दिनों में कोई महिला लापता तो नहीं हुई है। पुलिस आसपास के थानों से भी गुमशुदगी से संबंधित सूचनाएं जुटा सकती है, ताकि शव की जल्द पहचान कराई जा सके। क्षेत्राधिकारी चौरी चौरा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रथम दृष्टया शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं। पुलिस की टीमें सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और अन्य तकनीकी माध्यमों से जांच कर रही हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस महिला की पहचान कराने के साथ ही मौत की परिस्थितियों का पता लगाने में जुटी है।

समोसा फैक्ट्री में मिला डेढ़ क्विंटल सड़ा आलू, 3200 कच्चे समोसे नष्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। रेलवे की कैंटीनों और दुकानों में सप्लाई किए जाने वाले समोसों की निर्माण इकाइयों में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर गुरुवार को रेल बाजार क्षेत्र में तीन समोसा निर्माण इकाइयों पर छापेमारी कर जांच की गई। इस दौरान एक इकाई में करीब डेढ़ क्विंटल सड़ा हुआ आलू बरामद हुआ। इसके अलावा तीनों इकाइयों से कुल 3200 बिना तले समोसे और 25 किलो आलू मसाला अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला, जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। कार्रवाई के दौरान एक निर्माण इकाई को सील करने के साथ ही 48 बोरियों में रखा 2384 किलो मैदा भी सीज किया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी से मिली सूचना के आधार पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी।

रेलवे की कैंटीनों और दुकानों में होती थी सप्लाई, एक निर्माण इकाई सील; 2384 किलो मैदा सीज

टीम ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत रेल बाजार स्थित समोसा निर्माण इकाइयों की जांच की। कार्रवाई का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और निर्माण इकाइयों में स्वच्छता व्यवस्था की जांच करना था। सबसे पहले टीम ने निर्मल कुमार मिश्र की समोसा निर्माण इकाई में छापा मारा। जांच के दौरान परिसर में करीब डेढ़ क्विंटल सड़ा हुआ आलू पाया गया। इसके साथ ही 400 बिना तले समोसे भी तैयार अवस्था में मिले। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सड़े आलू और समोसों को मौके पर ही नष्ट करा दिया। टीम ने यहां से मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और तैयार समोसों के कुल तीन नमूने भी जांच के लिए लिए। अधिकारियों ने बताया कि नमूनों की जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद टीम ने बन्टू यादव की समोसा निर्माण इकाई की जांच की। यहां नौकर और मजदूर खाद्य पदार्थ तैयार करते मिले। जांच के दौरान परिसर में 800 बिना तले समोसे और पांच किलो आलू मसाला अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा पाया गया। खाद्य सुरक्षा टीम ने इन खाद्य पदार्थों को भी नष्ट करा दिया। कार्रवाई के दौरान निर्माण इकाई के संचालक बन्टू यादव को कई बार मौके पर बुलाया गया, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। टीम द्वारा खाद्य लाइसेंस प्रस्तुत करने के लिए कहे जाने के बावजूद लाइसेंस उपलब्ध नहीं कराया गया। नियमों के उल्लंघन और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने निर्माण इकाई को सील कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के साथ-साथ निर्माण इकाइयों में स्वच्छता, खाद्य सामग्री के रखरखाव और आवश्यक लाइसेंस की भी जांच की जा रही है। रेलवे की कैंटीनों और दुकानों में खाद्य सामग्री की आपूर्ति करने वाली इन इकाइयों पर हुई कार्रवाई के बाद विभाग ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर निगरानी और सख्त करने के संकेत दिए हैं।

हादसों में जान गंवाने वालों के आश्रितों को उपलब्ध कराई सहायता राशि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- तहसील क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में हाल ही में हुए दो दर्दनाक हादसों में जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को शासन की ओर से दैवीय आपदा सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। गुरुवार को कोंच में नहर विभाग के अतिथि गृह में क्षेत्रीय विधायक मूलचंद निरंजन, एसडीएम अभिनव कुमार और तहसीलदार मनोज कुमार ने तीनों मृतक के आश्रितों के खातों में चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि भेजने की औपचारिकता पूरी की। इस दौरान, विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आपदा और हादसों में अपनों को खोने वाले परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि किसी परिवार के लिए अपने सदस्य को खोने की पीड़ा को आर्थिक सहायता से कम नहीं किया जा सकता, लेकिन संकट की इस घड़ी में शासन की ओर से दी जाने वाली सहायता उनके लिए कुछ सहारा जरूर बनती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। राजस्व विभाग की टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की, जिसके बाद यह सहायता राशि उपलब्ध कराई जा सकी। गौरतलब हो कि रक्षाबंधन के दिन ग्राम करयावली में खेत पर बने कुएं में पड़े मोटरपंप को निकालते समय दो सगे भाइयों फूल सिंह और रामलखन कुशवाहा की कुएं में डूबने से मौत हो गई थी। वहीं 27 अगस्त को ग्राम सलैया बुजुर्ग में पहूज नदी में नहाते समय हरिशंकर कौरव तेज बहाव में डूब गया था जिसका शव करीब चार दिन बाद घटनास्थल से लगभग 55 किलोमीटर दूर बरामद हुआ था। एसडीएम अभिनव कुमार ने बताया कि तीनों मृतकों के परिजनों के खातों में दैवीय आपदा के तहत चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि भेजी गई है। उन्होंने बताया कि मृतक किसान फूल सिंह और रामलखन कुशवाहा के परिजनों को किसान दुर्घटना के तहत एक-एक लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि भी जल्द उनके खातों में भेजी जाएगी। इसके लिए आवश्यक कार्रवाई पूरी की जा रही है। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सोनू पटेल बोहरा, सदर लेखपाल दिग्विजय सिंह, लेखपाल योगेंद्र सिंह, दिलीप पटेल, सभासद अनिल वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व एडीजी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद फतेहगढ़ आगमन से पूर्व अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, कानपुर द्वारा कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड तथा अन्य संभावित स्थलों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए तथा सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एडीजी ने किया पुलिस आफिसर्स मेस का उद्घाटन

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद फतेहगढ़ में नवनिर्मित ''पुलिस ऑफिसर्स मेस'' का उद्घाटन किया गया। इस दौरान यमुना प्रसाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर, आरती सिंह, पुलिस अधीक्षक जनपद फतेहगढ़ व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल

कोंच(जालौन)- सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। हादसा देर रात करीब 10:30 बजे असूपुरा और सलैया खुर्द गांव के बीच खत्री बाबा के पास हुआ। बताया जा रहा है कि एक तिपहिया वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में एक युवक को गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक, सलैया खुर्द निवासी प्रसंग पुत्र छत्रसाल (20), रंजीत पुत्र अज्जू राजा (30) और अनिकेत पुत्र इंद्रपाल (20) अपनी बाइक से ग्राम असूपुरा आए थे। बुधवार की रात तीनों युवक बाइक से अपने गांव सलैया खुर्द वापस लौट रहे थे। इसी दौरान खत्री बाबा के पास सामने से आए तिपहिया वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित हो गई और तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

पागल श्याम प्रेमी परिवार के अध्यक्ष बने अभय सोनी

कोंच(जालौन)- पागल श्याम प्रेमी परिवार कोंच की नई कमेटी का गठन किया गया, जिसका अध्यक्ष सर्वसम्मति से अभय सोनी को बनाया गया है। गुरुवार को पुराने सरकारी अस्पताल परिसर में स्थित आनंदेश्वर मंदिर में पागल श्याम प्रेमियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में शामिल सदस्यों ने नई कमेटी का गठन कर सर्वसम्मति से अभय सोनी को अध्यक्ष चुन लिया। कमेटी में संरक्षक के रूप में पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, डॉ आलोक निरंजन, पिंटू मिश्रा, नीरज मिश्रा, देवेंद्र चौहान, राजू दतिया वालों की चुना गया। वहीं इस बार आयोजित किए जाने वाले खाटू श्याम महोत्सव कार्यक्रम का अध्यक्ष पुष्पेंद्र निरंजन जी पिंकू फुलैला बनाए गए। नव नियुक्त अध्यक्ष समेत बाकी के सभी पदाधिकारियों का बैठक में माल्यार्पण और तिलक कर स्वागत किया गया, साथ ही आगामी महोत्सव कार्यक्रम की सफलता को लेकर चर्चा की गई।

7 सितंबर को होगी जिला सैनिक बंधु की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने जनपद के सभी पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं वीर नारियों को अवगत कराया है कि जिला सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन 7 सितंबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे कलक्ट्रेट स्थित सभागार, फिरोजाबाद में किया जाना प्रस्तावित है। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा करेंगे। बैठक में पूर्व सैनिकों, आश्रितों एवं वीर नारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों पर विचार-विमर्श करते हुए उनके त्वरित निस्तारण की कार्रवाई की जाएगी।

10:30 बजे तक उपलब्ध कराएं लिखित शिकायतें

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने सभी संबंधित लोगों से अनुरोध किया है कि वे अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को लिखित रूप में 7 सितंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, सेक्टर-1, सुहाग नगर, फिरोजाबाद में उपलब्ध करा दें। प्राप्त शिकायतों को जिला सैनिक बंधु बैठक के एजेंडा बिंदुओं में शामिल किया जाएगा, जिससे संबंधित विभागों के माध्यम से उनका त्वरित गति से निस्तारण कराया जा सके।

बैठक में प्रतिभाग करने की अपील

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने सभी पूर्व सैनिकों, आश्रितों एवं वीर नारियों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं को निर्धारित समय पर कार्यालय में उपलब्ध कराने के साथ ही 7 सितंबर को दोपहर 12:00 बजे कलक्ट्रेट सभागार, फिरोजाबाद में आयोजित जिला सैनिक बंधु बैठक में प्रतिभाग करें। प्रशासन का उद्देश्य पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

भाजपा टूण्डला नगर मंडल की मासिक कामकाजी बैठक सम्पन्न, संगठन को मजबूत करने पर हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। भारतीय जनता पार्टी टूण्डला नगर मंडल की कामकाजी मंडल मासिक बैठक स्टेशन रोड स्थित सिटी प्लाजा में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों एवं बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता एवं भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इसके साथ ही मंडल प्रवासी एवं जिला महामंत्री आकाश शर्मा, जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, मंडल टीम, शक्तिकेंद्र संयोजक एवं बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठनात्मक कार्यों की हुई समीक्षा

बैठक के दौरान मंडल कार्यसमिति के कार्यों की समीक्षा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। इस दौरान शक्तिकेंद्र संयोजकों का सत्यापन किया गया तथा संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बूथ अध्यक्ष और बूथ समितियों के सत्यापन की योजना

बैठक में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों के तहत बूथ अध्यक्षों एवं बूथ समितियों के सत्यापन की योजना भी तैयार की गई। कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन की स्थिति को मजबूत करने, समितियों को सक्रिय रखने तथा संगठन के कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में कार्य करने पर जोर दिया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। इसलिए प्रत्येक बूथ पर संगठन को सक्रिय एवं व्यवस्थित रखना आवश्यक है।

कार्यकर्ताओं ने लिया संगठन को मजबूत करने का संकल्प

बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से पूरा करने तथा पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय, संगठनात्मक जिम्मेदारियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक की जानकारी देते हुए आजाद जैन, नगर अध्यक्ष भाजपा टूण्डला, जिला फिरोजाबाद ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है। प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ करे, जिससे संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिल सके। इस अवसर पर भाजपा के जिला, मंडल एवं शक्तिकेंद्र स्तर के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आलू किसानों को मिलेगी राहत, भंडारण और भाव के अंतर पर मिलेगा अनुदान

शीतगृह में रखे आलू के भंडारण प्रभार पर मिलेगा 100 प्रति कुंतल तक अनुदान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देशन में आलू उत्पादक किसानों को राहत देने के उद्देश्य से उद्यान विभाग द्वारा भामाशाह भाव स्थिरता कोष के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आलू की न्यूनतम उत्पादन लागत एवं विक्रय मूल्य के अंतर पर तथा निजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण प्रभार पर किसानों को अनुदान दिया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी सी.पी. अवस्थी ने बताया कि दोनों योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को potato.uphorticulture.in पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

पंजीकरण के समय ये विवरण जरूरी

ऑनलाइन पंजीकरण करते समय किसान को अपना मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, खसरा-खतौनी एवं बैंक पासबुक का विवरण दर्ज करना होगा। निजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण प्रभार पर अनुदान प्राप्त करने के लिए शीतगृह से निर्गत आलू आमद/तकपट्टी, आलू निकासी का प्रमाण अथवा गेट पास तथा शीतगृह में आलू भंडारण शुल्क भुगतान की रसीद पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

आलू बिक्री का प्रमाण भी करना होगा अपलोड

भामाशाह भाव स्थिरता कोष योजना का लाभ लेने के लिए किसान को मंडी अथवा शीतगृह के माध्यम से आलू विक्रय का प्रमाण पत्र तथा बैंक खाते में आलू का मूल्य प्राप्त होने का प्रमाण अपलोड करना होगा।

200 कुंतल तक मिलेगा अनुदान

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि निजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण प्रभार पर ?100 प्रति कुंतल की दर से अधिकतम 200 कुंतल प्रति कृषक तक अनुदान देय होगा। इसी प्रकार भामाशाह भाव स्थिरता कोष योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम उत्पादन लागत एवं विक्रय मूल्य के अंतर अथवा न्यूनतम उत्पादन लागत के 25 प्रतिशत, दोनों में जो भी कम होगा, उसके बराबर अधिकतम 200 कुंतल आलू पर अनुदान देय होगा।

डीबीटी के माध्यम से खाते में पहुंचेगी राशि

दोनों योजनाओं के अंतर्गत देय अनुदान का भुगतान डीबीटी (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से किसान के आधार प्रमाणित बैंक खाते में किया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी सी.पी. अवस्थी ने जनपद के सभी आलू उत्पादक किसान भाइयों से अपील की है कि वे समय से पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराकर इन आलू विकास योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। योजनाओं से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आलू उत्पादक किसान किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, कक्ष संख्या-218 एवं 221 में संपर्क कर सकते हैं।

बाबा बाणेश्वर धाम का पंचायती जूना अखाड़ा धंसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर के पतारा ब्लाक के बरनाव गांव में स्थित बाबा बाणेश्वर धाम का पंचायती जूना अखाड़ा बारिश के कारण कमजोर हो गया है, लगातार बारिश से अखाड़े का भवन धीरे-धीरे धंसने लगा हैं,भवन की दीवारों में कई जगह बड़ी दरारें आ गई है, इससे वहां रहने वाले महंत पुजारी और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं,,

अखाड़े के आसपास बारिश के पानी के साथ मिट्टी का कटान भी हो रहा है, इसके कारण पास में स्थित हरिहर गिरि जी महाराज के जीवित समाधि स्थल का चबूतरा भी धंसने लगा हैं, चबूतरे के आसपास की मिट्टी खिसकने से हालात और बिगड़ गए,, मंदिर में रह रहे महंत और पुजारियों ने बताया कि लगातार वारिस से पंचायती जूना अखाड़ा बहुत कमजोर हो गया है, दीवारों में दरारें और मिट्टी का कटान ख़तरे को बढ़ा रहा है उनका कहना है कि समय रहते भवन की जांच और सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो जूना अखाड़ा कभी भी गिर सकता है इसमें मंदिर परिसर में मौजूद महंत, पुजारी, और श्रद्धालुओं की जान का ख़तरा हो सकता है,,यह एक धार्मिक स्थल है श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है।

आरक्षण के खिलाफ नहीं, आरक्षण सुधार के साथ हैं: एडवोकेट योगेन्द्र अग्निहोत्री

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी एवं अधिवक्ता योगेन्द्र अग्निहोत्री ने कहा कि कानपुर में निकाला गया आक्रोश मशाल मार्च आरक्षण के विरोध में नहीं, बल्कि त्नष्ट के नए प्रावधानों को रोल बैक करने तथा आरक्षण व्यवस्था में न्यायसंगत सुधार और समीक्षा की मांग को लेकर आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक स्वार्थों के कारण समाज के कम पढ़े-लिखे लोगों को गुमराह कर रहे हैं और इस मार्च को आरक्षण विरोधी आंदोलन के रूप में प्रचारित कर रहे हैं। यह पूरी तरह भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण प्रचार है। समाचार रिपोर्टों में भी मार्च का उद्देश्य त्नष्ट प्रावधानों की वापसी और आरक्षण व्यवस्था में सुधार बताया गया है। एडवोकेट योगेन्द्र अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया कि आरक्षण में सुधार की मांग का अर्थ आरक्षण का विरोध करना नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था की समीक्षा इसलिए आवश्यक है, ताकि दलित, पिछड़े और वास्तविक रूप से वंचित वर्गों को आरक्षण का लाभ सही रूप में मिल सके तथा इसका लाभ बार-बार कुछ ही परिवारों तक सीमित न रहे। उन्होंने कहा, 'हम आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि आरक्षण के साथ हैं। हम देश के दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों के साथ खड़े हैं। हमारा उद्देश्य किसी जाति या समाज का विरोध करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, न्यायपूर्ण और प्रभावी बनाना है। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ने समाज के लोगों से अपील की कि वे किसी भी राजनीतिक भ्रम या अफवाह का शिकार न हों और किसी आंदोलन के संबंध में राय बनाने से पहले उसके वास्तविक उद्देश्य और मांगों को समझें। उन्होंने कहा कि कानपुर का मशाल मार्च त्नष्ट रोल बैक, आरक्षण सुधार और समान अवसर की लोकतांत्रिक मांग को लेकर था, न कि आरक्षण समाप्त करने के लिए।

मां वैष्णो देवी मंडल में संगठनात्मक सत्यापन कार्य सम्पन्न, कार्यकर्ताओं को सौंपी गई जिम्मेदारियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। संगठन को जमीनी स्तर तक और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से मां वैष्णो देवी मंडल में संगठनात्मक सत्यापन का कार्य किया गया। इस दौरान पूर्व जिला संयोजक वृंदावन लाल गुप्ता ने मां वैष्णो देवी मंडल के अध्यक्ष नीरेश रावत के साथ मंडल कार्यसमिति एवं शक्ति केंद्र संयोजकों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की। सत्यापन अभियान के दौरान मंडल स्तर पर संगठन की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई तथा कार्यसमिति के पदाधिकारियों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों की सक्रियता को लेकर आवश्यक जानकारी जुटाई गई।

मंडल कार्यसमिति के कार्यों की ली जानकारी

सत्यापन के दौरान मंडल कार्यसमिति के पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों, बैठकों एवं आगामी कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी ली गई। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को कार्यकर्ताओं के सहयोग से प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जाए।

शक्ति केंद्र संयोजकों की भूमिका पर जोर

कार्यक्रम के दौरान शक्ति केंद्र संयोजकों के सत्यापन का कार्य भी किया गया। संगठन में शक्ति केंद्र संयोजकों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क बनाए रखने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के लिए प्रेरित किया गया। पूर्व जिला संयोजक वृंदावन लाल गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है और संगठन की वास्तविक ताकत जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से ही बनती है। मंडल अध्यक्ष नीरेश रावत ने भी संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मंडल से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को व्यवस्थित एवं सक्रिय रखना सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मंडल कार्यसमिति के पदाधिकारी मण्डल उपाध्यक्ष रविन्द्र झा व मण्डल के समस्त पदाधिकारी व शक्ति केंद्र संयोजक एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क पर पेड़ गिरने से आवागमन रहा बाधित

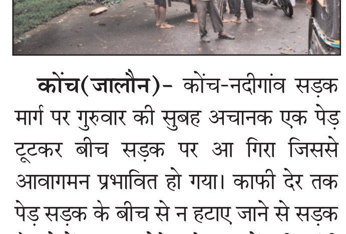

कोंच(जालौन)- कोंच-नदीगांव सड़क मार्ग पर गुरुवार की सुबह अचानक एक पेड़ टूटकर बीच सड़क पर आ गिरा जिससे आवागमन प्रभावित हो गया। काफी देर तक पेड़ सड़क के बीच से न हटाए जाने से सड़क के दोनों साइड छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस एवं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सड़क के बीच से उक्त पेड़ हटवा कर आवागमन सुचारू कराया। जानकारी के अनुसार, गुरूवार की सुबह करीब 7 बजे ग्राम तूमरा के समीप कोंच-नदीगांव सड़क मार्ग के किनारे लगा एक पेड़ अचानक टूट कर सड़क के बीच आ गिरा जिससे सड़क पर आवागमन बाधित हो गया। कुछ ही देर में सड़क के दोनों साइड वाहनों की लंबी कतारें लग गई जिससे राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सेवती नदी किनारे जर्जर सड़क, हादसे का इंतजार कर रहा पीडब्ल्यूडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध मां शीतला गड़बड़ा धाम मंदिर के दक्षिणी तरफ सेवती नदी के किनारे से होकर गुजरने वाली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़क इन दिनों राहगीरों के लिए गंभीर खतरे का कारण बनी हुई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क की स्थिति ऐसी है कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जब दिसंबर माह में मां शीतला गड़बड़ा धाम का बड़ा मेला लगता है, तभी अधिकारियों की निगाह इस सड़क पर पड़ती है, जबकि पूरे वर्ष इस मार्ग से हजारों लोगों का आवागमन होता रहता है।

बताया गया कि यह सड़क क्षेत्र के करीब दस गांवों को जोड़ती है और प्रतिदिन सुबह-शाम प्रयागराज आने-जाने वाली बसें भी इसी मार्ग से होकर गुजरती हैं। इतना ही नहीं, चार विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी प्रतिदिन बसों के माध्यम से इसी रास्ते से विद्यालय आते-जाते हैं। ऐसे में सेवती नदी के किनारे

सांसद-विधायक को कई बार सूचना फिर भी जिम्मेदारों की आंखें बंद

सड़क की बदहाल और असुरक्षित स्थिति किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर गुजरने वाले वाहन चालकों, यात्रियों और स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर तत्काल ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस गंभीर समस्या से विधायक महोदय को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को किसी बड़े हादसे का इंतजार है? आखिर ऐसी स्थिति में सड़क की मरम्मत और सुरक्षा के इंतजाम कराने के लिए किसी दुर्घटना का होना जरूरी क्यों माना जा रहा है? ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि संभवतः सांसद और विधायक महोदय का इस मार्ग से नियमित आवागमन नहीं होता, इसलिए उन्हें सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं हो पा रहा है। यदि जनप्रतिनिधि स्वयं इस रास्ते से गुजरें तो उन्हें पता चलेगा कि रोजाना कितने लोग और स्कूली बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से आवागमन कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि मां शीतला गड़बड़ा धाम में जब दिसंबर का बड़ा मेला आता है, तब प्रशासनिक अमला सड़क और व्यवस्थाओं को लेकर सक्रिय हो जाता है, लेकिन क्या आम दिनों में इस सड़क से गुजरने वाली जनता की सुरक्षा कोई मायने नहीं रखती?

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते सड़क की स्थिति नहीं सुधारी गई तो किसी दिन बड़ा हादसा होने के बाद जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचकर सिर्फ खानापूर्ति करते नजर आएंगे। क्षेत्रवासियों ने सांसद, विधायक और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि दिसंबर के मेले का इंतजार किए बिना तत्काल मौके का निरीक्षण कराया जाए, सड़क की स्थिति दुरुस्त कराई जाए तथा सेवती नदी के किनारे आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क पर प्रतिदिन स्कूली बसों और यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए इसे मामूली समस्या समझना भारी पड़ सकता है। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि दुर्घटना होने के बाद जिम्मेदारों की नींद खुले, उससे पहले ही सड़क को सुरक्षित कराया जाए। यदि भविष्य में इस मार्ग पर कोई बड़ा हादसा होता है तो लोगों का सवाल सीधा होगा कि जब सांसद, विधायक और संबंधित अधिकारियों को पहले से समस्या की जानकारी दी जा चुकी थी, तब आखिर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

100 शैय्या अस्पताल निर्माण में लापरवाही पर डीएम सख्त

खराब ईंट तत्काल हटाने के निर्देश, कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी करने का आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने गुरुवार को निर्माणाधीन 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की धीमी प्रगति और खराब गुणवत्ता की ईंटों के इस्तेमाल पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यदायी संस्था के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम ने पर्याप्त संख्या में मैनपावर लगाकर निर्माण कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समयसीमा में मानक एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा कराने की चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल भवन के पीछे प्रस्तावित नर्सिंग हॉस्टल और आवासीय भवनों का निर्माण कार्य चल रहा था। टाइप-2 आवास, सीएमओ आवास और सीएमएस आवास के निर्माण की प्रगति बेहद धीमी मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण कार्य स्वीकृत एस्टीमेट और ले-आउट प्लान के अनुरूप ही कराया जाए।

निर्माण में इस्तेमाल की जा रही दोयम दर्जे की ईंटों की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर डीएम ने सभी खराब ईंटों को तत्काल मौके से हटाने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी करने और पर्याप्त मजदूर लगाकर कार्य में तेजी लाने को कहा। परियोजना प्रबंधक ने बताया कि परियोजना एसआईटी से आच्छादित है और इसके लिए 770.99 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत है। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश निर्माण निगम, सोनभद्र इकाई है। डीएम ने निर्माण स्थल और आसपास साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं में गुणवत्ता, मानक और समयबद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

50 शैय्या क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी निरीक्षण

इसके बाद जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन 50 शैय्या क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्यदायी संस्था को गति बढ़ाने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अनिल कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग संदीप सरोज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

चुनार, मीरजापुर। कोतवाली क्षेत्र के रेलवे स्टेशन स्थित डीएफसी रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आकर 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। ट्रेन का पहिया उसके उपर से निकल गया जिससे सिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही चुनार पुलिस मौके पर पहुंच कर मृतक के जेब में रखे पहचान पत्र से मृतक की पहचान कोतवाली क्षेत्र के जगरनाथ पुर गांव निवासी रामलाल पुत्र सरजू के रूप में की गई। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को देते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तहसीलदार अजय सिंह ने बाढ़ प्रभावित गावों का किया निरीक्षण

भदोही। जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बनाए हुए है। इसी क्रम में गुरुवार को तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह ने इटहरा, बेरासपुर, बिहरोजपुर, रामपुर घाट, धनतुलसी, इटहरा समेत विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ शरणालयों और बाढ़ चौकियों का भी जायजा लेकर वहां की व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य एवं नियंत्रण में पाई गई। बाढ़ चौकियों पर आवश्यक व्यवस्थाएं और जरूरी संसाधन उपलब्ध मिले। तहसीलदार अजय सिंह ने संबंधित कर्मचारियों को पूरी सतर्कता बरतने तथा क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से गंगा के जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भदोही में गंगा का जलस्तर 78.320 मीटर पहुंचा है और गंगा का जलस्तर में वृद्धि भी जारी है। ज्ञानपुर तहसीलदार अजय सिंह ने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जलस्तर में किसी भी प्रकार की वृद्धि अथवा परिस्थितियों में बदलाव की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बाढ़ के पानी से किसानों के सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़। गंगा के जलस्तर में वृद्धि से अब सीखड़ क्षेत्र प्रभावित होने लगा है। किसानों की सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न हो गए हैं। क्षेत्र के धन्नूपुर, धनैता, मझरा, विदापुर, रामगढ़, प्रेमापुर, गोरैयां, सीखड़, खानपुर, मेड़िया, सहित दर्जनों गांव के किसानों की धीरे- धीरे बाढ़ की जद में आने शुरू हो गए हैं। यदि गंगा के जलस्तर में कमी नहीं आती है तो सीखड़ क्षेत्र के किसानों को भारी क्षति उठानी पड़ेगी। क्षेत्र में इस समय मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंगफली, तिल, अरहर के साथ साथ सब्जी की प्रमुख व्यवसायिक मिर्च की फसल की खेती की गई है। और इन्हीं खेती पर किसानों की साल भर की कमाई निर्भर रहती है।इस साल किसानों की कुछ फसल तो बारिश से नष्ट हो गया,बचा खुचा फसल बाढ़ निगलनें को आतुर है। बाढ़ की विभिषिका को देख किसान मायूस है। लालपुर के किसान लवकुश यादव व गौतम यादव ने बताया कि बड़े किसानों से मालगुजारी पर खेत लेकर मिर्च की खेती किए हैं, मालगुजारी के पैसा के साथ साथ लागत का भी पैसा डूब जायेगा। वही बाढ़ का पानी गोरैयां रामगढ़ संपर्क मार्ग पर आ जाने से एक दुसरे गांव का संपर्क टूट गया है।

15 दिन भी नहीं टिक सका नया ट्रांसफार्मर, फिर जला पड़ा बरसा गहरवा- ट्रांसफार्मर

एक सप्ताह से अंधेरे में ग्रामीण, बिजली विभाग के कर्मचारी फोन उठाने से भी कतरा रहे है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के बरसा गहरवा गांव में बिजली विभाग की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक जिस ट्रांसफार्मर को लगे अभी महज करीब 15 दिन भी पूरे नहीं हुए थे, वह दोबारा जल गया और पिछले एक सप्ताह से खराब पड़ा है। ट्रांसफार्मर जलने के कारण गांव की विद्युत आपूर्ति बाधित है और ग्रामीणों को अंधेरे में रहने के साथ ही रोजमर्रा के कार्यों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रांसफार्मर जलने की सूचना बिजली विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों को लगातार दी जा रही है, लेकिन समस्या का समाधान कराने के बजाय जिम्मेदार कथित तौर पर फोन तक उठाना जरूरी नहीं समझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब नया ट्रांसफार्मर 15 दिन भी नहीं चल पाया और दोबारा जल गया, तो उसकी गुणवत्ता और विद्युत व्यवस्था की निगरानी पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण ग्रामीणों में विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। बिजली के अभाव में घरों में पानी की समस्या, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बाद भी यदि जिम्मेदार कर्मचारी फोन नहीं उठाएंगे और मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान नहीं करेंगे, तो आखिर ग्रामीण अपनी समस्या लेकर कहां जाएं। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल ट्रांसफार्मर बदलवाकर विद्युत आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। साथ ही 15 दिन के भीतर दोबारा ट्रांसफार्मर जलने के कारणों और उसकी गुणवत्ता की जांच कराने तथा शिकायत के बावजूद फोन नहीं उठाने वाले कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की भी जांच कराने की मांग की है। अब देखना यह है कि विभाग बरसा गहरवा के ग्रामीणों को अंधेरे से कब तक निजात दिलाता है।

प्रमोद पाण्डेय की मातृशोक में संवेदना जताने पहुंचे गणमान्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर/संवाददाता। सीखड़ विकास खण्ड अंतर्गत पिपराही ग्राम पंचायत निवासी भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष, सीखड़ एवं जिला कार्यसमिति सदस्य प्रमोद कुमार पाण्डेय की माता स्वर्गीय सावित्री देवी (83) का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद इलाज के दौरान बीएचयू, वाराणसी में निधन हो गया। वह पिछले करीब दो माह से अस्वस्थ चल रही थीं।स्वर्गीय सावित्री देवी के निधन की खबर मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया, उत्तर प्रदेश दिव्यांग प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ उत्तम ओझा, समाजसेवी गुड्डू शुक्ला, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मण्डल अध्यक्ष व एडवोकेट रूपेश पांडेय , दैनिक जागरण संवाददाता राजन दुबे, अमर उजाला के संवाददाता शीथलेश्वर पाठक, हिन्दुस्तान संवाददाता गोपीनाथ मिश्रा,आज के संवाददाता अभयराज मिश्रा, मिंटू त्रिपाठी, जिला संवाददाता स्वतंत्र प्रभात मीरजापुर रतन पाडेय, अध्यापक प्रशांत तिवारी , भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यकारिणी सदस्य विजय नारायण सिंह मुन्ना, सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग पिपराही स्थित प्रमोद कुमार पाण्डेय के आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त किया। तथा स्वर्गीय सावित्री देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की। इस अवसर पर लोगों ने शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की तथा ईश्वर से स्वर्गीय सावित्री देवी की आत्मा को शांति प्रदान करने और परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

विधायक विपुल दुबे की पहल लाई रंग, कौलापुर में 100 की जगह लगा 250 केवीए ट्रांसफॉर्मर

ग्रामीणों को मिली बिजली संकट से राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। डीघ ब्लॉक के ग्रामसभा कौलापुर की ब्राह्मण बस्ती में लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या का आज बृहस्पतिवार को समाधान हो गया। यहां 100 केवीए की जगह अब 250 केवीए का नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया है। ट्रांसफॉर्मर की क्षमता बढ़ने से ग्रामीणों को बिजली आपूर्ति में राहत मिलने की उम्मीद है।ग्रामीणों के अनुसार, कम क्षमता का ट्रांसफॉर्मर आए दिन जल जाता था, जिससे पानी, सिंचाई समेत घरेलू जरूरतों के लिए बिजली को लेकर काफी परेशानी होती थी। ग्रामीण लंबे समय से अधिक क्षमता का ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग कर रहे थे। ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे के प्रयासों से 250 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगाए जाने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इस दौरान अरुण चतुर्वेदी, अभिनव पाण्डेय, नमन पाण्डेय, त्रिपुरारी मिश्रा, तौलन, नीरज शर्मा और बीडीसी टिंकू शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे। ग्रामीणों ने विधायक विपुल दुबे के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि नए ट्रांसफॉर्मर से बिजली व्यवस्था में सुधार होगा और सिंचाई व अन्य जरूरी कार्यों में काफी सहूलियत मिलेगी।

नकली आभूषण गिरवी रख लोन लेने वाले आरोपी को 6 माह के लिए जिला बदर

गोपीगंज। नकली सोने के आभूषण गिरवी रखकर धोखाधड़ी से लोन प्राप्त करने के मामले में आरोपी पल्टू उर्फ आनंद सेठ के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर आरोपी को छह माह के लिए भदोही जनपद की सीमा से निष्कासित कर दिया गया। थाना गोपीगंज पुलिस ने आरोपी के निवास स्थान पर डुगडुगी बजाकर सार्वजनिक मुनादी कराते हुए जिला बदर आदेश की तामील कराई। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध जालसाजी, धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज और आपराधिक षड्यंत्र समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। आदेश के दौरान भदोही सीमा में प्रवेश करने पर आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

जन्माष्टमी पर भदोही पुलिस की सौगात, 114 गुम मोबाइल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर भदोही पुलिस ने आमजन को विशेष सौगात देते हुए केंद्रीय उपकरण पहचान पंजीकरण (सीईआईआर) पोर्टल की मदद से गुम और खोए हुए 114 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 18 लाख 81 हजार रुपये है। मोबाइल वापस पाकर स्वामियों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली और उन्होंने पुलिस के प्रयास की सराहना की। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में जिले में गुम और खोए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने सभी थानों पर तैनात कंप्यूटर संचालकों को केंद्रीय उपकरण पहचान पंजीकरण पोर्टल का प्रभावी इस्तेमाल कर मोबाइल बरामदगी में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

शिकायत प्राप्त होने के बाद मोबाइल के अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या (आईएमईआई) समेत आवश्यक विवरण पोर्टल पर दर्ज किए गए। पोर्टल से प्राप्त मोबाइल की खोज संबंधी जानकारी, सिम नंबर और स्थान आदि का तकनीकी विश्लेषण करते हुए पुलिस टीमों ने कार्रवाई की। इसके परिणामस्वरूप विभिन्न थानों की पुलिस ने 114 मोबाइल फोन बरामद किए। थानावार बरामदगी में ज्ञानपुर से 22, गोपीगंज से 17, कोईरौना से 7, भदोही से 15, चौरी से 1, औराई से 23, ऊंज से 10, सुरियावां से 17 और दुर्गागंज से 2 मोबाइल फोन बरामद हुए। रिजर्व पुलिस लाइंस ज्ञानपुर स्थित सभागार में गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस अधीक्षक एवं जनपदीय पुलिस टीम का आभार जताया।

जनवरी से अब तक 812 मोबाइल मिले, कीमत 1.37 करोड़ से अधिक

जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा 100 क्षय रोगियों को वितरित की गई पोषण पोटली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी के सौजन्य से क्षय रोग से पीड़ित 100 मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों को उपचार के साथ पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य में सुधार के लिए सहयोग प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने मरीजों को नियमित रूप से दवा लेने और चिकित्सकों द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि क्षय रोग के उपचार में नियमित दवा के साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। पोषण संबंधी सहयोग से मरीजों को बीमारी से उबरने में मदद मिलती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. शुभांकर श्रीवास्तव ने कहा कि क्षय रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने मरीजों से उपचार बीच में न छोड़ने की अपील की। इस दौरान डॉ. स्वप्निल समेत स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पोषण पोटली प्राप्त करने वाले मरीजों ने इस पहल के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार जताया।

सिद्धार्थनगर में सपा का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में कमर तोड़ महंगाई, बेरोजगारी, डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस और बिजली तथा खाद्य पदार्थ चीनी के दामों में भारी वृद्धि तथा किसानों को खाद की समस्या,ध्वस्त कानून व्यवस्था तथा डुमरियागंज के पिपरा रामलाल में मदरसे और मस्जिद को भाजपा नेताओं के दबाव में जिला प्रशासन ने विचाराधीन मुकदमे की अनदेखी कर मस्जिद और मदरसे को गिरा दिया और संविधान तथा लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-तार कर दिया गया इसके विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय पर सपा जिला अध्यक्ष लालजी यादव की अगवाई तथा डुमरियागंज की विधायक सैयदा खातून, पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह, सपा नेता उग्रसेन प्रताप सिंह, अपने हजारों समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पर जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन देकर जन समस्याओं के निदान तथा दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की। जिलध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है

अपराधियों का बोलबाला है भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाए, विगत दिनों डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के पिपरा रामलाल में लगभग 80 वर्षो से अपनी निजी भूमि पर संचालित रजिस्टर्ड मदरसे को भाजपा नेताओं के इशारे पर प्रशासन द्वारा सीईओ चकबंदी के यहां विचाराधीन मुकदमे की अनदेखी कर गलत तरीके से गिरा दिया गया और संविधान तथा लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-तार कर दिया गया। इस प्रकरण की जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध करवाई किया जाए। उत्तर प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। इस दौरान पूर्व विधायक अनिल सिंह, नागेंद्र नाथ चतुर्वेदी एडवोकेट, मुरलीधर मिश्रा, मोनू दुबे, बेचई यादव, अजय चौधरी, अफसर रिजवी, विभा शुक्ला, राममिलन भारती, रामफेर यादव, चंद्रमणि यादव, अजय यादव, सुरेश यादव, मोहम्मद इदरीश पटवारी, अनूप यादव, वीरेंद्र तिवारी, जुबेदा चौधरी ,कमरूज्जमा खान, डॉक्टर धीरेंद्र यादव, देवेंद्र सिंह ,राम धीरज साहनी, फुजैल मलिक, अब्दुल कलाम सिद्दीकी, फिरोज आलम, सोनू यादव ,रामू यादव, सैयद कुतुब ,महेश कनौजिया, रिंदु पासवान, धीरू यादव, रामसेवक लोधी ,जेपी यादव, शकील शाह, अनिरुद्ध यादव, एडवोकेट अखिलेश मौर्या विष्णु उमर चंद्रभान पहलवान बृजभान यादव, बहरइची प्रसाद प्रेमी जोखन चौधरी सहित समाजवादी पार्टी के हजारों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक्सपोजर विजिट के लिए गोरखपुर गये 165 दिव्यांग बच्चे

विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। दिव्यांग बच्चों के ज्ञानवर्धन और मनोरंजन के लिए गुरुवार को एक विशेष एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक करुणापति त्रिपाठी की देखरेख में आयोजित इस यात्रा में नौगढ़, बांसी और डुमरियागंज तहसील से तीन बसों से 165 दिव्यांग बच्चों को गोरखपुर के लिए रवाना किया गया। एक्पोजर विजिट के दौरान बच्चे गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खान चिड़ियाघर, रामगढ़ताल नौका विहार और रेल म्यूजियम का भ्रमण करेंगे। बांसी तहसील से जाने वाली बस को विधायक राजा जयप्रताप सिंह ने, नौगढ़ की बस को बीएसए शैलेश कुमार

और डुमरियागंज की बस को बीईओ संतोष कुमार शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पूर्व मंत्री, विधायक राजा जय प्रताप सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के साथ उनकी अन्य जरूरतों को प्रदेश सरकार पूरा कर रही। इस एक्सपोजर विजिट का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान देना, सामाजिक रूप से जोड़ना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है। इसे लेकर बच्चे उत्साहित दिखे। बच्चों की सुरक्षा, सहायता के लिए विशेष शिक्षक राजेश त्रिपाठी, चित्ररेखा मिश्रा, राकेश चौधरी, जितेन्द्र कुमार, प्रदुमन कुमार सिंह, अरुण कुमार, राघवेंद्र मिश्र, राम सिंह, वीरेंद्र उपाध्याय, पूर्णिमा पांडेय, सतीश चंद्र, अवनीश त्रिपाठी, प्रतिभा, प्रेम प्रकाश सिंह, उमेश मिश्र, राममंगल, प्रमोद गोस्वामी, श्रीराम, संतोष कुमार, सरिता आदि रहे।

जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रयबरेली। गुरबक्श गंज स्थित सीएस सी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में आज जन्माष्टमी का त्यौहार बड़े ही हर्षौल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला , प्रबन्धक मोहित शुक्ला , डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी कक्षाओं के बच्चों ने राधा कृष्ण स्वरूप की भव्य झांकी निकाली। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने अपनी अपनी कक्षाओं को विभिन्न प्रकार के पोस्टर, रंग बिरंगे गुब्बारों से सुसज्जित कर बड़े ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को मनाया। इस कार्यक्रम में विद्यालय परिसर में मटकी फोड़ का कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी कक्षाओं में बने कृष्ण - कहैया द्वारा इस कार्यक्रम का आनंद लिया। छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के मनमोहक कार्ड्स, पोस्टर व छात्राओं द्वारा सुन्दर मनमोहक माखन मटकी बनाई गई। विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला ने बताया कि जन्माष्टमी का यह पावन त्योहार केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि यह हमें भगवान श्री कृष्ण के जीवन से बहुत सी महत्वपूर्ण बातें सीखने की प्रेरणा देता है? हमारे प्यारे बच्चों, बाल-गोपाल के रूप में श्री कृष्ण हमें सिखाते हैं कि जीवन को हमेशा उत्साह, खेल-कूद और आनंद के साथ जीना चाहिए व सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने बताया कि कृष्ण और सुदामा की दोस्ती हमें यह सिखाती है कि सच्चा मित्र कभी अमीर-गरीब का भेद नहीं देखता। आप भी हर परिस्थिति में अपने दोस्तों का साथ निभाएं, हमेशा एक दूसरे का आदर करें उनकी मदद करें। व सभी बच्चों को इस पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही इस आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की शिक्षिकाएं अर्चना,आस्था ,आकृति, हर्षिता, रेहा,सिमरन,दामिनी, पूजा शर्मा, भावना, प्रियंका,किरन, पूजा दीक्षित,रंजना, नाजिया आदि समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

एलआईसी की 70वीं वर्षगांठ पर बांटे गए आकर्षक पुरस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रतापगढ़ की यूनिट 31102 के विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य की आयोजकत्व में एलआईसी की 70वीं वर्षगांठ पर डिजिटल इनोवेशन स्वीकार्यता विषय पर शैक्षिक सेमिनार एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन होटल शशांक में हुआ। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन हुआ। यूनिट 31102 के विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि आम जनमानस एवं अभिकर्ताओं के सक्रिय सहयोग से एलआईसी दुनिया की अग्रणी बीमा संस्था बन चुकी है। मानव तथा परिवारों की आर्थिक स्थायित्व देना हमारा उद्देश्य है। कवि अमरनाथ गुप्ता बेजोड़ व अजीत

सिंगर, जाहनवी, रोहित व शिवम तिवारी ने गीतों के गायन से समां बांध दिया। कवि आनंद मोहन ओझा, कुंज बिहारी लाल मौर्या काका श्री आदि ने काव्य पाठ किया। एलआईसी के मुख्य प्रबंधक के द्वारा शारदा संगीत महाविद्यालय की प्राचार्य व छात्र छात्राओं को शानदार ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। एलआईसी शाखा प्रतापगढ़ के मुख्य प्रबंधक मनोज सिंगला ने कहा कि धन जीवन की प्रथम आवश्यकता है। एलआईसी जनता से थोड़ा अंश लेती है और जीवन तथा जीवन के बाद परिवारों को समृद्धि देती है। अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार एवं पूर्व बाल न्यायाधीश डॉ0 दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि यदि देश की गरीबी दूर करना है तो निगम की योजनाओं से जुड़े। इसकी योजनाएं पूर्ण सफल है।एलायंस क्लब इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय निदेशक रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि निगम की योजनाएं दूर्दिन की साथी है। अतः साथी का संरक्षण करें।

प्रमुख रूप से राकेश कुमार सरोज, रामकुमार सरोज, मनीराम, मीला शुक्ला, वीरेंद्र प्रताप सिंह, राघव सिंह, ओमप्रकाश कोरी, पुष्पेंद्र शुक्ला, विनय कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, नंदकिशोर प्रजापति, अंजनी सिंह, मोहम्मद अय्यूब, ब्रह्मदत्त पांडे इत्यादि अभिकर्ताओं को मूल्यवान पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर बिना श्रीवास्तव, सालिकराम, आनंद मोहन ओझा, राकेश प्रतापगढ़ी, ओपी गुप्ता इत्यादि उपस्थित रहे।

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में हर्षोल्लास से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस का हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राजीव सिंह,प्रधानाचार्य एस. एल. प्रजापति, उप -प्रधानाचार्या रजनी श्रीवास्तव द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं भगवान श्रीकृष्ण जी की पूजा अर्चना के साथ हुआ। अदिति,अनन्या, अमृता, अविका, आस्था, नैना, नित्या,सक्षम, आकांक्षा, साहित्य, अर्णव, आकृति,कार्तिक,तन्मय, सानिध्य, काजेश ने श्रीकृष्ण एवं राधा जी की मनमोहक झांकियां,भजन,नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर मंचन कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इसी क्रम में शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के

प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में भारत के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया गया। विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजीव सिंह एवं एस. एल.प्रजापति द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र के साथ प्रोत्साहन धनराशि देकर सम्मानित किया गया जिनमें - 'बेस्ट मदर टीचर अवॉर्ड' मनीषा श्रीवास्तव, 'बेस्ट हाउस इंचार्ज' बीरेन्द्र कुमार, 'बेस्ट क्लास टीचर अवॉर्ड' - प्राइमरी विंग-पूजा श्रीवास्तव, जूनियर विंग सुनीता तिवारी,सेकेंडरी विंग - प्रेम शंकर, सीनियर सेकेंडरी - बृजराज यादव, 'को - करिकुलर एक्टिविटी अवॉर्ड' आलोक पांडेय, 'डायनेमिक टीचर अवॉर्ड '- मो0 अरशद इसी क्रम में 'अधिकतम औसत अंक अवॉर्ड '(प्री प्राइमरी विंग)-रीना चौरसिया(ईवीएस),(प्राइमरी विंग) हरिवेश कुमार,(जूनियर विंग)नीतू सिंह (हिंदी),(सेकेंडरी विंग)मंजली अवस्थी (ग्रह विज्ञान),(सीनियर सेकेंडरी विंग) अनामिका पटेल(फिजिकल एडुकेशन) में दिया गया। आज विद्यालय का संचालन छात्र छात्राओं द्वारा किया गया, जिनमें प्रधानाचार्य के रूप में हाई -स्कूल टॉपर(2025-26)राजवीर सिंह व उप -प्रधानाचार्या के रूप में प्राप्ति मौर्या ने कार्यभार संभाला। हेड बॉय -अनमोल सिंह व हेड गर्ल -खुशी चौरसिया ने विद्यालय संचालन में प्रभारी प्रधानाचार्य की सहायता की। यशस्वी मिश्रा, सत्यवीर, अवनी, जयंतिका,कर्णिका, दिशा, स्वास्तिक, आयुष,आस्था, अनुष्का,सिद्धांत,आकिब अली , अंशिका, किंजल, गुड़िया, रामेन्द्र,सुभाष,प्रांजुल ,काजल आदि छात्र -छात्राओं ने शिक्षक शिक्षिकाओं के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विशिष्ट अनुभव प्राप्त किया। प्रधानाचार्य राजीव सिंह ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने और उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण के कर्म, सत्य, धर्म और कर्तव्य के संदेश को विद्यार्थियों के जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक -शिक्षिकाएं ,छात्र -छात्राएं व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आनंदवन इंटर कालेज में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

छात्र-छात्राओं ने भाषण, नाटक, रूपांतरण और नृत्य प्रस्तुतियों से बांधा समां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। आनंदवन इंटर कालेज, प्रतापगढ़ में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों एवं गीता के संदेश को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने प्रेरणादायक भाषण, नाटक, श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित रूपांतरण तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। नन्हे कलाकारों ने बाल कृष्ण की लीलाओं, माखन चोरी, राधा-कृष्ण के प्रेम और श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन को अपनी कला के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस

अवसर पर विद्यालय परिवार ने छात्र-छात्राओं को श्रीकृष्ण के सत्य, कर्म, प्रेम, करुणा, अनुशासन और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। विद्यालय के शिक्षकों में आशुतोष ओझा सरिता गुप्ता साधना तिवारी किरण तिवारी कविता सिंह सविता शुक्ला शिक्षकों ने कार्यक्रम की तैयारियों में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की प्रस्तुति में प्रमुख रूप से छोटे बच्चों में आरोही शिवांश अंशीका अद्विका सार्थक तृषा अनुज राघव रीतांश काव्या दीपिका अच्युतम जयंती कार्तिक अभिनंदन सानवी सहित कई बच्चों ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम के अंत में मटकी फोड़ने का कार्यक्रम हाउस के मध्य हुआ जिसमें ब्ल्यू हाउस विजेता हुआ।

सिद्धार्थनगर में अज्ञात ट्रैक्टर ट्रॉली की ठोकर से छोटे भाई की मौत, बड़ा भाई घायल

इटवा (सिद्धार्थनगर)। दर्दनाक सड़क हादसे 19 वर्षीय युवक की मृत्यु हो गई। जबकि 23 वर्षीय बड़ा भाई घायल हो गया। घटना बुधवार रात करीब 8.30 बजे की है। दोनों भाई बाइक से घर आ रहे थे कि तभी अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली ने ठोकर मार दी। इटवा थाना के कमदा लालपुर निवासी शोएब अहमद व जुबेर अहमद पुत्र तनवीर अहमद बाइक से रात में डुमरियागंज से घर आ रहे थे। कदमा से पहले सेमरा मोड़ के पास नोबेल हॉस्पिटल के निकट पहुंचे कि अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली ने ठोकर मार दी। दोनों भाई सड़क पर गिर गए। इस बीच चालक दोनों को रौंदते हुए भाग गया। गंभीर अवस्था में दोनों को इटवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटवा ले गए। नाजुक स्थिति में दोनों को मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर के लिए रेफर कर दिया। जहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने जुबेर को मृत्यु घोषित कर दिया। जबकि शोयब का उपचार किया जा रहा है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार दुबे ने बताया कि कोई तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश से सिद्धार्थनगर आते मैहर के पास मार्ग दुर्घटना में एक की मौत, पांच घायल*

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर) । नगर पंचायत बिस्कोहर के वार्ड नंबर 10 निवासी मोहम्मद वसीम राईनी (35) पुत्र जुमाई उर्फ चिनकन की मध्य प्रदेश के मैहर में सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में परिवार के चार अन्य सदस्य घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मोहम्मद वसीम राईनी पुत्र जुमाई उर्फ चिनकन अपने परिवार के छह लोगों के साथ निजी कार से हैदराबाद से बिस्कोहर आ रहे थे। परिवार काफी समय से हैदराबाद में रह रहा था। वसीम अपने बीमार अब्बा को देखने के लिए परिवार के साथ बिस्कोहर आ रहे थे। बुधवार को मध्य प्रदेश के मैहर के पास उनकी कार की टैंकर से टक्कर हो गई। हादसे में मोहम्मद वसीम राईनी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोहम्मद वारिस (30), मोहम्मद अयान (14), सना (17) और आठ माह की बच्ची और एक अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद वसीम के बड़े भाई मोहम्मद सिद्दीकी राईनी परिवार के सदस्यों को बिस्कोहर लाने के लिए निजी वाहन से मध्य प्रदेश रवाना हुए। हादसे की खबर से बिस्कोहर में शोक की लहर दौड़ गई।

रविवार को भी खुलेगा आधार सेवा केंद्र, सातों दिन मिलेगी आधार संबंधी सुविधा

प्रतापगढ़। जिले के नागरिकों के लिए आधार संबंधी सेवाओं के लिए दहिलामऊ स्थित बीएसएनएल मुख्य कार्यालय परिसर में संचालित आधार सेवा केंद्र अब सप्ताह के सातों दिन खुला रहेगा। आम नागरिक सोमवार से रविवार तक केंद्र पर पहुंचकर आधार नामांकन सहित विभिन्न आधार संबंधी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। केंद्र पर नया आधार नामांकन, बायोमेट्रिक एवं डेमोग्राफिक संशोधन तथा बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट जैसी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। केंद्र का संचालन सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक किया जाएगा। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रविवार को भी केंद्र खुला रखने का निर्णय लिया गया है। आधार नामांकन अथवा किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए नागरिकों को आवश्यक मूल दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। नया आधार नामांकन तथा 5 और 15 वर्ष की आयु के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट निःशुल्क किया जाएगा। वहीं अन्य आधार संशोधन सेवाओं के लिए यूआईडीएआई द्वारा निर्धारित सरकारी शुल्क देय होगा। आधार सेवा केंद्र के प्रबंधक शिवरंजन रत्नाकर ने नागरिकों से अपील की है कि आधार से संबंधित कार्यों के लिए निर्धारित समय में केंद्र पर पहुंचकर उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाएं।

अब आलू पर मिलेगा 20 हजार रूपये तक का सरकारी अनुदान-जिला उद्यान अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने जनपद के कृषकों को सूचित किया है कि प्रदेश सरकार ने आलू के गिरते भाव और बढ़ती लागत के बीच किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए राहत योजना लागू की है। इसके तहत किसानों को उनके भंडारित आलू पर प्रति कुन्तल 100 रूपये का अनुदान दिया जाएगा। योजना का लाभ उठाने के लिए जिले के किसानों ने ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस योजना के तहत किसानों को उनके कोल्ड स्टोरों में भण्डारित आलू के भण्डारण शुल्क पर प्रति क्विंटल 100 रूपये का अनुदान दिया जाएगा। एक किसान अधिकतम 200 क्विंटल आलू (यानी 400 पैकेट) पर इस अनुदान का लाभ उठा सकता है, जिससे उसे सीधे तौर पर अधिकतम 20 हजार रूपये तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। योजना का लाभ उठाने के लिए जिले के किसानों को आनॅलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अनुदान राशि सीधे बैंक खाते में प्राप्त करने के लिए किसानों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के समय आमद रसीद (कोल्ड स्टोरेज), गेट पास, बिक्री सम्बंधी दस्तावेज, बैग (बोरी) के सत्यापन की रिपोर्ट, आधार कार्ड और खतौनी जैसे आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। वर्तमान में जिले के विभिन्न कोल्ड स्टोरेज में कुल क्षमता के सापेक्ष लगभग 52.67 फीसदी आलू भण्डारित है।

09 देशी सुतली बम के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़ ।थाना लालगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त दिलशाद पुत्र रहमत अली निवासी ग्राम जैतीपुर कठार, थाना अंतू, जनपद प्रतापगढ़, उम्र करीब 35 वर्ष व शाहिद खान पुत्र स्व0 जहीर उर्फ अम्मू खान निवासी ग्राम जैतीपुर कठार, थाना अंतू, जनपद प्रतापगढ़, उम्र करीब 26 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से 09 देशी सुतली बम एवं 01 हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई।

पॉक्सो एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना रानीगंज पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना रानीगंज पुलिस टीम उ0नि0 अंकित श्रीवास्तव मय हमराह द्वारा थाना रानीगंज पर पंजीकृत अन्तर्गत धारा 87, 137(2), 65(1), 352, 351(3) बीएनएस एवं धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त ओमप्रकाश उम्र करीब 21 वर्ष पुत्र स्व0 शंकरलाल, निवासी ग्राम शेनपुर, थाना दातागंज, जनपद बदायूँ (उ0प्र0) को माँ बाराही देवी धाम रेलवे स्टेशन (दाँदूपुर) के बाहर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 01 स्मार्टफोन इनफिनिक्स कंपनी का बरामद हुआ।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के 5 लाभार्थियों को डेमो चेक का किया गया वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। महानिदेशक संस्थागत वित्त बीमा एवं वाह्य सहायतित परियोजना महानिदेशालय उ0प्र0 लखनऊ व मण्डलायुक्त प्रयागराज मण्डल व मुख्य विकास अधिकारी प्रतापगढ़ के निर्देशानुसार सरस सभागार विकास भवन प्रयागराज में मण्डलीय वृहद ऋण कैम्प का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज की अध्यक्षता में अग्रणी बैंक प्रबन्धक बैंक आफ बड़ौदा प्रयागराज द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें जनपद प्रतापगढ़ के मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के 05 लाभार्थियों को ऋण का डेमों चेक वितरित कराया गया।

कैम्प में उपायुक्त उद्योग एस0एस0 रावत, सहायक आयुक्त उद्योग जे0एन0सिंह यादव/अजय प्रसाद तथा अग्रणी बैंक प्रबन्धक प्रतापगढ़ नीरज सिंह द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये।

संक्षिप्त खबरें

बारिश के कारण लोगों का जन जीवन हुआ अस्त व्यस्त

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण धान की फसल को नुकसान होने का अंदेशा पैदा हो गया है। धान की फसल पानी में डूब गए हैं। वहीं दूसरी ओर लोगों के घर और बाउंड्री वाल भी गिरना शुरू हो गया है। ब्लॉक प्रांगण स्थित एसएफसी गोदाम की बाउंड्री वाल भी गिर गई है। वहीं चंदरपुर के कन्हैयालाल पंडित का मिट्टी का घर गिर गया है।भैयाडीह के सुकदेव तुरी का मिट्टी का घर भी बारिश की भेंट चढ़ गया है। सुकदेव तुरी मिट्टी में दब गए थे। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल बाहर निकल गया उन्हें हल्की छोटे आई है। नारायणपुर बाजार व बस स्टैंड मोड में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है,जिससे आवागमन में लोगों को परेशानी हो रही है।

यूपीएस आहारडीह में एसएमसी का पुनर्गठन, विजय महतो बने अध्यक्ष

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर प्रखंड के यूपीएस आहारडीह में गुरुवार को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का पुनर्गठन किया गया। पुनर्गठन प्रक्रिया में पर्यवेक्षक शिक्षक पंकज कुमार गुप्ता की मौजूदगी रही। सर्वसम्मति से विजय महतो को एसएमसी का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक फूलचंद टुडू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। नवनियुक्त अध्यक्ष विजय महतो ने कहा कि समिति ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। विद्यालय के विकास और शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

बंद कोयला खदानों के पुनर्पयोग की पहल, गिरिडीह और करमा ओसीपी पायलट परियोजना के लिए चयनित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखंड। झारखंड में बंद होने वाली कोयला खदानों के वैज्ञानिक पुनर्वास और सतत पुनर्पयोग की दिशा में राज्य सरकार ने गिरिडीह ओपन कास्ट प्रोजेक्ट और रामगढ़ जिले की करमा ओसीपी को पायलट परियोजना के रूप में चयनित किया है। इस संबंध में रांची में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में दोनों खदानों के लिए भारत सरकार को अनुशंसा भेजने पर सहमति बनी। यह पहल भारत सरकार के कोयला मंत्रालय और जर्मनी की संस्था जीआईजेड के सहयोग से संचालित टीसीसीएम परियोजना के तहत की जा रही है। बैठक में खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव अरवा राजकमल सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, जीआईजेड के प्रतिनिधि, कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड तथा सीएमपीडीआई के अधिकारी मौजूद रहे। परियोजना के तहत चयनित खदानों के लिए विस्तृत अंतिम खदान बंदी एवं पुनर्पयोग योजना तैयार की जाएगी।

इसमें खदान बंद होने के बाद भूमि, जल, पर्यावरण, आधारभूत संरचना और स्थानीय अर्थव्यवस्था के पुनर्पयोग की संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा। इसका उद्देश्य खदान बंदी को केवल खनन कार्य की समाप्ति तक सीमित न रखते हुए उन्हें पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित, सामाजिक रूप से समावेशी और आर्थिक रूप से उत्पादक परिसंपत्तियों में बदलना है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव और आधुनिक तकनीकों के आधार पर तैयार यह मॉडल भविष्य में देश के अन्य कोयला क्षेत्रों में भी लागू किया जा सकेगा। परियोजना से खनन प्रभावित क्षेत्रों में पर्यावरणीय सुधार के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। बंद खदानों की भूमि का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, कौशल विकास केंद्र और अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए किया जा सकेगा। करमा ओसीपी के पांच किलोमीटर के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले आठ गांवों–सुगिया, मरार, बोंगाबार, करमा, कैथा, कंडेर, लोढ़मा और पैंकी–को चिन्हित किया गया है। इन गांवों में सामाजिक-आर्थिक स्थिति, कमजोर वर्गों और आजीविका के अवसरों का आकलन किया जा रहा है। स्थानीय समन्वय के लिए खदान बंदी सलाहकार समिति का गठन भी किया गया है। परियोजना के तहत विस्तृत डीपीआर तैयार की जाएगी, जिसमें पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, भूमि उपयोग, जल एवं माइन वॉइड प्रबंधन तथा आधारभूत संरचना के पुनर्पयोग जैसे पहलुओं को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही उपयुक्त स्थानों पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और अन्य निवेश की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। राज्य सरकार ने इस पहल को झारखंड के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि खनिज संसाधनों के समाप्त होने के बाद भी खनन क्षेत्रों को उत्पादक बनाए रखना आवश्यक है। यह मॉडल राज्य में सतत खनन-पश्चात विकास का आधार बन सकता है। टीसीसीएम परियोजना मार्च 2030 तक संचालित होगी और इसके अनुभवों को देश की अन्य बंद हो रही कोयला खदानों में लागू करने की योजना है।

सेफ सिटी मिशन के तहत सार्वजनिक परिवहन में महिला-बाल सुरक्षा की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सेफ सिटी मिशन के अंतर्गत सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 3 सितंबर को विशेष चेकिंग, जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया गया। यह अभियान 1 सितंबर को आयोजित गोष्ठी में लिए गए निर्णयों के क्रम में संचालित किया गया। अभियान के दौरान ऑटो, ई-रिक्शा, टैक्सी, बस एवं अन्य सार्वजनिक परिवहन वाहनों की सघन चेकिंग की गई। वाहनों के दस्तावेज, परमिट, फिटनेस, नंबर प्लेट, चालक का सत्यापन तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों की जांच की गई। साथ ही वाहनों पर लगी ब्लैक फिल्म, ब्लैक बोर्ड अथवा दृश्यता प्रभावित करने वाली नियम विरुद्ध सामग्री को हटवाया गया, ताकि सार्वजनिक परिवहन में प्रभावी निगरानी के साथ महिला एवं बाल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अभियान के तहत सार्वजनिक परिवहन के चालकों एवं परिचालकों का सत्यापन भी कराया जाएगा। निर्धारित 20 बिंदुओं वाले प्रोफार्मा के माध्यम से उनका विवरण संबंधित थानों पर संकलित

कर अभिलेखों से मिलान किया जाएगा। साथ ही सीसीटीएनएस एवं डीसीआरबी के माध्यम से आपराधिक इतिहास का सत्यापन किया जाएगा। चालकों एवं परिचालकों को महिलाओं के प्रति सम्मानजनक एवं संवेदनशील व्यवहार करने, यातायात नियमों का पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित घटना की तत्काल पुलिस को सूचना देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विशेष रूप से स्कूल-कॉलेज जाने वाली छात्राओं एवं कामकाजी महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित एवं सुगम बनाने पर जोर दिया गया। चेकिंग के दौरान नियमों एवं निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार चालान एवं आवश्यक प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

बारिश से बह गई सड़क की हुई तत्काल मरम्मती, जल्द निर्माण का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- लगातार हो रही बारिश के कारण बरही प्रखंड के डपोक पंचायत अंतर्गत पिपराटांड़ गांव की सड़क बह जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही थी। ग्रामीणों की समस्या को लेकर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने प्रशासनिक पदाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। इसके बाद बीडीओ जयपाल महतो के निर्देश पर स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास की पहल से टूटी सड़क की तत्काल मिट्टी मोरम से मरम्मत कर आवागमन बहाल करने का प्रयास किया गया। वहीं, आरईओ विभाग के पदाधिकारियों ने भी स्थल निरीक्षण कर जल्द स्थायी कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया।बताया गया कि उक्त सड़क सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक मनोज कुमार यादव की अनुशंसा पर स्वीकृत हो चुकी है। सड़क निर्माण के लिए अब टेंडर की प्रक्रिया बाकी है। अधिकारियों के अनुसार जल्द ही टेंडर निकालकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।मरम्मत कार्य में पूर्व पंसस उमेश यादव, उमेश यादव, प्रकाश यादव, वीरेंद्र यादव, नरेश यादव, प्रभु यादव, अजय यादव, महादेव यादव, करुण सिंह, पुनू यादव, बद्री ठाकुर, सूरज ठाकुर सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

दुमका में पहली बार दिखेगा अनोखा गणेश! 20 फीट की बैलेंसिंग प्रतिमा बनेगी आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुमका, झारखंडः- शहर के बाँध पाड़ा में इस वर्ष गणेश उत्सव को भव्य और अनोखे अंदाज में मनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। श्री श्री 108 सार्वजनिक गणेश पूजा समिति, बाँध पाड़ा की ओर से 14, 15 और 16 सितंबर को गणेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। 17 सितंबर को भगवान श्री गणेश की भव्य प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। इस वर्ष पूजा पंडाल का मुख्य आकर्षण करीब 20 फीट ऊंची 'बैलेंसिंग थीम' पर तैयार की जा रही गणेश प्रतिमा होगी। अपने अनोखे संतुलन और आकर्षक स्वरूप के कारण यह प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच कौतूहल का विषय बनेगी। समिति के सदस्यों के अनुसार, दुमका में इस तरह की प्रतिमा पहली बार देखने को मिलेगी। समिति ने पिछले वर्ष श्रद्धालुओं से वादा किया था

कि वर्ष 2026 में गणेश उत्सव को और भव्य एवं अनोखे अंदाज में आयोजित किया जाएगा। इसी वादे को पूरा करने के लिए इस बार विशेष बैलेंसिंग थीम पर प्रतिमा तैयार कराई जा रही है। समिति के अनुसार, यह प्रतिमा पिछले वर्ष मुंबई में चर्चित रही परळचा महाराजा की बैलेंसिंग थीम से प्रेरित है।

स्थानीय कारीगर कर रहे हैं प्रतिमा का निर्माणः

इस अनोखी प्रतिमा का निर्माण दुमका के स्थानीय कारीगर भागीरथ मिस्त्री और उनके दो पुत्र बी.के. शर्मा उर्फ विक्की शर्मा एवं सी.के. शर्मा कर रहे हैं। प्रतिमा निर्माण में करीब 2.50 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है। पूजा समिति के संयोजक एवं पूजा प्रभारी सुमन कुमार शाह ने बताया कि समिति का उद्देश्य केवल पूजा का आयोजन करना नहीं, बल्कि बाँध पाड़ा के गणेश उत्सव को दुमका में एक नई पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को भगवान श्री गणेश की ऐसी भव्य और आकर्षक प्रतिमा के दर्शन कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। गणेश उत्सव को लेकर समिति के सदस्यों में भी खासा उत्साह है। आयोजन को सफल बनाने में मानस शेखर, सुमन कुमार साह, अनुज लायक, विक्की राउत, रिक्की साह, आलोक कुमार, लल्टू, आकाश कुमार शर्मा, राजा लायक, मयंक कुमार, संजय साह, विक्की कुमार, सुमित चौरसिया, सौरव भगत, अविनाश चौरसिया, सोनू सिंह, दीपक सिंह एवं रोशन कुमार समेत अन्य सदस्य जुटे हुए हैं। गणेश उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में इस बार सभी की निगाहें 20 फीट ऊंची अनोखी बैलेंसिंग गणेश प्रतिमा पर टिकी हैं, जो बाँध पाड़ा के गणेश उत्सव का प्रमुख आकर्षण बनने वाली है।

दुमका में आज से गूंजेगा 'हरे कृष्ण' का जयघोष, जन्माष्टमी पर मंदिरों में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुमका, झारखंडः- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर दुमका पूरी तरह कृष्णमय होने को तैयार है। शहर से लेकर गांव तक मंदिरों में सजावट, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 4 और 5 सितंबर को जिले के विभिन्न हिस्सों में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ मंदिरों में आरती और विशेष पूजा-अर्चना होगी। श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। शहर के प्राचीन श्री शिव गोपाल मंदिर, रसिकपुर, कुम्हारपाड़ा स्थित श्री राधे कृष्ण मंदिर समेत अन्य मंदिरों में जन्माष्टमी को लेकर विशेष आयोजन होंगे। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। भजन-कीर्तन और झांकी के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का दर्शन

कराया जाएगा।

इस्कॉन में दो दिन चलेगा कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सवः

इस्कॉन दुमका की ओर से 4 और 5 सितंबर को श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। 4 सितंबर की सुबह नौ बजे शोभायात्रा एवं नगर संकीर्तन निकलेगा। दोपहर 12:30 बजे भोग आरती और कीर्तन होगा। बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता समेत कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। रात आठ बजे से कीर्तन मेला, महा अभिषेक और प्रसाद वितरण होगा। 5 सितंबर को प्रभुपाद ग्लोरिफिकेशन, कथा-कीर्तन और प्रसाद वितरण सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

महुआडंगाल में निकलेगी कलश यात्रा, होगी कृष्ण लीलाः

प्रांतीय यादव महासभा झारखंड, जिला दुमका की ओर से महुआडंगाल में दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव आयोजित किया जा रहा है। जहाँ आज सुबह नौ बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। रात आठ बजे से भव्य श्रीकृष्ण लीला का आयोजन होगा। मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पूजन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा। कल 5 सितंबर को सुबह आरती एवं कलश विसर्जन होगा। पूजा पंडाल में प्रसाद वितरण के साथ दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक महाप्रसाद ग्रहण का कार्यक्रम होगा।

धधकिया से कुल्हड़ियां तक कृष्ण भक्ति की धूमः

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जन्माष्टमी को लेकर खासा उत्साह है। धधकिया गांव स्थित राधे कृष्ण मंदिर और सतन आश्रम में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम होंगे। वहीं, मसलिया रोड स्थित कुल्हड़ियां गांव (नोनी हथवारी के समीप) तथा रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित कुल्हड़ियां गांव के श्री राधे कृष्ण मंदिर में भी जन्माष्टमी पर विशेष आयोजन किए जाएंगे। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में होने वाले भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा इलाका भक्तिमय होने की उम्मीद है। श्रद्धालु मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साक्षी बनने के लिए मंदिरों में पहुंचेंगे।

पड़रिया बारेताम जंगल में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध सामग्री जब्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- चौपारण प्रखंड अंतर्गत पड़रिया के बारेताम जंगल में अवैध रूप से वन भूमि पर कब्जा कर झाड़ियों की कटाई करने के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की।इस कार्रवाई के बाद अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार कुछ लोगों द्वारा जंगल की झाड़ियों और छोटे पौधों की अंधाधुंध सफाई कर वन भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है। धीरे-धीरे जंगल के एक बड़े हिस्से की सफाई कर उसे निजी उपयोग में लेने की तैयारी की जा रही है। इससे न केवल वन संपदा को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि वन्य जीवों के आश्रय पर भी संकट मंडरा रहा है। DFO मौन प्रकाश द्वारा मामले का संज्ञान लेने के बाद विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई

करते हुए उपरोक्त स्थल से सामग्री को जब्त करते हुए संबंधित व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, पिछले कई दिनों से कुछ लोगों द्वारा जंगल की झाड़ियों को काटकर वन भूमि को समतल कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। DFO के निर्देश पर वनपाल और वनरक्षी की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान मौके पर काटी गई झाड़ियों, लकड़ियों और अतिक्रमण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री को जब्त किया गया है। वन विभाग के वनपाल अमन कुमार ने बताया कि यह वन अधिनियम की धारा के तहत गंभीर अपराध है। जब्त सामग्री को विभागीय परिसर में लाया गया है और जिन लोगों ने यह अतिक्रमण किया है, उनकी पहचान कर ली गई है। सभी के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत स्न्ढ्ढक्रदर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीएओ मौन प्रकाश ने कहा कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। आम नागरिकों और ग्रामीणों से अपील करता हूँ कि वन संपदा हमारी अमूल्य धरोहर है, इसकी सुरक्षा में विभाग का सहयोग करें। इस तरह की कोई भी गतिविधि दिखे तो सीधे वन विभाग को सूचना दें।

दुमका में 4 से 6 सितंबर तक होगा कराटे प्रीमियर लीग का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुमका, झारखंडः- जिले में इंडोर खेलों को बढ़ावा देने और स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कराटे प्रीमियर लीग 2026 का आयोजन किया जा रहा है। दुमका जिला कराटे एसोसिएशन की ओर से 4 से 6 सितंबर तक सिदो-कान्हू इंडोर स्टेडियम में तीन दिवसीय कराटे प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता को प्रो बरदा चरण मिश्रा कराटे प्रीमियर लीग के नाम से आयोजित किया जा रहा है। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से खिलाड़ी और टीमें हिस्सा लेंगी। तीन दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले में कराटे खेल को प्रोत्साहित करना तथा उभरते हुए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। आयोजकों ने खेलप्रेमियों से सिदो-कान्हू इंडोर स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

11 से 13 सितंबर तक कराटे चैंपियनशिपः

वहीं, इंडोर स्पोर्ट्स के तहत 11 से 13 सितंबर तक स्व. बिमल भूषण गुहा उर्फ बाबू दा मेमोरियल दुमका जिला वार्षिक कराटे चैंपियनशिप 2026 का आयोजन भी सिदो-कान्हू इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। इसका आयोजन जिला स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं दुमका जिला कराटे एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। लगातार दो प्रतियोगिताओं के आयोजन से जिले के कराटे खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव मिलने के साथ-साथ अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का अवसर मिलेगा।

बच्चों की पढ़ाई से लेकर सुरक्षा और मध्याह्न भोजन तक, उपायुक्त ने विद्यालय का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंडः- उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा प्राथमिक विद्यालय दुर्गास्थान, रसिकपुर, दुमका सदर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने विद्यालय परिसर में बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से तार से की गई बाउंड्री का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन करते हुए आवश्यक पहलुओं की जानकारी ली तथा बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने विद्यालय में उपस्थित बच्चों से बातचीत की। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई एवं विद्यालय में होने वाले पठन-पाठन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने बच्चों से विभिन्न विषयों से संबंधित सवाल भी पूछे, जिनका बच्चों ने उत्साहपूर्वक जवाब दिया। उपायुक्त ने

बच्चों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए विद्यालय में पठन-पाठन की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए भी प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय में बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन की व्यवस्था एवं बच्चों को परोसे जा रहे भोजन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बच्चों को निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के अनुरूप मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो सके। उपायुक्त ने विद्यालय की व्यवस्थाओं पर निरंतर ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए विद्यालय में बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाए। बच्चों की सुविधा और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय की व्यवस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण एवं समीक्षा भी की जाए।

चौपारण में लग रहे जाम पर भड़के विधायक, दिया अल्टीमेटम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- जीटी रोड स्थित महूदी में आए दिन लग रहे भीषण सड़क जाम से आम जनता को राहत दिलाने के लिए बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों और राहगीरों से बातचीत कर जाम के मुख्य कारणों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही के कारण रोजाना जाम की स्थिति पैदा हो रही है। जीटी रोड पर बने बड़े-बड़े गड्ढों और बदहाल सर्विस रोड के कारण प्रतिदिन सैकड़ों गाड़ियां घंटों फंसी रहती हैं। जाम के कारण स्कूली बच्चों को समय पर स्कूल पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है, वहीं मरीज को ले जा रही एम्बुलेंस और यात्री बसें भी जाम का शिकार बन रही हैं। मौके पर सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया पप्पू रजक, भाजपा नेता विकास यादव, जानकी यादव, मनोज मिश्रा, अशोक केशरी, आनंद सागर और अजय राणा, दिलीप सिंह, मंटू सिंह, दया सिंह, प्रमोद सिंह, मुकेश रजक सहित कई लोग उपस्थित रहे।

काम बंद करवाकर कंपनी को भगा देंगे : विधायक

जनता की समस्याएं सुनने के बाद विधाय ने सड़क निर्माण कंपनी और एनएचएआई के अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया। विधायक ने कड़े शब्दों में कहा, यदि एक सप्ताह के अंदर सड़क के गड्ढों को भरकर सर्विस रोड को दुरुस्त नहीं किया गया और जाम की समस्या में सुधार नहीं हुआ, तो सड़क निर्माण कार्य पूरी तरह से बंद करवा दिया जाएगा और कंपनी को यहां से भगा दिया जाएगा। विधायक ने मौके पर ही अधिकारियों को अविलंब गड्ढों की भराई करने और सर्विस रोड की मरम्मत शुरू करने के निर्देश दिए ताकि आवागमन सुचारू हो सके।

दुष्कर्म मामले में इंसाफ के लिए अकाली दल ने खोला मोर्चा, राज्यपाल से मिले सुखबीर बादल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। दुष्कर्म मामले में पीड़िताओं को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी प्रधान सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में अकाली दल के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और पूरे मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ अकाली नेता विक्रम सिंह मजीठिया, डा दलजीत कौर की माता समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सुखबीर बादल ने आरोप लगाया कि दुष्कर्म के गंभीर मामले में आरोपित को बचाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी और पंजाब पुलिस के कई अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि पीड़िताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई और न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान भी दर्ज करवाए, इसके बावजूद आरोपित को कथित तौर पर राहत दिलाने का प्रयास किया गया।

सबूत के लिए सौंपी ऑडियो रिकार्डिंग

बादल ने आरोप लगाया कि मामले को खत्म करने के लिए कथित तौर पर बड़ी रकम की मांग की गई। उन्होंने कहा कि उनके पास इस संबंध में केवल मौखिक आरोप नहीं हैं, बल्कि नए सबूत के तौर पर ऑडियो रिकार्डिंग और अदालत का आदेश भी मौजूद है। उन्होंने पत्रकारों के सामने इन सबूतों का हवाला देते हुए कहा कि इनसे पूरे मामले की परतें खुल सकती हैं। उन्होंने कहा कि जांच का दायरा केवल दुष्कर्म के आरोपित तक सीमित नहीं होना चाहिए। जिन लोगों ने कथित तौर पर आरोपित को बचाने में मदद की, जिन अधिकारियों ने कार्रवाई की और जिन लोगों पर पैसे लेने के आरोप हैं, उनकी भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। बादल ने कहा कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

राज्यपाल से तत्काल हस्तक्षेप की अपील

सुखबीर बादल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि पंजाब सरकार के स्तर पर मामले को दबाने के बजाय स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी से जांच कराई जाए, ताकि पीड़िताओं को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि मामला बेहद गंभीर है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

हरसिमरत बादल के नेतृत्व में पांच सितंबर से प्रदर्शन

अकाली दल ने घोषणा की कि पीड़िताओं को न्याय दिलाने की मांग को लेकर पांच सितंबर से आंदोलन शुरू किया जाएगा। हरसिमरत कौर बादल के नेतृत्व में अकाली दल की स्त्री विंग की महिलाएं मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करेंगी। पार्टी के अनुसार पंजाबभर से बड़ी संख्या में महिलाएं प्रदर्शन में शामिल होंगी। इसके बाद जिला और विधानसभा हलका स्तर पर भी कार्यक्रम किए जाएंगे। सुखबीर बादल ने स्पष्ट किया कि पीड़िताओं को इंसाफ मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस जल्द शुरू होने की संभावना, ट्रैक पैकिंग का काम जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः न्यू हरांगाजाओ में प्राकृतिक आपदा के कारण क्षतिग्रस्त हुई रेल लाइन नंबर-2 को फिर से चालू करने के लिए रेलवे की ओर से युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। दिन-रात एक कर रेलवे कर्मचारी अत्याधुनिक मशीनों और उपकरणों की मदद से मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। क्षतिग्रस्त रेल लाइन पर नई पटरी बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है, जबकि फिलहाल ट्रैक पैकिंग का महत्वपूर्ण कार्य जारी है। बताया गया है कि भारी बारिश के बावजूद 2 सितंबर की देर रात तक रेलवे कर्मचारी मौके पर लगातार काम करते रहे। रेलवे प्रशासन का प्रयास है कि क्षतिग्रस्त लाइन को जल्द से जल्द यात्री सेवा के लिए बहाल किया जाए। ट्रैक पैकिंग का काम पूरा होने के बाद लाइन की आवश्यक तकनीकी जांच, परीक्षण और अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। इसके बाद रेल परिचालन दोबारा शुरू करने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। प्राकृतिक आपदा के कारण रेल यातायात प्रभावित होने के बावजूद स्थिति को जल्द सामान्य करने के लिए रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी लगातार मैदान में जुटे हैं। न्यू हरांगाजाओ की लाइन नंबर-2 के फिर से चालू होने से रेल सेवाओं को सामान्य करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। लाइन के पूरी तरह बहाल होने के बाद वर्तमान में रद्द की गई ट्रेनों को भी चरणबद्ध तरीके से दोबारा चलाने की पहल किए जाने की संभावना है। ऐसे में दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस के भी जल्द पुनः परिचालन शुरू होने की उम्मीद जगी है। हालांकि, ट्रेन सेवा की बहाली आवश्यक परीक्षण और रेलवे की अंतिम अनुमति के बाद ही सुनिश्चित होगी। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेलवे अधिकारी और कर्मचारी लगातार दिन-रात काम कर रहे हैं। रेल लाइन के पुनर्निर्माण का कार्य अंतिम चरण में पहुंचने से दुल्लभछड़ा समेत आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों में भी रेल सेवा जल्द सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है।

संक्षिप्त खबरें

निर्धन महिला ने सरकारी मदद की माँग की

कोंच(जालौन)– गांवों में भूमिहीन, निर्धन लोगों को पीएम और सीएम आवास योजना से लेकर अन्य तमाम जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाए जाने का कितना भी ढिंढोरा पीटा जाए, हकीकत में अभी भी गांवों में ऐसे पात्र लोग नजर आ रहे हैं जो सरकारी इमदाद की आस में शासन प्रशासन का मुंह ताक रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नदीगांव विकास खंड की ग्राम पंचायत तीतरा में देखने को मिल रहा है जहां की रहने वाली एक निर्धन विधवा महिला ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर आवास योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाए जाने की गुहार लगाई है। महिला कल्पना पत्नी स्व. शिवकुमार ने गुरुवार को एसडीएम कार्यालय में शिकायती पत्र देकर बताया कि उसके पति की कैंसर की बीमारी के चलते बीती एक सितम्बर को मौत हो गई है। वह भूमिहीन है और उसके तीन नाबालिग बेटियां और एक बेटा है, परिवार के साथ रहने के लिए उसके पास कोई पक्का घर नहीं है और मजबूरन वह जीर्ण शीर्ण हालत में कच्चे घर के ऊपर प्लास्टिक की पॉलीथिन डालकर बारिश के मौसम में रह रही है। उसने मजदूरी कर जो थोड़े बहुत रुपए जमा किए थे वह अब पति की बीमारी में खर्च हो चुके हैं लेकिन अभी तक उसे कोई सरकारी स्तर पर मदद नहीं मिल सकी है।

उत्तरी दिल्ली में सड़कों और फुटपाथों से हटाए गए अवैध कब्जे, 1500 से अधिक चालान काटे

नई दिल्ली। याताया पुलिस के उत्तरी रेंज द्वारा सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए दो सितंबर को एक दिन का विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सड़कों और फुटपाथों से अवैध कब्जे हटाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करना, पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और व्यस्त मार्गों पर लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाना था। डीसीपी ट्रैफिक डा. सचिन कुमार सिंघल का कहना है कि बुधवार को उत्तरी रेंज के सभी ट्रैफिक सर्किलों में सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जे को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि अतिक्रमण ही यातायात जाम और दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनता है।

खन्ना में जन्माष्टमी को लेकर एसएसपी डा. दर्पण आहलूवालिया ने की विशेष बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना/लुधियाना– आगामी जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से मनाने के लिए खन्ना पुलिस की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। इसी के तहत एसएसपी खन्ना डा. दर्पण आहलूवालिया ने खन्ना पुलिस के सभी जीओज और जिला खन्ना के विभिन्न मंदिरों की प्रबंधक कमेटियों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक की।बैठक के दौरान एसएसपी डा. दर्पण आहलूवालिया ने जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पहले से ही सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं।बैठक में मंदिरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, पुलिस कर्मचारियों की तैनाती, यातायात को सुचारू बनाए रखने, भीड़ को नियंत्रित करने और पार्किंग के उचित प्रबंधों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा मंदिरों में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, मुख्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई।एसएसपी डा. दर्पण आहलूवालिया ने कहा कि धार्मिक त्योहार लोगों की आस्था से जुड़े होते हैं और ऐसे अवसरों पर पुलिस की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। जन्माष्टमी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को मंदिर प्रबंधक कमेटियों के साथ लगातार तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके।उन्होंने मंदिर प्रबंधक कमेटियों के प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस का सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।खन्ना पुलिस ने जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न करवाने के लिए हर संभव प्रबंध करने का भरोसा दिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्रमुख जिम्मेदारी है।

नीमा संघ के अध्यक्ष बने डॉ. दिनेश उदैनिया

कोंच (जालौन)। नीमा की बैठक में बुधवार रात डॉ. दिनेश उदैनिया को कोंच नीमा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुशील तिवारी की अध्यक्षता में नीमा भवन में हुई। सर्वसम्मति से डॉ. केशव निरंजन को उपाध्यक्ष, डॉ. अभिषेक निरंजन को महासचिव, प्रदीप अग्रवाल को कोषाध्यक्ष और डॉ. विकास सिंह राठौर को सहसचिव चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकारिणी का उद्देश्य चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाना, चिकित्सकों के हितों की रक्षा करना तथा आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे।

अधिवक्ता प्रियंका गौतम को एमसीडी विधि समिति की अध्यक्ष की जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की विधि समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी घड़ोली वार्ड-194 की निगम पार्षद और अधिवक्ता प्रियंका गौतम को सौंपी गई है। प्रियंका गौतम भारतीय जनता पार्टी की निगम पार्षद हैं। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के साथ ही अब वह निगम की महत्वपूर्ण समितियों में शामिल विधि समिति के कामकाज का नेतृत्व करेंगी।प्रियंका गौतम पेशे से अधिवक्ता हैं और घड़ोली वार्ड-194 से निगम पार्षद के रूप में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। विधि समिति निगम से जुड़े कानूनी मामलों, विधिक विषयों और विभिन्न प्रस्तावों से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श करने वाली प्रमुख समितियों में से एक है। ऐसे में समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका निगम के विभिन्न कानूनी मामलों से जुड़े विषयों में महत्वपूर्ण रहेगी।अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रियंका गौतम को भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं, समर्थकों और परिचितों की ओर से बधाई दी गई। उनकी नियुक्ति को उनके लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। अधिवक्ता के रूप में उनकी पेशेवर पृष्ठभूमि को देखते हुए विधिक विषयों से जुड़े समिति के कामकाज में उनके अनुभव के उपयोगी रहने की उम्मीद है। अब विधि समिति के अध्यक्ष के रूप में प्रियंका गौतम समिति की बैठकों और संबंधित कार्यवाही का नेतृत्व करेंगी। उनके सामने निगम के विभिन्न कानूनी मामलों पर विचार-विमर्श करने, संबंधित विषयों पर समिति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और समिति के कामकाज को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी होगी।

एसआईआर-2026 की प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष ढंग से पूरी करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मालेरकोटला। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरा करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब द्वारा आईएएस अधिकारी गुरप्रीत सिंह खैहरा को मालेरकोटला जिले का रोल ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। जिले के अपने पहले दौरे पर उन्होंने उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन अधिकारी विराज एस. तिड़के, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), 105-मालेरकोटला व 106-अमरगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के लोक प्रतिनिधियों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में रोल ऑब्जर्वर ने एसआईआर-2026 के नोटिस चरण, प्राप्त दावों एवं आपत्तियों, उनके निस्तारण तथा मतदाता सूचियों के सत्यापन के संबंध में अब तक की कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनरीक्षण का उद्देश्य शुद्ध, सही और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे और किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि 6 सितंबर 2026 को जिले के सभी 406 मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को इन शिविरों की जानकारी देने की अपील की। शिविर के दौरान सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) संबंधित मतदान केंद्रों पर मौजूद रहकर मतदाताओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएंगे। खैहरा ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र, मतदाता सेवाओं अथवा एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित जानकारी और सहायता के लिए जिला एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर स्थापित हेल्पडेस्क के अलावा मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 13 से 31 अगस्त 2026 तक विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में फॉर्म-6, फॉर्म-6ए, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 प्राप्त हुए हैं।

सीनियर डिप्टी मेयर पराशर ने सफाई अभियान का किया नेतृत्व

फॉगिंग सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– 'मिशन क्लीन पंजाब' के दूसरे चरण के तहत आगे बढ़ते हुए सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने बुधवार को गुरुद्वारा दुखनिवारण साहिब रोड पर सफाई अभियान का नेतृत्व किया। शहर में बारिश के चलते सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने निवासियों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए फॉगिंग सुनिश्चित करने के भी सख्त निर्देश जारी किए। नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा के अधिकारियों के साथ सीनियर डिप्टी मेयर पराशर ने फील्ड स्टाफ को सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पराशर ने अधिकारियों को सफाई सेवकों की हाजिरी की नियमित रूप से जांच करने और कूड़े की नियमित लिफ्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीनियर डिप्टी मेयर पराशर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में काम करते हुए शहर में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पराशर ने आगे कहा कि वह जमीनी स्तर पर हालात सुधारने के लिए फील्ड निरीक्षण कर रहे हैं। जहां भी जरूरत हो, सुधार के लिए निवासियों से फीडबैक भी लिया जा रहा है।

कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलेज में मनाई जन्माष्टमी

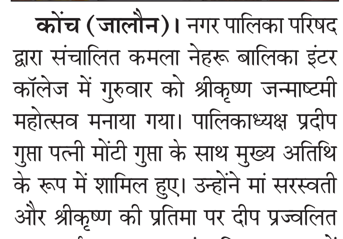

कोंच (जालौन)। नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलेज में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता पत्नी मोंटी गुप्ता के साथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मां सरस्वती और श्रीकृष्ण की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं ने श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान छात्राओं ने पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ी। पालिकाध्यक्ष ने छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। प्रधानाचार्या डॉ. प्रतिमा सिंह ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

एनसीसी 3 पंजाब बटालियन ने गवर्नमेंट कॉलेज में लगाया ब्लड डोनेशन कैंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– पंजाब गर्ल्स बटालियन एनसीसी, लुधियाना, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय लुधियाना के अंतर्गत, ने सरकारी महिला कॉलेज, लुधियाना में गुरु नानक ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस आयोजन ने एनसीसी के सामुदायिक सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण को पुनः स्थापित किया। शिविर में कॉलेज समुदाय के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनभर चले इस अभियान में कुल 45 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसमें एनसीसी कैडेट्स, कॉलेज छात्राएँ, कॉम्बैटेंट्स और सिविल स्टाफ सदस्यों का योगदान रहा। कमांडिंग ऑफिसर और स्टाफ ने कैडेट्स की अनुशासित संगठन क्षमता और कर्तव्य भावना की सराहना की। रक्तदाताओं को प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जो जीवन बचाने में उनके निस्वार्थ योगदान का प्रतीक थे। कार्यक्रम स्थल एनसीसी के आदर्श वाक्य 'एकता और अनुशासन' से गूंज उठा, जब कैडेट्स ने खाकी वर्दी और हरे बेरेट पहनकर मेडिकल टीमों की सहायता की और सहपाठियों को इस पुण्य कार्य में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। शिविर का समापन सभी दाताओं और स्वयंसेवकों के प्रति हार्दिक आभार के साथ हुआ, जो सामाजिक कल्याण और जनस्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने में बटालियन के निरंतर प्रयासों का एक और मील का पत्थर साबित हुआ।

पायल में 'सखी सम्मान समारोह', 1200 से अधिक सखियों ने लिया हिस्सा

ग्यासपुरा बोले- मान सरकार की नीतियों से बदल रहा महिलाओं का जीवन स्तर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पायल/लुधियाना। हलका पायल में आयोजित 'सखी सम्मान समारोह' में पंजाब की भगवंत सिंह मान सरकार की महिला हितैषी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना की गई। समारोह में 1200 से अधिक सखियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य 'मावां-धियां सत्कारयोग्य योजना' को घर-घर तक पहुंचाने में सखियों की भूमिका के लिए उनका सम्मान करना था। समारोह को संबोधित करते हुए पायल के विधायक इंजीनियर मनविंदर सिंह ग्यासपुरा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने जनता से किए वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की महिला हितैषी योजनाओं से पंजाब में महिलाओं का जीवन स्तर बदल रहा है और वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। ग्यासपुरा ने बताया कि सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से तीन माह की 3000 रुपये की राशि, जबकि अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से तीन माह की 4500 रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि यह सहायता आगे भी जारी रहेगी। समारोह में शामिल लुधियाना नगर निगम की मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने सखियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सखियों ने घर-घर जाकर महिलाओं का पंजीकरण कराया, जिसके चलते लाभार्थियों के खातों में सीधे राशि पहुंच सकी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को राजनीति और समाज में आगे बढ़ने का अवसर दिया है। सखियों की मेहनत और समारोह में उमड़ी भीड़ का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 में पंजाब में एक बार फिर आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। समारोह के अंत में सखियों ने सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मॉडल विलेज कृष्णनगर में केबल लाइन की वर्षों पुरानी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में दुल्लभछड़ा के समीप दरगारबंद जीपी के अंतर्गत मॉडल विलेज कृष्णनगर के ग्रामीण लंबे समय से बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि क्षेत्र में पुरानी बिजली की तारों को हटाकर केबल लाइन के माध्यम से बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में बड़ी संख्या में बांस के झुरमुट और पेड़-पौधे हैं। इसके कारण थोड़ी सी हवा, आंधी या बारिश होते ही बिजली की लाइन में खराबी आ जाती है। बार-बार फ्यूज उड़ने और बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, गांव के कई स्थानों पर बिजली के तार काफी नीचे तक झूल रहे हैं और कई जगह ये लोगों के हाथ की पहुंच के करीब हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का दावा है कि इस समस्या की जानकारी बिजली विभाग के कर्मचारियों को कई बार दी गई, लेकिन अभी तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। उनके अनुसार, पुराने बिजली के तार अक्सर पेड़-पौधों और बांस की डालियों के संपर्क में आ जाते हैं। हल्की हवा चलने पर भी लाइन में तकनीकी खराबी आ जाती है, जिससे 440 वोल्ट की बिजली लाइन प्रभावित होने के कारण पूरे गांव की बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई, घरेलू कार्यों और अन्य जरूरी कामों पर भी असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मॉडल विलेज कृष्णनगर में केबल लाइन के माध्यम से बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा तथा एपीडीसीएल के दुल्लभछड़ा कार्यालय के संबंधित एसडीओ का ध्यान आकर्षित करते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि केबल लाइन की व्यवस्था होने से बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या के साथ-साथ नीचे झूल रहे तारों से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं का खतरा भी कम होगा।

झांसी वर्कशॉप ने कोच के लिए तैयार किए ज़्यादा क्षमता वाले डस्टबिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। रेल यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा, कोच केबिन में स्वच्छता तथा रेल पटरियों को स्वच्छ रखने की दिशा में वैगन मरम्मत कारखाना, झांसी ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। झांसी कारखाने ने एलएचबी कोचों के लिए उच्च क्षमता वाली संशोधित कचरा निपटान प्रणाली का सफल प्रोटोटाइप तैयार किया है।

पारंपरिक व्यवस्था की सीमा और नवाचार की आवश्यकता

वर्तमान में एलएचबी कोचों में केबिन स्तर पर केवल दो डस्टबिन उपलब्ध होते हैं, जिसमे प्रत्येक की कुल क्षमता लगभग 15-20 लीटर ही होती है। लंबी दूरी की यात्राओं के दौरान कचरा अधिक एकत्र होने के कारण ये डस्टबिन शीघ्र भर जाते हैं, जिससे केबिन में कचरा फैलने लगता है और यात्रियों को असुविधा होती है।

प्रणाली की संरचना एवं कार्यप्रणाली

इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु झांसी कारखाने ने तीन प्रमुख घटकों को एकीकृत किया हैः 1.गारबेज ड्रॉप बॉक्सः यात्रियों की सुलभ पहुंच के लिए कोच के फर्श पर सुरक्षित रूप से स्थापित। 2.
सेंट्रल कनेक्टर (संबद्धक): केबिन फ्लोर और अंडरगियर के बीच स्थापित, जो कोच की मूल संरचना को प्रभावित किए बिना कचरे को नीचे भेजता है। 3.गारबेज कलेक्टर (संग्राहक): ट्रेन के निचले ढांचे (अंडरगियर) में सुरक्षित रूप से स्थापित स्टेनलेस स्टील संग्रह टैंक। गुरुत्वाकर्षण पर आधारित इस प्रणाली में कचरा डालते ही वह तुरंत सीधे अंडरकलेक्टर में चला जाता है, जिससे केबिन में बदबू और गंदगी की संभावना समाप्त हो जाती है।

प्रमुख विशेषताएं एवं लाभः

क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धिः कचरा भंडारण क्षमता 18 लीटर से बढ़कर 367.4 लीटर (20 गुना से अधिक) हो गई है।

आसान सफाई और निष्कासनः संग्राहक टैंक में विशेष 3:10 टेपर डिज़ाइन दिया गया है, जिससे गंतव्य/डिपो पर कचरे को तेजी से और आसानी से निकाला जा सकता है। उत्कृष्ट स्वच्छताः ड्रॉप बॉक्स और कलेक्टर दोनों की दो-तरफा धुलाई और सैनिटाइजेशन की सुविधा। बार-बार खाली करने से मुक्तिः लंबी यात्राओं के दौरान डस्टबिन को बार-बार खाली करने की आवश्यकता समाप्त होग। झांसी कारखाने द्वारा इस प्रणाली को एक प्रोटोटाइप एलएचबी कोच में सफलतापूर्वक स्थापित कर लिया गया है। इस नवाचार को औपचारिक निरीक्षण हेतु अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (RDSO) को प्रस्तुत किया गया है। आरडीएसओ के निरीक्षण एवं सुझावों के उपरांत इसे भारतीय रेल के एलएचबी कोचों में व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा।

अनधिकृत रूप से रेलवे ट्रैक पार करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान जारी

जनवरी 2026 से 31 अगस्त 2026 तक 1070 लोग गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा तथा ट्रेनों के सुचारू एवं समयबद्ध संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक को अनधिकृत रूप से पार करने (ट्रेसपासिंग) वालों के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ट्रैक पार करना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह व्यक्ति के जीवन के लिए भी अत्यंत जोखिमपूर्ण है। इसके कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ने के साथ-साथ रेल परिचालन भी प्रभावित होता है। रेलवे अधिनियम के अनुसार बिना अनुमति रेलवे ट्रैक पार करना दंडनीय अपराध है। इस अपराध के लिए ?500 जुर्माने का प्रावधान है एवं जुर्माना न भरने पर सक्षम न्यायालय से तीन महीने तक की कैद या पांच हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों लगाये जा सकते हैं । इसी क्रम में प्रयागराज मंडल में

01 जनवरी 2026 से 31 अगस्त 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 1070 व्यक्तियों को ट्रेसपासिंग के आरोप में गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई। रेल प्रशासन यात्रियों एवं आमजन से अपील करता है कि वे किसी भी परिस्थिति में रेलवे ट्रैक पार न करें तथा एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए केवल फुट ओवर ब्रिज, सबवे अथवा निर्धारित सुरक्षित मार्गों का ही उपयोग करें। थोड़ी सी जल्दबाजी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर, चार घायल

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। लिप्टन कंपनी के सामने मेवालाल की बगिया की ओर जा रही सवारियों से भरी एक ऑटो को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार

ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 4 लोग घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, ऑटो में 7 से 8 सवारियां बैठी थीं और वह नैनी से मेवालाल की बगिया की ओर जा रही थी। जैसे ही ऑटो लिप्टन कंपनी के सामने पहुंची, पीछे से आए अनियंत्रित ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो सड़क पर पलट गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।हादसे में ऑटो में सवार कई लोग घायल हो गए, जिनमें से दो को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 112 और एंबुलेंस को सूचना दी। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी करछना सीएचसी भेजा गया है।हालांकि नैनी चौकी इंचार्ज ने बताया की किसी को कोई चोट नहीं आई दोनों पक्ष आपस में समझौता कर अपने अपने घर चले गये।

फुलपुर पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार।

ब्यूरो प्रयागराज । फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम नंदौत निवासी गुलाब चंद बिंद पुत्र रामवृक्ष बिंद द्वारा थाना फूलपुर पर तहरीर दी गई कि दिनांक-12.08.2026 को विकास बिंद पुत्र संतलाल बिंद निवासी ग्राम नंदौत थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा उनकी नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा लिया गया है, गुलाब चंद बिंद उपरोक्त द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना फूलपुर पर मु0अ0सं0-264/2026 धारा-87/137(2) भा0न्या0सं0 बनाम विकास कुमार बिंद उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत कर अभियुक्त की गिरफ्तारी व पीड़िता की बरामदगी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया । सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विकास बिंद पुत्र संतलाल बिंद निवासी ग्राम नंदौत थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-03.09.2026 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत कुसेहटा मोड़ से मुबारकपुर जाने वाले मुख्य मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया । पीड़िता के बयान व साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-64(2)(द्व) भा0न्या0सं0 व 5ञ6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

बाघ और तेंदुओं की चहलकदमी से दहशत

पूरनपुर (पीलीभीत)। आबादी क्षेत्र के करीब बाघ और तेंदुए की चहलकदमी को लेकर ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। खेत मे बाघ दिखने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भय के कारण ग्रामीण खेतों का रुख करने से बच रहे हैं। ग्रामीण वन विभाग से बाघ और तेंदुए को पकड़कर जंगल मे छुड़वाने की मांग कर रहे हैं। तहसील क्षेत्र में बाघ और तेंदुओं की लगातार चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। आए दिन अलग-अलग स्थानों पर वन्यजीवों के दिखाई देने की सूचनाएं सामने आ रही हैं। कभी आबादी क्षेत्र के समीप स्थित पिपरिया दुलई गांव के पास तेंदुए की चहलकदमी देखे जाने की बात सामने आती है तो कभी चीनी मिल क्षेत्र और कजरी निरंजनपुर स्थित गौशाला के आसपास वन्यजीव दिखाई देने की चर्चाएं होती हैं।

जमीनी विवाद में मार-पीट कर लूट का प्रयास करने वाला 1 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से कुल 48,000/- रूपये व घटना में प्रयुक्त 01 चाकू व अन्य सामान बराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम देवराज का पूरा निवासी परमानन्द मिश्र पुत्र स्व0 उमाशंकर मिश्र दिनांक 31.08.2026 की शाम थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत नेवादा स्थित 'बैंक ऑफ बड़ौदा' जनसेवा केंद्र पर कार्य कर रहे थे कि इसी दौरान जनसेवा केन्द्र संचालक के चचेरे भाई अभियुक्त पीयूष मिश्र पुत्र रमाशंकर मिश्र जनसेवा केंद्र में घुसकर मुकदमा वादी (पीड़ित) से कहासुनी तथा मार-पीट करते हुए जनसेवा केंद्र में रखे लगभग ?48,000 लूटने का प्रयास किया। थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त पीयूष मिश्रा को पुलिस हिरासत में लेकर प्रकरण में मुकदमा वादी परमानन्द मिश्र द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर दिनांक-01.09.2026 को मु0अ0सं0-113/2026 धारा-309(2)/317(2) भा0न्या0सं0 पंजीकृत किया गया । संबंधित अभियुक्त पीयूष मिश्रा पुत्र रमाशंकर मिश्रा निवासी देवराज का पूरा थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 01.09.2026 को गिरफ्तार किया गया । उपरोक्त अभियुक्त के कब्जे से कुल 48,000/- रूपये, घटना में प्रयुक्त 01 चाकू व अन्य सामान बरामद कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी

थाना थरवई पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार।

थरवई क्षेत्रान्तर्गत ग्राम थानापुर निवासी विजय कुमार पुत्र शंकर लाल द्वारा थाना थरवई पर तहरीर दी गई कि दिनांक-31.08.2026 को दीपक कुमार पुत्र चंचल निवासी ग्राम ढोकरी सैदाबाद थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा उनकी नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा लिया गया है, विजय कुमार उपरोक्त द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना थरवई पर मु0अ0सं0-221/2026 धारा-87/137(2) भा0न्या0सं0 बनाम दीपक कुमार उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत कर अभियुक्त की गिरफ्तारी व पीड़िता की बरामदगी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया । सम्बन्धित वांछित अभियुक्त दीपक कुमार पुत्र चंचल निवासी बमइला सैदाबाद थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, हाल पता ग्राम ढोकरी सैदाबाद थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना थरवई पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-03.09.2026 को थाना थरवई क्षेत्रान्तर्गत कानपुर वाराणसी हाइवे स्थित थानापुर अण्डरपास के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

चंदिया हजारा प्रधान ने मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव व आस-पास की मूलभूत समस्याओं को लेकर ग्राम प्रधान ने विधायक को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कई मांगे रखी गई है। बताया जाता है कि विधायक ने शासन स्तर पर मामलें को उठाते हुये समस्त समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है। 129, विधानसभा क्षेत्र के गांव चंदिया हजारा के ग्राम प्रधान ने गुरुवार सुबह क्षेत्र की विभिन्न मूलभूत समस्याओं को लेकर भाजपा विधायक बाबूराम पासवान को ज्ञापन सौंपा। प्रधान ने बाढ़ और भू-कटान की समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए ठोस परियोजना तैयार कराने की मांग प्रमुखता से उठाई। ज्ञापन में बांग्ला भाषी लोगों की जातीय अधिसूचना, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही दिक्कतों के समाधान, हरिपुर जंगल क्षेत्र से गुजरने वाली विद्युत

लाइन को भूमिगत करने अथवा 11 हजार वोल्ट की सुरक्षित केविल लाइन बिछाने की मांग की गई। इसके अलावा चंदिया हजारा के पुनर्वासित परिवारों को शीघ्र भूमिधरी अधिकार दिलाने का मुद्दा भी उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल के साथ विधायक ने विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। बताया गया कि विधायक ने बाढ़ एवं भू-कटान के संबंध में बाढ़ खंड के एक्सईएन से तत्काल वार्ता की। वहीं विद्युत व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों से बातचीत करते हुए रुद्रपुर फीडर से क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति देने तथा जंगल क्षेत्र से गुजरने वाली लाइन के लिए भूमिगत केविल परियोजना तैयार करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। विधायक ने मामलों को शासन स्तर पर उठाकर शीघ्र निस्तारण कराने का भरोसा दिलाया है।

राहत एवं बचाव कार्यों के लिए शारदा पार क्षेत्र में प्रशासन 24 घंटे तैनात

तहसील प्रशासन ने उपलब्ध कराया 300 परिवारों को गर्म भोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। शारदा नदी में बढ़े जलप्रवाह एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा शारदा नदी के पार स्थित सभी संवेदनशील एवं प्रभावित ग्रामों में राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। पूरनपुर तहसील मुख्यालय से शारदा पार क्षेत्र के ग्रामों की दूरी अधिक होने के कारण राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार का विलंब न हो तथा प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके, इसके लिए नायब तहसीलदार सौरभ दीप की अध्यक्षता में राजस्व निरीक्षक एवं सभी क्षेत्रीय लेखपालों की टीम को ग्राम श्रीनगर स्थित राजस्व चौकी पर 24 घंटे तैनात किया गया है। तैनात टीम द्वारा शारदा पार क्षेत्र के सभी ग्रामों में जलस्तर, आवागमन, कटान,

प्रभावित परिवारों की स्थिति तथा राहत आवश्यकताओं की निरंतर निगरानी की जा रही है। किसी भी आपात स्थिति की सूचना प्राप्त होते ही आवश्यक राहत एवं बचाव कार्य तत्काल प्रारंभ किए जाने की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में बुधवार शाम लगभग 300 प्रभावित परिवारों को गर्म एवं पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया गया। प्रभावित परिवारों के लिए हजारा, टिब्बा, शास्त्री नगर, लाल बहादुर शास्त्री नगर स्थित बाढ़ शरणालय तथा अन्य चिन्हित सुरक्षित स्थानों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उपजिलाधिकारी मयंक गोस्वामी ने जानकारी दी कि वृहस्पतिवार को प्रातः भी प्रभावित परिवारों को सुबह का भोजन उपलब्ध कराया गया तथा आवश्यकता के अनुसार आगे भी भोजन एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री की व्यवस्था निरंतर जारी रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, भोजन, पेयजल, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित परिवार तक समयबद्ध रूप से राहत एवं सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आमजन को आश्वस्त करता है कि शारदा पार क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए प्रशासनिक एवं राजस्व टीम लगातार 24 घंटे सक्रिय है और परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित की जा रही है।

राम जानकी मंदिर ट्रस्ट द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज । श्री राम जानकी मंदिर ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।प्रभात फेरी की शुरुआत राम जानकी मंदिर से

हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं का काफिला हनुमान नगर, मेवालाल बगिया, सब्जी मंडी, शंकर ढाल, नैनी बाजार और स्टेशन रोड होते हुए पुनः राम जानकी मंदिर पहुंचा, जहां प्रभात फेरी का समापन किया गया।इस दौरान श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन और भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रभात फेरी में प्रमुख रूप से मंदिर प्रबंधक त्रिभुवन नाथ चौरसिया,मंदिर पुजारी नंदू महाराज, राहुल केसरवानी, अरुण केसरवानी, दिलीप चौरसिया, चूचू जायसवाल, राम लखन केसरवानी, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नन्हे-मुन्नों ने धरा राधा-कृष्ण का रूप, कृष्णमय हुआ माधव ज्ञान केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण के मनमोहक स्वरूप को धारण कर अपनी प्रतिभा का मनोरम प्रदर्शन किया, जिसे देख सभी मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नीलम यादव (पूर्व पार्षद), विशिष्ट अतिथि सरिता जी (वर्तमान पार्षद अरैल) एवं अध्यक्ष के रूप में बबीता शर्मा (क्राइम रिपोर्टर, प्रयागराज) की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने बच्चों के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र जी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ आचार्य श्रीमान राधेश्याम तिवारी, व्यवस्था प्रमुख संजय कुमार मिश्र, रतना कुशवाहा कार्यालय प्रमुख सत्य प्रकाश गुप्ता तथा समस्त आचार्य बंधु एवं भगिनी उपस्थित रहे।

विधानसभा में 5000 संदिग्ध मतदाताओं की जांच कराने को सपाईयों ने सौपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर। समाजवादी पार्टी युवजन सभा की ओर से विधानसभा क्षेत्र 129- पूरनपुर में कथित रूप से बड़ी संख्या में फर्जी एवं संदिग्ध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने का आरोप लगाते हुए गुरुवार दोपहर एक बजे एसडीएम मयंक गोस्वामी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। युवजन सभा पदाधिकारियों ने एसडीएम को दिए पत्र में कहा कि विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर के विभिन्न इलाकों की मतदाता सूची के अवलोकन और स्थानीय स्तर पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर करीब 5000 मतदाताओं के नाम संदिग्ध एवं कथित रूप से गलत तरीके से दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। संगठन का दावा है कि उसके पास विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित प्रमाण एवं तथ्य उपलब्ध हैं, जिनके आधार पर मतदाता सूची की शुद्धता और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित होने की आशंका है। पत्र में मुख्य निर्वाचन

अधिकारी से मांग की गई है कि मामले का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्रों में दर्ज संदिग्ध मतदाताओं की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। जांच में जो मतदाता अपात्र या गलत तरीके से दर्ज पाए जाएं, उनके विरुद्ध निर्वाचन नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई करते हुए मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाया जाए। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा राजकुमार राजू, रामस्वरूप, इमरान वली खां, शमशुल हसन, उस्मान शाह, अमित वर्मा, ओम शर्मा, सतीश चंद्र वर्मा, अहीद खां, खुरशीद और वसंत वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लापता महिला का चौथे दिन नहर में मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। पति के साथ खेत की रखवाली करने गयी महिला लापता हो गयी थी। इस मामलें में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने महिला की खोजबीन शुरू कर दी थी। नहर के पास महिला की चप्पलें मिलने पर परिजन अनहोनी को लेकर परेशान थे। लगातार की जा रही तलाश के बीच चौथे दिन महिला का नहर से शव मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतका का शव कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया था। थाना घुंघचाई क्षेत्र के गांव दिलावरपुर निवासी 28 वर्षीय लक्ष्मी देवी का शव लापता होने के चौथे दिन गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे डूडा पुल के पास हरदोई ब्रांच नहर में बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया ।बताया गया कि लक्ष्मी देवी सोमवार सुबह अपने पति अशोक के साथ दंदौल पुल के समीप खेत की रखवाली करने गई थीं। पति अशोक के अनुसार वह पत्नी को खेत के पास छोड़कर कुछ दूरी पर दूसरे खेत की ओर चले गए थे। करीब एक घंटे बाद वापस लौटने पर लक्ष्मी वहां नहीं मिलीं। आसपास तलाश करने पर नहर पटरी के पास उनकी चप्पल और दुपट्टा पड़ा मिला था। इसके बाद महिला के नहर में गिरने या कूदने की आशंका जताई गई थी। सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी थी। लगातार खोजबीन के बावजूद तीन दिनों तक कोई सुराग नहीं लग सका। गुरुवार सुबह डूडा पुल के पास नहर में महिला का शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवा कर कब्जे में लिया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि महिला का शव बरामद हो गया पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है।

जीतेंद्र मिश्रा बने राम मंदिर ट्रस्ट के पहले CEO, गोविंद देव गिरि महासचिव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बुधवार को अयोध्या में हुई बैठक में राम मंदिर के संचालन को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। ट्रस्ट ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति कर दी है। सीईओ चयन समिति की अनुशंसा पर ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया। बैठक में न्यास मंडल में रिक्त तीन पदों को भी भरा गया। महेश भागचंदका, मदनमोहन पांडेय और डॉ. निर्मला यादव को नया न्यासी नियुक्त किया गया है। इसी के साथ ही राम मंदिर ट्रस्ट का 15 सदस्यीय स्वरूप फाइनल हो गया है। बैठक में पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। अब तक कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे स्वामी गोविंददेव गिरि अब महामंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। महेश भागचंदका नए कोषाध्यक्ष होंगे। बैठक मणिराम दास की छावनी में दो सत्रों में संपन्न हुई। पहले सत्र में तीन नए न्यासियों की नियुक्ति पर चर्चा हुई जबकि दूसरे सत्र में सीईओ के नाम पर अंतिम मुहर लगाई गई। अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने की। बैठक में नवनियुक्त महामंत्री गोविंद देव गिरि, जगतगुरु वासुदेवानंद सरस्वती, युगपुरुष परमानंद, महंत दिनेंद्र दास, डॉक्टर कृष्ण मोहन, पदेन सदस्य जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, आमंत्रित सदस्य के रूप में महंत कमल नयन दास, बजरंग लाल बांगड़ा, विहिप के दिनेश चंद्र, ट्रस्ट के सचिव जगदीश आफले, राज गोपाल मिनियार, समीर पांडा शामिल रहे। इसके अलावा जगद्गुरु विश्व प्रसन्न तीर्थ, के परासरण के अलावा निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र, केंद्र सरकार व राज्य सरकार के प्रतिनिधि ऑनलाइन बैठक से जुड़े। पूछताछ से छूटने के बाद आशीष जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर को टैग करते हुए अपना दर्द और नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा कि हिरासत या पूछताछ के दौरान परिवार को सूचित करना एक कानूनी अनिवार्यता है, कोई ऐच्छिक शिष्टाचार नहीं। उन्होंने बताया, 'बुधवार सुबह जब मैं मॉर्निंग वॉक पर था, तब पुलिसकर्मी मुझे यह कहकर साथ ले गए कि इसमें बहुत कम समय लगेगा। लेकिन वक्त बीतने के साथ जब मैंने अपनी पत्नी को खबर करने की बात कही, तो अधिकारियों ने 'ऊपर के निर्देशों' का हवाला देकर साफ इनकार कर दिया। जोशी ने बताया कि उन्हें पूरे दिन में पहली बार शाम 6:38 बजे अपने घर फोन करने दिया गया। इस दौरान उनका परिवार और करीबी दोस्त अनहोनी की आशंका से पूरे दिन सख्त मानसिक तनाव और घबराहट में रहे। उन्होंने पुलिस आयुक्त से मांग की है कि सभी पुलिस इकाइयों को सख्त निर्देश जारी किए जाएं ताकि किसी अन्य नागरिक के परिवार को इस तरह की प्रताड़ना न झेलनी पड़े। इससे पहले कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने इस पूरी कार्रवाई पर पुलिस को घेरा। उन्होंने बताया कि आशीष जोशी को चाणक्यपुरी स्थित नेहरू पार्क से मॉर्निंग वॉक के दौरान पुलिसकर्मियों ने अपनी गाड़ी में बैठाया था। दीक्षित के अनुसार, जोशी ने सुबह उन्हें कॉल करने की कोशिश की थी, लेकिन बात नहीं हो सकी और बाद में उनका फोन लगातार स्विच ऑफ आया। दीक्षित ने कहा कि स्पेशल सेल के कई दफ्तरों और दिल्ली पुलिस मुख्यालय के चक्कर काटने के बाद भी घंटों तक पुलिस यह बताने को तैयार नहीं थी कि पूर्व अधिकारी कहां हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से उन्होंने बताया कि दो पुलिसकर्मी आए और एक्स (ट्विटर) पोस्ट के सिलसिले में पूछताछ की बात कहकर उन्हें न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी ले गए। परिजनों और वकीलों के भटकने के बावजूद पुलिस का कोई अधिकारी कुछ भी स्पष्ट कहने से बचता रहा। मामला बढ़ने के बाद पुलिस ने आधिकारिक तौर पर तो नहीं लेकिन सफाई जरूर दी, पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जोशी को सुबह करीब 10 बजे न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित स्पेशल सेल दफ्तर लाया गया था और शाम 7 बजे रिहा कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था, बल्कि एक

अब इंदौर में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' को रोकने की कोशिश, स्टेडियम की अनुमति नहीं मिली, अब 19 सितंबर को होगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। देहरादून, कोटा, प्रयागराज और पुणे के बाद अब इंदौर में भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 12 सितंबर को प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को रोकने की कोशिश की जा रही है। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजन की अनुमति नहीं मिलने के कारण कार्यक्रम की तारीख बदल दी गई है। अब यह कार्यक्रम 19 सितंबर को होगा। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्टेडियम उपलब्ध कराने से इनकार किए जाने के बाद अब यह कार्यक्रम 12 सितंबर के बजाय 19 सितंबर को आयोजित होगा। पटवारी ने यह घोषणा इंदौर में कार्यक्रम की तैयारियों से जुड़ी बैठक के दौरान की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब कार्यक्रम के लिए नया आयोजन स्थल तलाश करके उसे तैयार करेगी। जीतू पटवारी ने इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर 12 सितंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। उन्होंने पत्र में कहा था कि राहुल गांधी का कार्यक्रम कोई सामान्य राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि देश के भविष्य, युवाओं के सपनों, शिक्षा के अधिकार और शिक्षा व्यवस्था की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित जनसंवाद है। नेहरू स्टेडियम इंदौर नगर निगम के तहत आता है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा था कि नेहरू स्टेडियम को लेकर उच्च न्यायालय का स्पष्ट आदेश है, जिसके तहत वहां खेलकूद गतिविधियों या राज्यस्तरीय शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन की ही अनुमति दी जा सकती है।महौपार के इस बयान पर इंदौर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने कहा था कि यदि नेहरू स्टेडियम में राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिली, तो आंदोलन किया जाएगा। 'छात्रों की गूंज' कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया विद्यार्थी-संवाद अभियान है जिसके तहत देश के अलग-अलग शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राहुल गांधी इस अभियान के जरिये प्रश्नपत्र लीक, महंगी शिक्षा, सरकारी भर्तियों में अनियमितताओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठा रहे हैं।

पहली बारिश में ही बह गया मोदी सरकार का 'विकास'! गंगा एक्सप्रेस-वे पर 7 फीट गड्ढा, ऊपर बिछाई चादर और शॉल।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। हजारों करोड़ रुपये की लागत से तैयार जिस एक्सप्रेसवे को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास का मॉडल बताया गया, उसकी असल स्थिति पहली बारिश से ही सामने आ गई। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच मानसून की बारिश ने एक बार फिर मोदी सरकार के 'विकास' को बहा ले गई! दरअसल, उन्नाव में भारी बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा धंस गया और वहां करीब सात फीट गहरा गड्ढा बन गया। यह वही एक्सप्रेसवे है, जिसे सरकार उत्तर प्रदेश के विकास की नई रफ्तार और अपनी बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश करती रही है। बसीरतगंज टोल प्लाजा के पास प्रयागराज की ओर जाने वाले कैरिजवे पर करीब 423.6 किलोमीटर पर सड़क के धंसने से करीब पांच फीट चौड़ा और सात फीट गहरा गड्ढा बन गया। हादसे की आशंका को देखते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से से करीब 300 मीटर पहले ही बैरिकेडिंग कर यातायात को दूसरी लेन में डायवर्ट कर दिया गया। आपको बता दें, गंगा एक्सप्रेसवे कोई सामान्य सड़क परियोजना नहीं है। करीब 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर लगभग 36,230 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 अप्रैल 2026 को हरदोई में इसका उद्घाटन किया था। केंद्र सरकार ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास और कनेक्टिविटी के लिए बेहद महत्वपूर्ण परियोजना बताया था। उद्घाटन के समय जिस एक्सप्रेसवे को विकास की नई 'लाइफलाइन' बताया गया था, अब उसी पर मानसून के दौरान सड़क धंसने की घटनाएं सवाल खड़े कर रही हैं। खास बात यह है कि इस मानसून में उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर सड़क क्षतिग्रस्त होने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 17 अगस्त को दही थाना क्षेत्र के सोनिक गांव के पास करीब 421 किलोमीटर पर सड़क के किनारे की मिट्टी बह गई थी। करीब 200 मीटर हिस्से में सड़क को नुकसान पहुंचा था।

नवदिया टोडरपुर-जरा बुजुर्ग की कच्ची सड़क से ग्रामीण परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। पूरनपुर-माधोटांडा-खटीमा मुख्य मार्ग से जुड़ा ग्राम जरा बुजुर्ग से नवदिया टोडरपुर तक लगभग 2 किलोमीटर का प्रमुख संपर्क मार्ग कच्चा एवं जर्जर है। बारिश के दिनों में मार्ग पर जलभराव, कीचड़ और गहरे गड्ढों के कारण राहगीरों, किसानों एवं विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह क्षेत्र कृषि बाहुल्य होने के कारण गन्ना, धान एवं गेहूं की फसल करने वाले बड़ी संख्या में किसानों के लिए यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। मार्ग पर स्थित विद्यालय में जरा बुजुर्ग के छात्र-छात्राओं को भी प्रतिदिन आवागमन में परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग कई गांवों एवं अन्य संपर्क रास्तों को आपस में जोड़ता है और क्षेत्र की मुख्य कच्ची सड़क के रूप में माधोटांडा-पूरनपुर मुख्य मार्ग से जुड़ती है। इस समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) टिकैत गुट, पीलीभीत के जिला सचिव घासी राम ने सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार जितिन प्रसाद को पत्र भेजकर जनहित में सड़क का शीघ्र पक्का निर्माण कराने का अनुरोध किया है। साथ ही लोक निर्माण विभाग पीलीभीत के उच्च अधिकारियों को भी पूर्व में समस्या से अवगत कराया गया है। जानकारी मिली है कि विभाग की 3 सितंबर 2026 की अनुपालन आख्या में मार्ग को वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना में नवदिया टोडरपुर मार्ग के नवनिर्माण हेतु शामिल किए जाने की जानकारी दी गई है। जरा बुजुर्ग पेट्रोल पंप संचालक कप्तान सिंह कुशवाहा ने कहा कि आस-पास के ग्रामों, स्कूल, किसानों और राहगीरों का आवागमन इसी मार्ग से जुड़ा है, इसलिए प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर सड़क निर्माण कराना चाहिए। वहीं युवा छात्र इंजीनियर ध्रुव कुमार ने कहा कि कई गांवों और संपर्क मार्गों को जोड़ने वाली यह सड़क किसानों, युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से शीघ्र स्थलीय निरीक्षण कर पक्की सड़क का निर्माण कराने की मांग की है।

कानपुर में क्र्स्स्न कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के पेपर लीक का आरोप, छात्रों के हंगामे के बाद रद्द, 18 सितंबर को री-एग्जाम।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के कानपुर में बीएसएफ हेड कांस्टेबल मिनिस्ट्रियल (बीएसएफ एचसीएम) भर्ती परीक्षा के दौरान बड़ा हंगामा हुआ है। तकनीकी खराबी के कारण परीक्षा के दौरान व्यवधान आने का आरोप लगाते हुए कई छात्रों ने हंगामा किया। इसे देखते हुए परीक्षा रद्द कर दी गई और 18 सितंबर को पुनर्निर्धारित की गई है। गाजीपुर जिले के रहने वाले अभ्यर्थी आलोक यादव ने कहा कि परीक्षा के दौरान बार-बार सर्वर डाउन हो रहा था। इसके अतिरिक्त, 1 घंटा 40 मिनट की परीक्षा में कम से कम 5 बार इनविजिलेटरों ने परीक्षार्थियों को परेशान किया। इसका वीडियो भी अभ्यर्थियों के पास मौजूद है। इन सबके बावजूद छात्रों को नोटिस नहीं दिया जा रहा है कि यह परीक्षा फिर से आयोजित की जाएगी या नहीं। इसी को लेकर हमलोग प्रदर्शन कर रहे हैं। आलोक ने कहा कि हालांकि, कुछ देर के प्रदर्शन के बाद ये लोग आनन-फानन में हमलोग के सामने एक झूठा नोटिस लेकर आते हैं, जिसके बारे में नहीं बताया जा सकता है कि यह सही है या गलत। उन्होंने बताया कि इस भर्ती परीक्षा का पेपर पिछले 2 वर्षों से अटका हुआ था। आए दिन हम अपने फोन में ऐसा नोटिस देखते रहते हैं। 2 वर्ष पहले इसका फिजिकल हुआ था और बार-बार मोबाइल में इसके पेपर होने का नोटिस आ रहा था। अंततः दो वर्ष बाद पेपर के आयोजन का पता चला और बहुत ही मुश्किलों से हम लोग बारिश में केंद्र तक पहुंचे, जिसके बाद यह स्थिति रही। एक अन्य उम्मीदवार प्रकाश विश्वकर्मा ने बताया कि वह देवरिया जिले से आए हैं और उनका पेपर तीसरे शिफ्ट में था। हमारी सरकार से यही मांग है कि परीक्षा दोबारा पारदर्शी तरीके से कराई जाए और ऑफिशियल तारीख की घोषणा की जाए। इसी के साथ ऐसे इंस्टीट्यूट का लाइसेंस रद्द किया जाए, जहां इस प्रकार की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि परीक्षा के दौरान लगभग एक घंटे तक कंप्यूटर चला। इसके बाद लगभग सभी का बंद हो गया। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस पेपर को दोबारा सही तरीके से कराया जाए और परीक्षा की तारीख की आधिकारिक घोषणा की जाए।

चंदिया हजारा व शास्त्री नगर में राहत कार्य निरंतर जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति के दृष्टिगत प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यो के क्रम में बृहस्पतिवार को पुनः ग्राम चंदिया हजारा (हजारा भाग) तथा शास्त्री नगर क्षेत्र में पूर्व से संचालित सामुदायिक भोजनालय (कम्युनिटी किचन) के माध्यम से भोजन वितरण एवं स्थलीय निरीक्षण का कार्य सुचारू व प्रभावी रूप से संपन्न कराया गया। सामुदायिक भोजनालय में शुद्धता व गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए 300 प्रभावित परिवारों के लिए कुल 900 पैकेट भोजन तैयार कराया गया। आज भोजन में पूरी, सब्जी व अचार की समुचित व्यवस्था की गई, जिसे सुरक्षित बंद डिब्बों में पैक कर ग्रामीणों के घर-घर (डोर-टू-डोर) जाकर वितरित किया गया। राहत वितरण एवं स्थलीय निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार सौरभ दीप, राजस्व निरीक्षक महेशपाल, क्षेत्रीय लेखपाल प्रद्युमन पांडे, श्याम मौर्य, रामेश्वर चौहान तथा लेखपाल आशीष निषाद मौके पर उपस्थित रहे। इसके साथ ही ग्राम प्रधान मनोज सिंह, ग्राम चंदिया हजारा के प्रधान वासुदेव कुंडू एवं क्षेत्र के अन्य संभ्रांत नागरिकों की संयुक्त उपस्थिति में वितरण कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ। प्रशासनिक अधिकारियों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा गांव का सघन भ्रमण कर घरों व मार्गों पर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कहीं भी जलभराव की स्थिति पाई जाती है, तो वहां तत्काल जलनिकासी कराई जाए। हालांकि मौके पर पाया गया कि गांव से बाढ़ का पानी पूरी तरह उतर चुका है और जलभराव पूरी तरह समाप्त हो गया है। आवागमन के सभी रास्ते सुचारू हो चुके हैं तथा ग्रामीणों का रहन-सहन व दैनिक जनजीवन तेजी से सामान्य हो गया है। प्रशासन स्थिति पर आगे भी निरंतर निगरानी बनाए हुए है।

फसल बीमा प्रीमियम डेबिट करने को 10 सितंबर अंतिम तिथि घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। फसल बीमा प्रीमियम डेबिट करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर घोषित की गई है। केसीसी के लिए शारदा पार वाइब्रेट गांव में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिक से अधिक किसानों को केसीसी योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र की अध्यक्षता में जिला समन्वयक समिति एवं जिला स्तरीय पुनर्रीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत ऋण उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। उप कृषि निदेशक राम मिलन परिहार ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सरकार की महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने सभी बैंकों के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटरों को निर्देश दिए कि खरीफ सीजन में धान की अधिसूचित फसल वाले पात्र किसानों का बीमा प्रीमियम उनके खातों से 10 सितंबर तक अनिवार्य रूप से डेबिट कर लिया जाए। पूर्व में इसकी अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर 10 सितंबर कर दिया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन किसानों के खातों से प्रीमियम डेबिट किया जाए, उनकी प्रविष्टि एनसीआईपी पोर्टल पर भी अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी पात्र किसान का प्रीमियम नहीं काटा जाता है और बाद में प्राकृतिक आपदा अथवा अन्य कारणों से उसकी फसल को नुकसान होता है, तो संबंधित बैंक स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिला बैंकर्स समन्वयक को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक नए किसान क्रेडिट कार्ड बनवाए जाएं और पुराने केसीसी का समय से नवीनीकरण कराया जाए। साथ ही भारत सरकार और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र किसानों को ऋण उपलब्ध कराकर योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिले में अपेक्षाकृत कम प्रगति पर गंभीरता जताई। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की तुलना में योजना की प्रगति अभी कम है, इसलिए सभी बैंक 10 सितंबर तक पात्र किसानों का प्रीमियम समय से डेबिट कराना सुनिश्चित करें।सीडीओ ने एलडीएम को निर्देशित किया कि शारदा पार क्षेत्र के गांवों और जनपद के वाइब्रेंट गांवों में किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक किसान केसीसी योजना से लाभान्वित हो सकें। बैठक में जिला विकास अधिकारी, एलडीएम, डीडीएम नाबार्ड, जिला कृषि अधिकारी, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, अन्य संबंधित अधिकारी तथा इफको टोकियो कंपनी के जिला समन्वयक महेंद्र भारती और तहसील समन्वयक जगमोहन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पंजाब में बीजेपी सांसद राघव चड्ढा का नाम उड़ाया, झारखंड में जांच का आदेश।

ब्यूरो। चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। वहीं झारखंड के गोड्डा जिले में एक बूथ पर 25 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए जमा किए गए स्न्रशहद्ध 7 को लेकर प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। इन दोनों घटनाओं ने स्ढ्ढक्रके दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया, उसकी पारदर्शिता और राजनीतिक दुरुपयोग की आशंकाओं पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब में 13 अगस्त को प्रकाशित स्ढ्ढक्रकी ड्राफ्ट मतदाता सूची में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम उन मतदाताओं की सूची में शामिल है, जिनके नाम Absent, Shifted, Deceased and Duplicate (ASDD) श्रेणीदीक्षित ने कहा कि स्पेशल सेल के कई दफ्तरों और दिल्ली पुलिस मुख्यालय के चक्कर काटने के बाद भी घंटों तक पुलिस यह बताने को तैयार नहीं थी कि पूर्व अधिकारी कहां हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से उन्होंने बताया कि दो पुलिसकर्मी आए और एक्स (ट्विटर) पोस्ट के सिलसिले में पूछताछ की बात कहकर उन्हें न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी ले गए। परिजनों और वकीलों के भटकने के बावजूद पुलिस का कोई अधिकारी कुछ भी स्पष्ट कहने से बचता रहा। के तहत हटाए गए हैं। चड्ढा के नाम के सामने कारण 'permanently shifted' यानी स्थायी रूप से ट्रांसफर दर्ज है। को लेकर कोई सवाल या आपत्ति थी तो उन्हें ड्राफ्ट सूची में शामिल कर दावों और आपत्तियों की अवधि के दौरान आवश्यक दस्तावेज लेने चाहिए थे। उनके मुताबिक, ऐसा नहीं किया गया और उनके मामले में आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि यह महज क्लेरिकल गलती नहीं बल्कि 'राजनीतिक प्रतिशोध' का मामला है।

प्रदेश में नकली दवाओं के नेटवर्क का भंडाफोड़, लखनऊ से दूसरे कई शहरों तक फैला है अवैध नेटवर्क

ब्यूरो। प्रदेश में नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की कार्रवाई में सहारनपुर से लखनऊ तक फैले सप्लाई नेटवर्क का खुलासा हुआ है। लखनऊ में गिरफ्तार सहारनपुर निवासी एजाज से पूछताछ के बाद सहारनपुर के नागल क्षेत्र में कार्रवाई की गई। एजाज का नाम अमीनाबाद थाने में दर्ज एफआईआर में भी है और उस पर सस्ती/नकली दवाओं की सप्लाई से जुड़े होने का आरोप है। जांच के अनुसार, एजाज अलग-अलग स्थानों से दवाएं और पैकिंग सामग्री जुटाकर संबंधित ठिकानों तक पहुंचाता था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मिली जानकारी के आधार पर ग्राम व पोस्ट कोटा, थाना नागल स्थित एक मकान में छापा मारा गया। यहां 41 लुपिन और दो मैक्लिओड्स के कॉरुगेटेड बॉक्स मिले। तहखाने से स्ट्रिपिंग मशीन, डिफकॉर्ट-6 की प्रिंटेड एल्युमिनियम फॉयल, बैच स्टीरियो और विभिन्न डाई-पंच बरामद हुए। कार्रवाई में डिफकॉर्ट-6 की करीब 32.555 किलो स्ट्रिप्स, 973 प्रिंटेड कार्टन, रोसुवास एफ-10 के 472 प्रिंटेड कार्टन, 6.950 किलो पीली और 4.900 किलो सफेद गोलियां मिलीं। रोसुवास एफ-10 व डिफकॉर्ट-6 की प्रिंटेड फॉयल के अलावा 6.370 किलो सादा एल्युमिनियम फॉयल भी बरामद हुआ। पूछताछ में विनीत ने बताया कि तहखाने में दवाओं की पैकिंग होती थी। सहारनपुर एफआईआर में विनीत कुमार, प्रतीश कुमार, प्रेम मलिक, इश्तकार भाई, रहमान, अमित सेन, एजाज और उबैर के नाम हैं। प्रथमदृष्टया इसे संगठित सिंडिकेट माना गया है। विनीत के अनुसार इश्तकार, रहमान और अमित सेन टैबलेट, फॉयल, कार्टन व बैच स्टीरियो उपलब्ध कराते थे, जबकि तैयार स्ट्रिप्स इश्तकार, रहमान, अमित सेन, एजाज और उबैर ले जाते थे। लखनऊ में अभिलेखों की जांच में क्योरपाथ इंटरनेशनल, श्रीकृष्ण फार्मास्युटिकल्स डिस्ट्रीब्यूटर्स और विनोद फार्मास्युटिकल्स डिस्ट्रीब्यूटर्स से जुड़े लेनदेन सामने आए।

'मुझे मॉर्निंग वॉक से ले गए, शाम को छोड़ा, परिवार को खबर करने तक नहीं दिया', पूर्व नौकरशाह आशीष जोशी ने दिल्ली पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। पूर्व दूरसंचार संचार नियंत्रक और रिटायर्ड नौकरशाह आशीष जोशी से दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बुधवार को करीब नौ घंटे तक गहन पूछताछ की। मामला उनके हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पूछताछ के बाद शाम को उन्हें छोड़ दिया गया, लेकिन जिस तरह से पुलिस उन्हें उठाकर ले गई और परिजनों को बेखबर रखा, उससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर कानूनी व नैतिक सवाल खड़े हो गए हैं। पूछताछ से छूटने के बाद आशीष जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर को टैग करते हुए अपना दर्द और नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा कि हिरासत या पूछताछ के दौरान परिवार को सूचित करना एक कानूनी अनिवार्यता है, कोई ऐच्छिक शिष्टाचार नहीं। उन्होंने बताया, 'बुधवार सुबह जब मैं मॉर्निंग वॉक पर था, तब पुलिसकर्मी मुझे यह कहकर साथ ले गए कि इसमें बहुत कम समय लगेगा। लेकिन वक्त बीतने के साथ जब मैंने अपनी पत्नी को खबर करने की बात कही, तो अधिकारियों ने 'ऊपर के निर्देशों' का हवाला देकर साफ इनकार कर दिया। जोशी ने बताया कि उन्हें पूरे दिन में पहली बार शाम 6:38 बजे अपने घर फोन करने दिया गया। इस दौरान उनका परिवार और करीबी दोस्त अनहोनी की आशंका से पूरे दिन सख्त मानसिक तनाव और घबराहट में रहे। उन्होंने पुलिस आयुक्त से मांग की है कि सभी पुलिस इकाइयों को सख्त निर्देश जारी किए जाएं ताकि किसी अन्य नागरिक के परिवार को इस तरह की प्रताड़ना न झेलनी पड़े।। मामला बढ़ने के बाद पुलिस ने आधिकारिक तौर पर तो नहीं लेकिन सफाई जरूर दी, पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जोशी को सुबह करीब 10 बजे न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित स्पेशल सेल दफ्तर लाया गया था और शाम 7 बजे रिहा कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था, बल्कि एक पुराने मामले में बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया था।

दावे के समर्थन में कोई दस्तावेज़ नहीं: राहुल गांधी के ब्रिटिश नागरिक होने के आरोप वाली याचिका खारिज

ब्यूरो। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछले हफ़्ते उस रिट याचिका को वापस लेने की अनुमति दी, जिसमें आरोप लगाया गया कि विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ब्रिटिश नागरिक हैं। इस याचिका में रायबरेली से लोकसभा सदस्य का पद संभालने के गांधी के अधिकार पर भी सवाल उठाया गया। याचिकाकर्ताओं द्वारा याचिका में लगाए गए आरोपों और दावों के समर्थन में एक भी दस्तावेज़ पेश न कर पाने के बाद इसे वापस लेने की अनुमति देते हुए खारिज कर दिया गया। जस्टिस शेखर बी. सराफ और जस्टिस अभदेश कुमार चौधरी की बेंच वकील अशोक पांडे और एक अन्य व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में राहुल गांधी (जिन्हें याचिका में 'श्री राहुल गांधी ञ्च राउल विंची' कहा गया) के खिलाफ 'को वारंटो' (अधिकार-पृच्छा) रिट जारी करने की मांग की गई। यह याचिका इस 'अनुमानित आधार' पर आधारित थी कि वे भारतीय नागरिक नहीं, बल्कि ग्रेट ब्रिटेन के नागरिक हैं। कोर्ट ने गौर किया कि याचिकाकर्ताओं ने पहले 2015 और 2019 में भी ऐसी ही रिट याचिकाएं दायर की थीं, जिनमें राहुल गांधी की कथित तौर पर भारतीय नागरिकता खत्म होने का मुद्दा उठाया गया और उन्हें ब्रिटिश नागरिक घोषित करने की मांग की गई। कोर्ट ने पाया कि 2015 की याचिका में एक समान बेंच ने कहा कि नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 9(2) के तहत ऐसी शिकायत का समाधान केंद्र सरकार के पास ही हो सकता है। कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि 2019 की कार्यवाही में इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के पास पहले ही अभ्यावेदन (रिप्रेजेंटेशन) दायर किया जा चुका था और उस पर विचार किया जाना अभी बाकी था। कोर्ट ने यह भी गौर किया कि याचिकाकर्ता नंबर 2 का अभ्यावेदन 3 मई, 2019 को दायर किया गया और केंद्र सरकार ने 29 जून, 2019 को इसकी प्राप्ति स्वीकार की थी। इस मामले के लंबित रहने के दौरान, याचिकाकर्ताओं ने कई अधिकारियों से संपर्क किया, जिसमें 2024 के आम चुनावों के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर भी शामिल थे। इस पृष्ठभूमि में, कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ताओं ने फिर से हाईकोर्ट का रुख किया और तर्क दिया कि चूंकि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनके अभ्यावेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, इसलिए कोर्ट को खुद इस मुद्दे पर गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। हालांकि, बेंच ने पाया कि कम से कम चार रिट याचिकाओं में पहले ही ऐसी ही मांगें की जा चुकी थीं। इसके बावजूद, जब याचिकाकर्ता ने खुद बेंच के सामने अपना पक्ष रखने पर ज़ोर दिया तो कोर्ट ने उनकी बात सुनी। इन दलीलों पर विचार करते हुए कोर्ट ने कहा कि हालांकि यह तर्क आकर्षक लग रहा था, लेकिन याचिकाकर्ता अपने मामले को दस्तावेज़ी सबूतों से साबित करने में नाकाम रहे। आगे कहा गया, '...हालांकि, जब उनसे उनकी इस दलील का आधार पूछा गया तो याचिकाकर्ता रिकॉर्ड पर ऐसा कोई भी दस्तावेज़ नहीं दिखा सके, जो कंपनी के गठन, ब्रिटेन के रजिस्ट्रार ऑफ़ कंपनीज़ के रिकॉर्ड, या इस बात की किसी घोषणा से संबंधित हो कि राहुल गांधी उर्फ़ राउल विंची ने खुद को ब्रिटिश नागरिक बताया।'